राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,17 सितम्बर 2020 वर्ष-3, अंक -231 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीजेपी पर प्रियंका गांधी के हमले हुए और तेज, बोली- युवा अपना हक मांगने सड़क पर उतर चुका है

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने सरकारी नौकरी के पहले पांच साल संविदा पर रखे जाने के संभावित प्रस्ताव का विरोध करते हुये लगातार दूसरे दिन सरकार पर हमला जारी रखा। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि युवा अपना हक मांगने सड़क पर उतर चुका है। वाड्रा ने बुधवार को ट्वीट में लिखा गि वाह री सरकार, पहले तो नौकरी ही नहीं दोगे। जिसको मिलेगी उसको 30-35 से पहले नहीं मिलेगी। फिर उस पर 5 साल अपमान वाली संविदा की बंधुआ मजदूरी और अब कई जगहों पर 50 वर्ष पर ही रिटायर की योजना। युवा सब समझ चुका है। अपना हक मांगने वो सड़कों पर उतर चुका है। अंत में उन्होने लिखा ध्राष्ट्रीयद्ब्बेरोजगारद्बदिवस । प्रियंका ने ट्वीट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें कुछ युवा सड़क पर विरोध प्रदर्शन करते दिखाई दे रहे हैं। वहीं इससे पहले उन्होंने मंगलवार को ट्वीट कर लिखा था कि संविदा = नौकरियों से सम्मान विदा, पांच साल की संविदा= युवा अपमान कानू, माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने पहले भी इस तरह के कानून पर अपनी तीखी टिप्पणी की है। इस सिस्टम को लाने का उद्देश्य क्या है। लगाकर दर्द बढ़ाने की योजना ला रही है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों में पहले पांच साल संविदा पर रखे जाने की योजना संभावित है सरकार युवाओं के दर्द पर मरहम न लगाकर दर्द बढ़ाने की योजना ला रही है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों में पहले पांच साल संविदा पर रखे जाने की योजना संभावित है हालांकि सरकार इस संबंध में अभी कोई प्रस्ताव नहीं लायी है लेकिन विपक्ष ने इस प्रस्ताव को लेकर सरकार की घेराबंदी तेज कर दी है। कांग्रेस के अलावा समाजवादी पार्टी (सपा) और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) इस सिलसिले में खुल कर सरकार के सामने आ गयी है।

स्वास्थ्य वजहों से मनमोहन, चिदंबरम, फर्नांडिस राज्यसभा के मौजूदा सत्र में नहीं लेंगे भाग

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनमोहन सिंह तथा पूर्व मंत्री पी चिदंरबम स्वास्थ्य संबंधी वजहों से मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा की बैठकों में भाग नहीं लेंगे। बुधवार को उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति एम वेंकैया नायडू ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि उन्हें कुछ सदस्यों के पत्र मिले हैं जिनमें उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से मौजूदा सत्र की कार्यवाही में भाग लेने में असमर्थता जताते हुए सदन से इसकी अनुमति मांगी है। नायडू ने कहा कि उन्हें मनमोहन सिंह, पी चिदंबरम, ऑस्कर फर्नांडिस, हिशे लाचुंगपा, मानस रंजन भूइयां, अंबुमणि रामदास, सुशील कुमार गुप्ता, कैप्टन वी लक्ष्मी कांताराव, परिमल नथवानी, महेंद्र प्रसाद, के जे केनये के पत्र मिले हैं। इन सदस्यों ने पूरे सत्र के दौरान कार्यवाही में हिस्सा लेने में असमर्थता जतायी है। इसके अलावा नरेंद्र जाधव, ए नवनीत कृष्णन और बंदा प्रकाश के भी पत्र मिले हैं। उन्होंने भी मौजूदा सत्र की कुछ बैठकों में भाग लेने में असमर्थता जतायी है। सदन ने इन सदस्यों को अनुपस्थित रहने के लिए अनुमति दे दी।

भारत-चीन के बीच एलएसी पर तनाव, मोदी सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। लद्दाख में सीमा पर चीन के साथ जारी गतिरोध के बीच मोदी सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बैठक में कई राजानीतिक दलों के नेता शामिल होंगे। यह बैठक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के द्वारा चीन के साथ विवाद पर लोकसभा में दिए गए बयान के बाद हो रही है। संसद सत्र में सरकार की ओर से बयान दिया गया है, लेकिन विपक्ष की ओर से पूरे विवाद पर विस्तार से चर्चा की मांग की जा रही थी। जिसको लेकर कांग्रेस ने लोकसभा में विरोध भी जताया, अब सरकार की ओर से चर्चा के लिए इस बैठक को बुलाने पर जोर दिया गया है। जब मॉनसून सत्र की शुरुआत हुई और प्रश्नकाल को रद्द किया गया तब भी कांग्रेस, टीएमसी समेत कई विपक्षी पार्टियों ने सरकार को घेरा और चीन के मसले पर भागने का आरोप लगाया। लोकसभा में राजनाथ सिंह ने अपने बयान में कहा था कि लद्दाख में स्थिति गंभीर है और चीन एलएसी की मौजूदा स्थिति को बदलने की कोशिश कर रहा है। राजनाथ सिंह ने अप्रैल से अब तक की सभी जानकारी देते हुए कहा कि हम इस विवाद को बातचीत से सुलझाना चाहते हैं, लेकिन अगर परिस्थिति बदली तो भारतीय सेना तैयार है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस और पूरा विपक्ष मोदी सरकार पर हमलावर है। राहुल हर रोज ट्विटर के जरिए सरकार पर चीन विवाद पर गुमराह करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर डरने का आरोप लगा रहे हैं। वहीं, बुधवार को भी राहुल ने सरकार के अलग-अलग बयान दिए जाने का दावा किया।

लोकसभा में बोली सरकार, कोरोनाा के कारण 2020-21 की पहली तिमाही में जीडीपी में 23.9प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली ।

सरकार ने मंगलवार को बताया कि स्थिर कीमतों (2011 -12) पर सकल घरेलू उत्पाद में कोविड-19 सहित विभिन्न कारकों के कारण वर्ष 2021-21 की प्रथम तिमाही के दौरान 23.9 प्रतिशत की कमी हुई है। लोकसभा में एस जगतरक्षकन, राजीव रंजन सिंह ललन, ए के पी चिनराज, कौशलेंद्र कुमार, के मुरीलधरन के प्रश्न के लिखित उत्तर में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन तथा योजना मामलों के मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा, '' सरकार ने अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिये अनेक उपाए किये हैं।%% उन्होंने कहा कि इनमें अन्य बातों के साथ साथ नकद अंतरण या उसके बदले में अन्य वस्तु द्वारा परिवारों के लिये सहायता उपाए, मनरेगा कार्यकर्ताओं के लिये वेतन वृद्धि और भवन एवं निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के लिये सहायता शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि इसमें स्व सहायता समूहों के लिये गिरवी मुक्त रिण, ईपीएफ अंशदान में कमी, प्रवासी मजदूरों के लिये रोजगार का प्रावधान, पीएम स्वनिधि के तहत रेहड़ी पटरी वालों के लिये रिण सुविधा, अत्मनिर्भर पैकेज आदि शामिल हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार ने सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि पर विमुद्रीकरण तथा कोविड-19 के प्रभाव का आकलन किया है, मंत्री ने बताया, '' स्थिर कीमतों (2011 - 12) पर सकल घरेलू उत्पाद में कोविड-19 सहित विभिन्न कारकों के कारण वर्ष 2021-21 की प्रथम तिमाही के दौरान 23.9 प्रतिशत की कमी हुई है।

यह 2019-20 की प्रथम तिमाही में 5.2 प्रतिशत रही थी। राव ने कहा कि वर्ष 2020-21 की प्रथम तिमाही के दौरान खनन और उत्खनन, विनिर्माण , निर्माण, व्यापार, होटल यातायात, संचार एवं प्रसारण संबधित सेवाओं में तेज गिरावट दर्ज की गई । उन्होंने बताया कि वर्ष 2020-21 की प्रथम तिमाही के दौरान गिरावट कृषि, वानिकी एवं मत्स्य क्षेत्र के अतिरिक्त लगभग सभी व्यापक क्षेत्रों में वृद्धि दरों में गिरावट के कारण हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

मरने वाले प्रवासी मजदूरों का आंकड़ा नहीं, सरकार ने संसद में कहा

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए लगाए गए देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान लोगों के घायल होने या जान गंवाने को लेकर कोई आंकड़े उसके पास नहीं हैं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। यह प्रश्न कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूछा था। रेड्डी ने बताया ''केंद्र सरकार के पास लॉकडाउन के दौरान प्रताड़ना, घायल होने या लोगों की मौत होने के संबंध में दर्ज प्राथमिकी, मामले या शिकायतों के आंकड़े नहीं हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि पुलिस और कानून व्यवस्था भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची के अनुसार राज्य का विषय है अत॰ कार्रवाई संबद्ध राज्य सरकारों द्वारा की गई। खड़गे ने जानना चाहा था कि क्या कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए लगाए गए देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान पुलिस के कठोर कदमों के कारण प्रताड़ना, घायल होने या जान जाने के कोई आंकड़े सरकार के पास हैं।

कोविड-19 मरीजों के इलाज के लिये केन्द्र द्वारा मंजूर एंटी वायरल दवा है: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि केन्द्र सरकार ने कोविड-19 के इलाज के लिये रेम्डेसिविर और फैबिपैरिविर दवाओं को मंजूरी दे रखी है। शीर्ष अदालत कोविड-19 के इलाज की इन दो दवाओं का कथित रूप से बगैर वैध लाइसेंस के ही उत्पादन और बिक्री करने वाली दस भारतीय दवा कंपनियों के खिलाफ सीबीआई द्वारा प्राथमिकी दर्ज करने के लिये दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। रेम्डेसिविर और फैबिपैरिविर एंटी वायरल दवायें हैं और कोविड-19 के मरीजों के इलाज में इनकी उपयोगिता को लेकर चिकित्सा विशेषज्ञों में बहस छिड़ी हुयी है। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमणियन की पीठ ने नयी दवायें और क्लिनिकल ट्रायल नियम, 2018 का उल्लेख करते हुये कहा कि सरकार ने कोरोना वायरस के मरीजों के इलाज के लिये इन दवाओं के इस्तेमाल की अनुमति दी है। पीठ ने जनहित याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता एम शर्मा से कहा कि आपने इन नियमों पर ध्यान दिये बगैर ही याचिका दायर कर दी। हम इस मामले की सुनवाई स्थगित कर रहे हैं। आप इन नियमों को देखिये और फिर आइये। पीठ ने इस मामले की सुनवाई दो सप्ताह के लिये स्थगित करते हुये कहा कि रेम्डेसिविर और फैबिपैरिविर को भारत सरकार की मंजूरी प्राप्त है। शर्मा ने इस मामले में सीबीआई जांच का अनुरोध करते हुये यह जनहित याचिका दायर की थी। इसमें आरोप लगाया गया है कि कोविड-19 के मरीजों के इलाज के लिये केद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन से वैध लाइसेंस के बगैर ही भारत में इन दवाओं का उत्पादन और बिक्री की जा रही है। भारत में इन दवाओं का उत्पादन और बिक्री की जा रही है। भारत में इन दवाओं का उत्पादन और बिक्री की जा रही है। याचिका में कहा गया है कि इन दवाओं को कोविड-19 के मरीजों के लिये तक किसी भी देश ने प्रमाणित नहीं किया है।

योगी ने दिया 'मुगल संग्रहालय' का नाम बदलने का आदेश, कंगना समेत इन नेताओं ने खूब सराहा

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा में निर्माणाधीन मुगल संग्रहालय का नाम बदलकर छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को इसकी जानकारी खुद अपने ट्वीटर पर दी। योगी ने ट्वीट कर कहा, 'आगरा में निर्माणाधीन म्यूजियम को छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम से जाना जाएगा। आपके नए उत्तर प्रदेश में गुलामी की मानसिकता के प्रतीक चिन्हों का कोई स्थान नहीं। हम सबके नायक शिवाजी महाराज हैं। जय हिन्द, जय भारत।'' गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना की है। मुख्यमंत्री सावंत ने हिंदी में ट्वीट कर कहा, ''छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे गौरव और युवाओं का आदर्श हैं। आगरा में स्थित संग्रहालय का नाम बदलकर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने सराहनीय कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगरा के ताजमहल में निर्माणाधीन मुगल म्यूजियम का नाम बदलकर छत्रपति शिवाजी म्यूजियम रखने पर महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा फिल्म माफिया और महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार पर हमला करने वाली फिल्म अभिनेत्री कंगना रनोट ने जमकर सराहा है। फडणवीस तथा कंगना के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक ट्वीट को रिट्वीट भी किया तथा इसके समर्थन में अलग से ट्वीट भी किया। फडवणीस ने अपने ट्वीट में लिखा जय जिआऊ जय शिवराज छत्रपति शिवाजी महाराज की जय। दूसरी ओर कंगना रनौत ने अपने ट्वीट में योगी आदित्यनाथ के इस काम की सराहना की और अपना सम्बन्ध शिवाजी से बताया।

कृषि मंत्री पर जानलेवा हमला, भाजपा विधायक भी निशाने पर

औरंगाबाद। बिहार के औरंगाबाद जिले में बंदेया थाना क्षेत्र के चपरा गांव में आज शाम राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कथित समर्थकों ने राज्य के कृषि, पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री डॉ. प्रेम कुमार एवं क्षेत्रीय विधायक मनोज शर्मा पर जानलेवा हमला करने का प्रयास किया, जिसे उनके सुरक्षाकर्मियों तथा पुलिस ने विफल कर दिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता डॉ. कुमार ने दूरभाष पर यहां बताया कि आज शाम करीब पांच बजे जब वह क्षेत्रीय विधायक मनोज शर्मा के साथ स्थानीय ग्रामीणों तथा कार्यकर्ताओं के आग्रह पर चपरा गांव में जनसंपक के लिए पहुंचे तभी करीब 20-25 की संख्या में राजद के कथित कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों ने अचानक हमला करने का प्रयास किया लेकिन सुरक्षा कर्मियों तथा पुलिस की तत्परता से वह बाल-बाल बच गए। उन्होंने कहा कि हमलावर राजद के पक्ष में नारे भी लगा रहे थे।वहीं, पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार पोरिका ने पूछे जाने पर बताया कि इस संबंध में अभी तक कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। यदि शिकायत दर्ज कराई जाती है तो पुलिस कारर्वाई करेगी। कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से बिहार के विकास के लिए लगातार किए जा रहे कार्यों से विपक्षी राजद के कार्यकर्ता हताश हो गए हैं और आसन्न विधानसभा चुनाव के दौरान संभावित हार को देखते हुए निराशा में ऐसी घटनाओं को अंजाम देने पर उतारू हो गए हैं। उन्होंने कहा कि राजद के समर्थक ग्रामीण इलाके में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं पर हमला कर राज्य में विधि-व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन राज्य सरकार और हर तरफ से राजग के भावी प्रत्याशियों को मिलते समर्थन को देखकर राजद के चंद कार्यकर्ता तथा समर्थक बौखला गए हैं।

महाराष्ट्र सरकार की वाणिज्यिक वाहनों को वाहन कर पर 50 प्रतिशत की छूट

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने 2020-21 के लिए वाणिज्यिक वाहनों को वाहन कर पर 50 प्रतिशत छूट देने का सरकारी स्वीकृत प्रस्ताव मंगलवार को जारी किया। हालांकि, उद्योग प्रतिनिधियों और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि यह छूट किस तरह दी जाएगी, अभी यह स्पष्ट नहीं है। सरकारी प्रस्ताव में कहा गया है कि इस छूट का लाभ मालवाहक वाहनों, पर्यटक वाहनों, निजी सेवा वाहनों, उत्खनन वाहनों, वाणिज्यिक कैंपर वाहनों और स्कूल बस इत्यादि को मिलेगा। इस संबंध में राज्य मंत्रिमंडल की पिछले महीने 26 अगस्त की बैठक में निर्णय किया गया था। संकल्प के मुताबिक इस छूट का लाभ उठाने के लिए वाहन मालिक का 31 मार्च 2020 तक पिछले वित्त वर्ष का पूरा कर अदा होना चाहिए। यह छूट एक अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक के लिए होगी। राज्य सरकार ने कहा कि इससे सरकारी खजाने पर 700 करोड़ रुपये का दबाव पड़ेगा।

कृषि आर्डिनेंस पर अकाली दल भी केंद्र सरकार के खिलाफ उतरा, बोले - हमसे नहीं पूछा गया

चंडीगढ़/पंजाब ।

कृषि आर्डिनेंस को लेकर किसानों का केंद्र सरकार खिलाफ गुस्सा फूट रहा है। पंजाब में हर क्षेत्र में इसके खिलाफ जमकर विरोध किया जा रहा है। आज भी किसानों की तरफ से खेती आर्डिनेंस के विरोध में और ओर किसान की मांगों को लेकर केंद्र और राज्य सरकार विरुद्ध रोष प्रदर्शन करते हुए रोड जाम और प्रदर्शन किया गया। इस मामले ने पंजाब की सियासत को भी हिला कर रख दिया है। राजनीतिक पार्टियों के साथ-साथ अब पंजाबी फिल्म इडस्ट्री के कई कलाकार भी इस अध्यादेश का जमकर विरोध कर रहे है। कृषि क्षेत्र से जुड़े तीन अध्यादेशों के खिलाफ अब उनका गठबंधन दल भी विरोध कर रहा है। इस बारे में अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल ने कहा है कि हम लोगों से पूछे बिना ये अध्यादेश लाये गये, इतनी जल्दबाजी क्यों है। इसके खिलाफ आप भी उतर चुकी है आम आदमी पार्टी के सांसद भगवंत मान ने कहा कि कल संसद में एग्री ऑर्डिनेंस टेबल किया गया है। एमएसपी ऑर्डिनेंस बिल किसानों के ऊपर अत्याचार का जीता जागता प्रमाण है। भगवंत मान ने कहा कि इस बिल का सीधा-सीधा असर किसानों पर पड़ेगा। खेती को प्राइवेट हाथों में देने के लिये ये बिल लाया गया है। प्राइवेट प्लेयर्स को पूरी छूट दी गई है। गौरतलब है कि कृषि बिलों को लेकर जहां पूरे देश की राजनीति गर्माई हुई है, हर कोई अपने किसान वोट बैंक को संभालने में जुटा हुआ है। सत्ताधारी कांग्रेस व मुख्य विपक्षी दल आम आदमी पार्टी जहां शुरू से ही कषि आर्डीनैंस का विरोध करती आ रही है।

भारत ने पाक को दिखाई उसकी औकात, कहा- आतंकवाद के गढ़ में हिंदू और सिखों पर हो रहा जुल्म

नेशनल डेस्क। पाकिस्तान को आतंकवाद का गढ़ करार देते हुए भारत ने कहा कि किसी को भी इस्लमाबाद से मानवाधिकारों पर बेवजह व्याख्यान सुनने की आवश्यकता नहीं है जो खुद ही हिंदुओं, सिखों और इसाइयों सहित अपने धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों पर लगातार जुल्म कर रहा हैं। भारतीय प्रतिनिधि ने मानवाधिकार परिषद (एचआरसी) के 45वें सत्र में पाकिस्तान द्वारा यहां दिए गए वक्तव्यों का जवाब देने के लिए उत्तर देने के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए कहा कि गलत और मनगढ़ंत विमर्श पेश करके भारत की छवि खराब करने की पाकिस्तान की आदत हो गई है। भारतीय कूटनीतिज्ञ ने कहा कि न ही भारत और न ही कोई अन्य किसी ऐसे देश से मानवाधिकारों पर बेवजह का व्याख्यान सुनने का हकदार है जिसने अपने धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों पर लगातार जुल्म किए हैं, आतंकवाद का गढ़ है, जिसने संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधित सूची में डाले गए व्यक्तियों को पेंशन दी हो और जिसके पास एक ऐसा प्रधानमंत्री है जो जम्मू-कश्मीर में लड़ने के लिए हजारों आतंकवादियों को प्रशिक्षित करने की बात गर्व से स्वीकार करता है। भारत ने कहा कि इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि अन्य संबंधित बहुपक्षीय संस्थान आतंकवाद को धन मुहैया कराने से रोकने में पाकिस्तान की नाकामी और पाकिस्तान में मौजूद सभी आतंकवादी संगठनों पर प्रभावी तरीके से लगाम लगाने में विफलता पर लगातार चिंता व्यक्त करते आ रहे हैं। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में उसके नापाक मंसूबों का जिक्र करते हुए भारत ने कहा कि बड़े पैमाने पर बाहरी लोगों के आने से भारत के केन्द्र शासित क्षेत्र जम्मू कश्मीर और लद्दाख के पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाकों में कश्मीरियों की संख्या बहुत घट गई है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान में हजारों की संख्या में सिख, हिंदू और इसाई अल्पसंख्यक महिलाओं और लड़कियों को अगवा किया जाता है, धर्मांतरण किया जाता है और उनका जबरदस्ती विवाह कराया जाता है। बलोचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा और सिंध में लोगों की दुर्दशा पर भारत ने कहा कि एक भी दिन नहीं होता जब बलोचिस्तान में किसी परिवार के किसी सदस्य को पाकिस्तान के सुरक्षा बलों द्वारा उठाया नहीं जाता हो अथवा उनका अपहरण नहीं किया जाता हो। भारत ने जम्मू कश्मीर के संदर्भ में इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की टिप्पणी को भी खारिज किया। भारत ने कहा कि हमारे आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का ओआईसी का कोई अधिकार नहीं हैं। ओआईसी ने पाकिस्तान को अपना एजेंडा चलाने के लिए उसका इस्तेमाल करने की इजाजत दी हुई है। यह ओआईसी के सदस्यों को तय करना है कि क्या पाकिस्तान को ऐसा करने देना उनके हित में है। भारत ने तुर्की को उसके आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने से बचने और लोकतांत्रिक परंपराओं की बेहतर समझ विकसित करने की भी सलाह दी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बढ़ती वैश्विक स्वीकृति

जिस समय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गलवान घाटी व पैंगोंग झील के पास पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की हरकतों और मॉस्को में चीनी रक्षा मंत्री से बातचीत का ब्योरा संसद में रख रहे थे, उसके कुछ ही घंटे पहले संयुक्त राष्ट्र से देश के मनोबल को नई ऊंचाई देने वाली एक खबर आई कि चीन को पछाड़ते हुए भारत ने 'यूएन कमीशन ऑन द स्टेटस ऑफ वुमन' (सीडब्ल्यूएस) में अपनी जगह पक्की कर ली है। यह संयुक्त राष्ट्र की एक महत्वपूर्ण संस्था है, जो लैंगिक समानता और नारी सशक्तीकरण के लिए नियम-कायदे गढ़ती है। इस जीत की अहमियत इस तथ्य की रोशनी में ज्यादा महसूस की जा सकती है कि चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य है। इसके बावजूद 54 सदस्यीय 'इकोनॉमिक ऐंड सोशल कौंसिल' में उसे महज 27 मत मिले, और वह अपने पक्ष में साधारण बहुमत भी नहीं जुटा सका, जबकि भारत और अफगानिस्तान इस संस्था के सदस्य चुन लिए गए हैं और इनका कार्यकाल साल 2021 से 2025 तक का होगा।

डब्ल्यूएचओ में कार्यकारी बोर्ड के अध्यक्ष पद पर भारत की ताजपोशी, फिर सुरक्षा परिषद के अस्थाई सदस्य के रूप में चयन और अब सीडब्ल्यूएस की सदस्यता साफ बताती है कि विश्व मंच पर भारत की साख मजबूत हुई है और बीजिंग की अनिच्छा के बावजूद दुनिया भर के देश भारत के साथ अपने रिश्तों को लेकर अधिक मुखर हुए हैं। चीन की बौखलाहट की एक वजह यह भी है कि भारत की वैश्विक स्वीकृति दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही है और कल तक तटस्थ रुख अपनाने वाले कई देश अब खुलकर नई दिल्ली के साथ खड़े होने लगे हैं। हमने पहले भी इस बात को रेखांकित किया है कि भारत को घेरने के लिए बीजिंग ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद तक में व्यूह रचा, मगर वहां भी वह बुरी तरह अलग-थलग पड़ गया था। उसके बाद उसने पाकिस्तान के जरिए खाड़ी के इस्लामी देशों को भड़काने की कोशिश की, लेकिन वहां भी उसका दांव विफल हो गया, उल्टे इस्लामाबाद को इसकी कीमत चुकानी पड़ी है।

चीन के मामले में भारत काफी सावधान कूटनीति का मुजाहरा करता आ रहा था, बल्कि डब्ल्यूटीओ और पर्यावरण के मुद्दों पर पश्चिम के खिलाफ दोनों देशों ने एक-दूसरे के हितों का पोषण भी किया था। मगर भारत की विनम्रता और इसके शांति-कामी स्वभाव का बीजिंग गलत आकलन करता रहा और यही वजह है कि वह लगातार एक के बाद दूसरी गलतियां करता रहा। अंतत- गलवान घाटी में भारत को उसी की भाषा में जवाब देने को विवश होना पड़ा है। पूर्वी लद्दाख में भारत अपनी आक्रामक भूमिका तब तक नहीं छोड़ सकता, जब तक कि बीजिंग अपनी कुटिलताओं को नहीं त्यागता। बीजिंग को दीवार पर लिखी इबारत पढ़नी चाहिए। आज भारत की विश्वसनीयता उससे कहीं अधिक है और नई दिल्ली ने यह भरोसा पिछले सात दशकों में अपनी नेकनीयती से अरजा है। विश्व मंचों पर बीजिंग को मिल रही मात का संकेत साफ है, उसे अपनी आक्रामकता त्यागनी होगी। आज की दुनिया किसी की धौंस पट्टी व धमकियों के आगे झुकने वाली नहीं, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व ही एकमात्र रास्ता है, जिस पर चलकर देश आपसी विवादों का हल तलाश सकते हैं। अब तय बीजिंग को करना है कि वह अक्लमंदी दिखाएगा या किसी नई भूल की तरफ बढ़ेगा?

जन चेतना का भी असर

कोरोना विषाणु से संबंधित यह खबर देशवासियों के लिए राहत और सुकून देने वाली है कि भारत दुनिया का ऐसा देश बन गया है, जहां इस महामारी से सबसे अधिक मरीज स्वस्थ होकर अपने घर लौट आए हैं। अमेरिका के जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय ने यह आंकड़ा जारी किया है। आंकड़ों के मुताबिक भारत में अब तक 37, 80,107 कोरोना के मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि ब्राजील में 37,23,206 और अमेरिका में 24,51, 406 लोग कोरोना के संक्रमण से उबर चुके हैं। इस तरह भारत लैटिन अमेरिकी देश ब्राजील को पीछे छोड़कर पहले पायदान पर पहुंच गया है। जाहिर है भारत जैसे बड़ी आबादी वाले विकासशील देश के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। खासकर तब जब देश की स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस उपलब्धि का श्रेय किसे दिया जाना चाहिए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन का विश्वास है कि केंद्र सरकार ने देशभर में सही समय पर लॉकड़ाउन लगाने का निर्णय लिया जिसके कारण करीब 14-29 लाख मामलों को रोकने और 37-38 हजार लोगों को मौत से बचाने में मदद मिली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के कथन से सहमति जताते हुए इस बात को आगे बढ़ाते हुए कहा जा सकता है कि इस उपलब्धि में केवल लॉकड़ाउन का ही योगदान नहीं है, बल्कि और भी अन्य कारक हैं जिनकी चर्चा होनी चाहिए। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि स्वास्थ्यकर्मियों और सफाईकर्मियों ने विपरीत परिस्थितियों में कोरोना के विरुद्ध जंग में जिस तरह के हौसले का प्रदर्शन किया है, वह कम सराहनीय नहीं है। इसी के साथ सरकारी और गैर-सरकारी स्तर पर महामारी से बचने के लिए आवश्यक सावधानियों और नियमों का प्रचार-प्रसार किया गया। इसी वजह से इस नई महामारी के बारे में सुदूर तलहटी के गांवों तक मास्क, सैनिटाइजर और सोशल डिस्टेंसिंग जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जाने लगा है। इसलिए महामारी की रोकथाम में इस जन चेतना की भूमिका को कोई कैसे नकार सकता है? वास्तविकता तो यह है कि लॉकड़ाउन के प्रारंभिक दिनों में श्रमिकों के सामूहिक पलायन के जो दृश्य सामने आए थे वे बेहद मार्मिक और विचलित करने वाले थे। इसमें सरकार और प्रशासन की भारी अदूरदर्शिता दिखाई दी थी। आम नागरिकों के समर्थन से ही लॉकड़ाउन सफल हो पाया था।

चौं रे चम्पू/ अशोक चक्रधर

अधिकारी हों हिंदी-व्यवहारी

चौं रे चंपू! हिंदी दिवस कौ विग्यान भवन कौ कार्यक्रम भयौ कै नायं?

-मुझसे क्यों पूछ रहे हैं?

-अरे तू जगजाहिर हिंदी-सेवी ऐ, तोते नायं पूछिंगे तौ और कौन्ते पूछिंगे।

-चचा, मुझे ये 'हिंदी-सेवी' संबोधन कभी भाया ही नहीं। आपने तो हिंदी-सेवी कहा, एक वेब-साक्षात्कार में मेरा परिचय देते हुए एक युवा संचालिका खुश्बू ने कहा, 'आज हमारे साथ जुड़ने जा रहे हैं हिंदी साहित्य के जाने-माने लेखक और हिंदी के पुजारी.'। मुझे मन ही मन बड़ी हंसी आई। मैंने कहा, 'बहुत-बहुत धन्यवाद खुशबू, आपने मेरी पदोन्नति कर दी, मैं अध्यापक, कलमकार, आपने पुजारी बना दिया मुझे। पुजारी तो बहुत ऊंचे होते हैं। घंटी बजाते हैं, आरती करते और कराते हैं। चौदह सितम्बर को तो घड़ियाल भी बजाते हैं। खूब नाद करते हैंग् आह्लाद करते हैं। पारितोषिक कार्यक्रम के बाद जलपान करते हैं और फिर भूल जाते हैं हिंदी। अंग्रेजी वापस आ जाती है।

-अंग्रेजी अब नायं मिटाई जाय सकै।

-मिटाने की बात कौन कर रहा है! अंग्रेजी हमारे देश की संविधानसम्मत भाषा है। मिटा कौन सकता है, लेकिन उसकी अनिवार्यता को तो रोका जा सकता है। हिंदी के लिए उदय से, अंतर्मन से चाहता हूं कि वह एक वैश्विक भाषा है, इस बात को सारा विश्व स्वीकार करे। भारत में सर्वाधिक चलन में है, बोलचाल में है। पूरे ब्रह्मांड में जो ध्वनियां किसी एक भाषा की सर्वाधिक गूंजती हैं, वे हिंदी की हैं, लेकिन भारत के सरकारी अंग्रेजीदां, बड़े चतुर और शक्तिशाली लोग हैं। जब भी हिंदी को आता देखते हैं, मंत्रियों और नेताओं को डरा देते हैं। भारतीय भाषाओं को हिंदी के आगे ताल ठोकने के लिए उकसा देते हैं। -तेरे पास कोई तरकीब हतै का? -चचा, शाह से ज्यादा बली हमारे नौकरशाह हैं। अनेक कारणों से उनकी भाषा है अंग्रेजी। वे क्यों चाहेंगे? कुछ हिंदी चाहेग् कुछ नई सदी की नई पीढ़ी, तब बात बनेगी। सब भाषाएं इस हिंदी को प्यारी हैंग् तालमेल कुछ और बढ़ाएगी हिंदी। नई सदी सम्मान बढ़ाए हिंदी काग् नई सदी का मान बढ़ाएगी हिंदी। अधिकारी यदि हिंदी का व्यवहार करें, विद्युत गति से बढ़ती जाएगी हिंदी।

हिंदी पट्टी में पेरियार

नवल किशोर कुमार

ईवी पेरियार रामासामी भारत के उन दार्शनिकों में अग्रणी हैं, जिनके विचारों का प्रभाव पूरे भारत में आज महसूस किया जा रहा है।

फिर चाहे वे दक्षिण के राज्य हों या फिर मध्य भारत या उत्तर भारत। उत्तर भारत को हिंदी पट्टी के रूप में रेखांकित भी किया जाता रहा है। इस हिंदी पट्टी की खास बात यह रही है कि यह जितना दूर बंगाल में हुए समाज सुधार आंदोलनों से था, उतना ही दूर दक्षिण और मध्य भारत के राज्यों में हो रहे आंदोलनों से, लेकिन इतना भी दूर नहीं रहा कि प्रभावित ही नहीं हुआ।

> सवाल है कि पेरियार के वे कौन-से विचार हैं, जो उन्हें आज हिंदी पट्टी में प्रासंगिक बना रहे हैं। जाहिर तौर पर यह महज एक सवाल नहीं है। यह अनेक प्रश्नों का समुच्चय है, जिसमें हिंदी पट्टी के समाज में व्याप्त भेदभाव, उत्पादन के संसाधनों का असमान वितरण और धार्मिक व सांस्कृतिक वर्चस्ववाद से जुड़े सवाल शामिल हैं। दरअसल, पेरियार ने भारतीय समाज की सबसे बड़ी व्याधि को पहचान लिया था। उन्होंने भारतीय दर्शन में शामिल चमत्मकारवाद को खारिज किया था।

खासकर बिहार और उत्तर प्रदेश, जो हिंदी पट्टी के दो सबसे महत्त्वपूर्ण राज्य हैं, में बंगाल के राजनीतिक व सामाजिक आंदोलनों का असर पहुंचा और सती प्रथा, बाल विवाह आदि कुप्रथाएं खत्म हुई। वहीं दक्षिण के राज्यों में हो रहे समतामूलक आंदोलन, जिसके प्रणोताओं में नारायण गुरु, वासवन्ना और अयप्पन सहोदरन आदि रहे, के असर से भी उत्तर भारत अछूता न रह सका। यह असर और अधिक सहज रूप से प्रभावी हुआ, जब पेरियार ने 19वीं सदी में इस युगांतरकारी बदलाव का नेतृत्व किया। यह असर किस तरह का था, इसका अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि बिहार में त्रिवेणी संघ के दस्तावेज में पेरियार के विचार प्रमुखता से शामिल किए गए हैं। दरअसल, त्रिवेणी संघ का गठन 30 मई, 1933 को बिहार के शाहाबाद जिले के करगहर में हुआ। इसके संस्थापकों में सरदार जगदेव सिंह यादव, शिवपूजन सिंह और जे. एन. पी. मेहता प्रमुख रहे। दलित और पिछड़े वर्गों के इस संगठन ने राजनीतिक और सामाजिक हस्तक्षेप किया। हालांकि राजनीति में इस संघ को अपेक्षित सफलता नहीं मिली और 1940 तक आते-आते त्रिवेणी संघ अतीत बन गया परंतु सामाजिक बदलाव के क्षेत्र में इसने जो असर किया, वह आज भी महसूस किया जा सकता है। त्रिवेणी संघ ने ही जो विचारधारा और वैचारिक ऊर्जा पैदा की, उसने आजादी के बाद में बहुजनवाद और सामाजिक न्याय की राजनीतिक जमीन तैयार की, जिसमें रामस्वरूप वर्मा, ललई सिंह यादव, जगदेव प्रसाद, कर्पूरी ठाकुर, कांशीराम, लालू प्रसाद अलग-अलग रूपों में फले-फूले। इस त्रिवेणी संघ की वैचारिकी में पेरियार के विचार शामिल रहे। इसकी पुष्टि 'त्रिवेणी संघ का बिगुल' में होती है। इसमें उल्लेखित है कि 'जिस तरह बड़े-बड़े और शक्तिशाली राष्ट्र साम्राज्यशाही का पोषण कर छोटे-छोटे राष्ट्रों को हड़पे जा रहे हैं तथा बड़े-बड़े पूंजीपति बेचारे गरीब किसानों और मजदूरों का खूब शोषण कर अपना-अपना तोंद फुलाए जा रहे हैं, ठीक उसी तरह धर्म के ठेकेदार अपनी तोंद फुलाने के लिए, धर्म-अधर्म, पाप-पुण्य, नरक-स्वर्ग तथा मोक्ष आदि के अड़गे लगा-लगा जनता को कूपमंडूक बना-बना, उसकी आंखों में धूल झोंक दिन-दोपहर लूट रहे हैं, जिसे हम कहते हैं-धार्मिक साम्राज्यवाद। जो साम्राज्यशाही तथा आर्थिक साम्राज्यवाद से भी अधिक लोकतंत्र के लिए भयावह है, क्योंकि किसी भी उत्थान में धर्म की ईट पर दीवार चुनी जाती है।'

हम पाते हैं कि त्रिवेणी संघ, जिसने समाज के खास तबके के सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक वर्चस्ववाद को

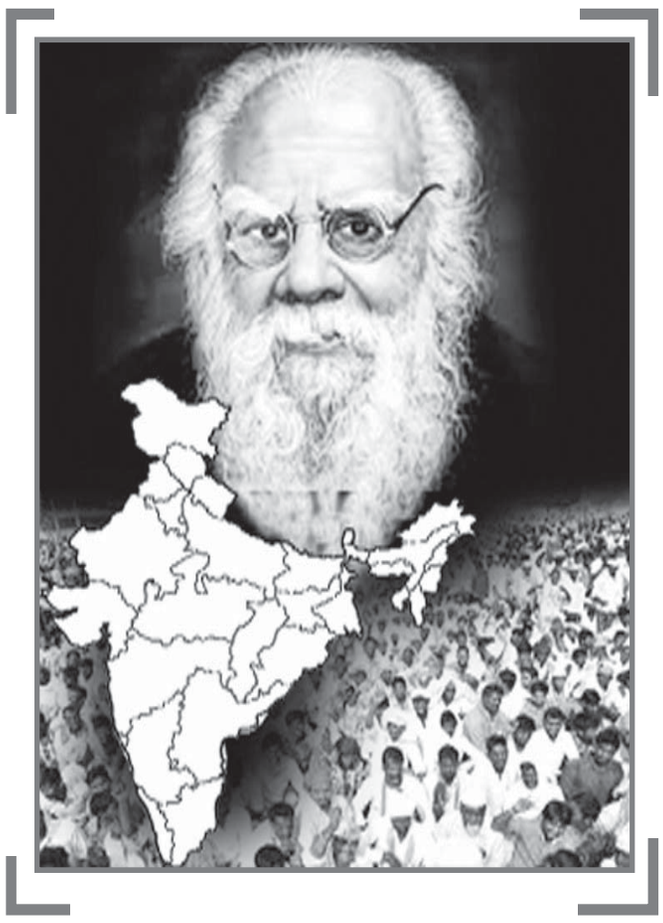

खुली चुनौती दी, के पीछे वही विचार थे, जो पेरियार के विचार थे, जबकि परिस्थितियां बिल्कुल जुदा थीं। भौगोलिक दूरी के अलावा भाषायी भिन्नता एक बड़ी समस्या थी, लेकिन 'त्रिवेणी संघ के बिगुल' में पेरियार के विचार शामिल रहे। फिर यही विचार रामस्वरूप वर्मा द्वारा स्थापित 'अर्जक संघ' के मूल में शामिल रहे। आज भी बिहार और उत्तर प्रदेश में अर्जक संघ को मानने वाले लोग बड़ी संख्या में हैं और वे भारतीय समाज में व्याप्त वर्चस्ववाद को खारिज करते हैं। सवाल यह है कि पेरियार के वे कौन-से विचार हैं, जो उन्हें आज हिंदी पट्टी में प्रासंगिक बना रहे हैं। जाहिर तौर पर यह महज एक सवाल नहीं है। यह अनेक प्रश्नों का समुच्चय है, जिसमें हिंदी पट्टी के समाज में व्याप्त भेदभाव, उत्पादन के संसाधनों का असमान वितरण और धार्मिक व सांस्कृतिक वर्चस्ववाद से जुड़े सवाल शामिल हैं। दरअसल, पेरियार ने भारतीय समाज की सबसे बड़ी व्याधि को पहचान लिया था। उन्होंने भारतीय दर्शन में शामिल चमत्मकारवाद को खारिज किया था। वे मानते थे कि 'मनुष्य को इस दुनिया में अन्य प्राणियों से बेहतर माना जाता है क्योंकि उसने ज्ञान का उपयोग करते हुए काफी उन्नति की है, लेकिन हमारे देशवासियों की स्थिति इस ज्ञान का उपयोग न करने के कारण बेहद खराब हो रही है। यह बताते हुए कि हमारी भूमि ज्ञान की भूमि है; हम टैंक और मंदिर बनाते हैं; जबकि अन्य देशों में लोग अंतरिक्ष में उड़ते हैं और पूरी दुनिया को आश्चर्यचकित करते हैं। अन्य देशों में अकेले ज्ञान का सम्मान किया जाता है और उसी पर भरोसा किया जाता है और उसी को हर खोज का मूल आधार माना जाता है, लेकिन इस देश में लोग केवल ईश्वर में, धर्म में और इसी तरह के बकवास वाले अनुष्ठानों और समारोहों में विश्वास करते हैं।' (कलेक्टेड वर्क्स ऑफ पेरियार ई.वी.आर., संयोजन - डॉ. के. वीरामणि, प्रकाशक - दि पेरियार सेल्फ-रेसपेक्ट प्रोपेगंडा इंस्टीट्यूशन, पेरियार थाइडल, चेन्नई)। पेरियार का मानना था कि 'तर्कवाद से पैदा हुआ ज्ञान ही असली ज्ञान है। क्या महज किताबी ज्ञान ज्ञान हो सकता है?

ऐसा क्यों है कि उच्चतम बौद्धिक प्रतिभा वाले शिक्षित व्यक्ति और वे भी जो विशेष रूप से विज्ञान में डिग्री-धारी हैं; एक पत्थर को देवता मानकर उसके आगे दंडवत होते हैं? क्यों विज्ञान में महारत हासिल करने वाले विद्वान भी अपने पापों को धोने के लिए खुद को गंदे पानी से मलते हैं? क्या उनके द्वारा पढ़े गए विज्ञान और गोबर तथा गोमूत्र के मिश्रण से अभिषेक करने के बीच कोई संबंध है?' (वहीं) बुद्धिवाद के प्रस्तोता पेरियार कहते थे कि 'मनुष्य को केवल विश्वास के आधार पर नहीं, बल्कि विवेक के आधार पर किसी बात पर विश्वास करना चाहिए। उसे देखना चाहिए कि जिस बात पर वह विश्वास कर रहा है, वह विवेकसम्मत भी है या नहीं। तभी वह एक आदिम अवस्था से मानव कद की ओर बढ़ता है।' याद करिए 1970 का दशक जब बिहार में जगदेव प्रसाद ने नारा दिया था- 'सौ में नब्बे शोषित हैं, दस पर नब्बे का शासन नहीं चलेगा।' उनके इस नारे में पेरियार की वैचारिकी भी शामिल रही।

भ्रष्टाचार

ऊपर से शुरू हो अंकुश लगाने की मुहिम

लक्ष्मीकांता चावला

हाल ही में केंद्र सरकार के इस निर्णय की जानकारी मिली है कि भारत सरकार बहुत से सुस्त और भ्रष्ट अधिकारियों को जबरन सेवानिवृत्त करेगी। सरकार का उद्देश्य तो यह है कि प्रशासनिक कार्यों में शिथिलता और भ्रष्टाचार को समाप्त किया जाए। इससे पहले भी पिछले कार्यकाल में मोदी सरकार ने बहुत से उच्चपदस्थ अधिकारियों को रिटायर किया।

अब प्रश्न यह उठता है कि ये अधिकारी भ्रष्ट और सुस्त क्यों हो जाते हैं? बड़ी संख्या में हमारे अधिकारी देश और जनता की सेवा के लिए सरकारी सेवा में आते हैं, कार्य करते हैं। लेकिन उनकी संख्या भी अब कम नहीं जो सरकारी सेवा में आने के साथ ही बड़े साहब बन जाते हैं, अपने रौब का दबदबा जनता और जूनियर अधिकारियों में बनाकर रखते हैं। निःसंदेह जनप्रतिनिधियों में से कोई न कोई इनका माईबाप बना रहता है। कुछ माईबाप से भी बड़े हो जाते हैं। उनको अपने इशारे पर चलाते हैं।

प्रश्न यह है कि कुछ सुस्त व भ्रष्ट अधिकारियों को पहचान कर उनको सेवानिवृत्त करके क्या देश भ्रष्टाचार मुक्त हो जाएगा? पर याद रखना होगा कि भ्रष्टाचार अमरबेल है जनाब! यह ऊपर से नीचे आती है। पर संसद और विधानसभाओं में बैठे माननीय बड़ी संख्या में दागी हैं, आरोपी हैं, अदालतों में मुकदमे भुगत रहे हैं और जिस धनबल से वे चुनाव जीतकर आए हैं, उसका भी कोई लेखा जोखा नहीं है। क्या यह मान लिया जाए कि देश के सभी चुनाव जीतने या हारने वाले उसी सीमा में धन खर्च करते हैं, जितना चुनाव आयोग ने निश्चित किया है। अगर सांसद के लिए 75 लाख की सीमा रखी गई है तो इतनी राशि कोई अपनी जेब से या जिसे एक नंबर की कहते हैं, नहीं खर्चते। न जाने क्यों उन अधिकारियों को, जो चुनाव पर्यवेक्षक बनकर आते हैं, यह सब नहीं दिखाई देता कि कैसी पैसे की नदियां चुनावों में बहती हैं।

फिर वही सवाल, यह इतना धन अगर अपनी कमाई का है तो कमाया कैसे? उसके लिए आयकर कि स-कि स ने दिया? अगर यह उद्योगपतियों या किसी माफिया से लिया है तो उनके इसके एवज में उन्हें लाभ भी तो दिया होगा या दिया जा रहा है।

सत्य यह है कि जो सरकार भ्रष्टाचार को समाप्त करना चाहती है, उसे सबसे पहले चुनाव प्रक्रिया, चुनाव खर्च पर नियंत्रण और किसी भी प्रकार के अपराधी को टिकट देने पर रोक लगानी होगी। जिस लोकतंत्र को हम विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहते हैं, उसका एक कुरूप दृश्य तब दिखाई देता है जब हॉर्स ट्रेडिंग की बात जनप्रतिनिधियों के लिए कही जाती है। उन्हें छिपा-छिपा कर कभी कर्नाटक के होटल में, कभी राजस्थान या भोपाल के होटल में इसलिए रखा जाता है कि उन्हें कोई खरीद न ले। वे दलबदल न कर जाएं। जो दलबदल करते हैं, वे किसी भी पार्टी के हों या कोई भी पार्टी ऐसे दलबदलुओं को स्वीकार करती है, वह बेईमानी और भ्रष्टाचार को खुली मान्यता दे देती है। वैसे भ्रष्टाचार साक्षात घूम रहा है। बिहार में अगर एक बड़ा पुल चार सप्ताह बाद ही टूट जाता है, पंजाब में कीड़ों से भरा करोड़ों का आटा एक नगर में बांटा जाता है, मध्य प्रदेश का व्यापम व पंजाब का छात्रवृत्ति घोटाला कहीं दब गया है, जिस देश में बड़े-बड़े संवैधानिक पदों पर योग्यता नहीं, राजनीतिक वफादारी देखकर नियुक्तियां होती हैं, जिस देश में मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज युवकों से मोटी रिश्वत लेते हैं, तो वे रिश्वत के बल से डॉक्टर, इंजीनियर बनकर फिर कैसे ईमानदारी से काम करेंगे। पुलिस स्टेशन की, रेलगाड़ी की, चौक चौराहे की, तहसील-कचहरी की रिश्वत की बात वह हर व्यक्ति भुगतता है जो वहां जाता है।

हाल में जब प्रधानमंत्री नए पुलिस अफसरों को संबोधित कर रहे थे, एक बात उनकी बहुत अच्छी लगी कि मानवीय भावना से जाओ। पहले दिन ही दबंग न बनो, पर एक कटु सत्य निश्चित ही उन्होंने महसूस नहीं किया। लॉकडाउन में पुलिस का मानवीय चेहरा सामने आया है। निश्चित ही पुलिस ने सेवा की है, पर उसके चेहरे पर कुछ दाग भी लगे हैं, जिसे धोने के लिए शायद कोई तंत्र नहीं है। क्या तमिलनाडु की पुलिस उस पिता-पुत्र को जीवित कर सकेगी, जिन्हें लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर थाने में मार डाला या पंजाब में मास्क न पहनने पर दो भाइयों को इतना पीटा कि उनकी चमड़ी उखड़ गई और बेहोश हो गए।

इसलिए कुछ ऐसा करना होगा कि भ्रष्टाचार के साथ ही शासकों के हाथ साफ हों। पंजाब में डॉक्टरों की भर्ती के समय एक पत्र मैंने तत्कालीन मुख्यमंत्री को, स्वास्थ्य मंत्री होने के नाते लिखा था। काश! उस पर कार्रवाई हो जाती या आज वह पत्र ही सरकार के रिकार्ड से निकल आए तब पता चलेगा कि भ्रष्टाचार कौन पालता है और कैसे उसके साथ समझौता किया जाता है।

ओजोन दिवस

...ताकि बची रहे पृथ्वी

अभिषेक कु. सिंह

धरती से 10-40 किलोमीटर की ऊंचाई पर समताप मंडल में मौजूद ओजोन परत को पृथ्वी का रक्षक इसलिए माना जाता है कि यह सूर्य के अल्ट्रावॉयलेट विकिरण से इंसानों और अन्य जीवों को बचाने में काफी मददगार है। चूंकि ग्रीन हाउस गैसों, खासकर रेफ्रीजरेटर्स और एयर कंडीशनरों में इस्तेमाल होने वाली क्लोरो-फ्लोरो गैसें रिसाव के कारण पृथ्वी की ऊपरी सतह में पहुंच कर ओजोन के कणों को विघटित कर देती हैं, इसलिए यह घटना चिंता का कारण मानी जाती रही है। साफ है, ओजोन की परत में कोई छेद (ओजोन होल) हो जाता है, तो खतरनाक अल्ट्रावॉयलेट किरणें तबाही मचा सकती हैं।

इस साल लॉकडाउन की शुरु आत में इसके बारे में कुछ अच्छी खबरें आई थीं। अप्रैल में 'कॉपरनिक्स एटमॉस्फियर मॉनिटरिंग सर्विस' के वैज्ञानिकों ने जानकारी दी थी कि इस साल मार्च में उत्तरी गोलार्ध के आर्कटिक इलाके में ओजोन परत में जो अभूतपूर्व छेद दिखा था, लॉकडाउन की शुरुआती अवधि में ही वह बंद हो गया। ग्रीनलैंड के आकार के बराबर इस छिद्र के बंद होने से काफी राहत मिली थी, लेकिन यह राहत शायद हमारे शहरों के लिए उतनी बड़ी नहीं है क्योंकि यहां ओजोन का एक नया ही चेहरा हमारे सामने है। दिल्ली जैसे बड़े शहरों में अब पता चल रहा है कि वहां की हवा में ओजोन की मात्रा खतरनाक ढंग से बढ़ रही है। इस खतरे के बारे में 'सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट' (सीएसई) जैसी संस्थाएं काफी पहले आगाह कर चुकी हैं। दो साल पहले 2018 में सीएसई ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के दिल्ली स्थित 31 निगरानी केंद्रों से वायु प्रदूषण के मिले आंकड़ों को देखा तो एक चौंकाने वाली बात पता चली। देखा गया कि दिल्ली में फरवरी-मई के बीच चार महीनों के दौरान कम से कम 23 दिन हवा में जहर घोलने के मामले में ओजोन को प्रमुख प्रदूषक पाया गया। शहरों में यह एक बड़े खतरे के शुरु आत है, क्योंकि हवा में बढ़ती ओजोन दिल की बीमारियों के अलावा सांस संबंधी रोगों, दमा और फेफड़ों की तकलीफों से पीड़ित मरीजों के लिए बहुत खतरनाक है। सेहत के लिए नया विलेन बन रही ओजोन गैस की मात्रा में खतरनाक इजाफे के संकेत शहरों में रोजाना दर्ज किए जा रहे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वॉलिटी इंडेक्स-एक्यूआई) के जरिए मिल रहे हैं। सीएसई के अध्ययन में बताया गया कि वर्ष 2018 में फरवरी से मई के दौरान एक्यूआई में ओजोन की मात्रा में बढ़ोतरी पाई गई जो सूक्ष्म कणों के साथ प्रमुख प्रदूषक रही है।

सवाल है कि हवा में यह ओजोन गैस कहां से आ रही है। असल में ओजोन काफी प्रतिक्रियाशील तत्व है, जो नाइट्रोजन ऑक्साइड से पैदा हुई गर्मी, सूरज की रोशनी और अन्य वाष्पशील गैसों के साथ प्रतिक्रया से बन रही है। ये गैसें वाहनों से निकलने वाले धुएं और अन्य स्रोतों से शहरी हवा में आकर मिलती हैं, जिनसे खतरनाक ओजोन पैदा होती है। खास बात यह है कि घनी बस्तियों में ओजोन की मौजूदगी ज्यादा बड़े संकट पैदा कर रही है। सीएसई ने अपने अध्ययन में पटपड़गंज, आरके पुरम, नेहरू नगर, नजफगढ़ और सोनिया विहार के औद्योगिक व निम्न आय वाले लोगों की आबादी वाले इलाकों में प्रदूषण की स्थिति सबसे खतरनाक पाई गई। ये सारे इलाके काफी घने बसे हैं और यहां वाहनों की रेलमरेल इस कोरोना काल में अनलॉक की प्रक्रिया के बाद पहले जैसी ही हो गई है। ओजोन और अन्य खतरनाक प्रदूषक गैसों से हवा में घुली जहर का मुकाबला मास्क और एयर प्यूरीफायर जैसे उपायों से कर भी लें, तो उस पर संकट यह है कि ये गैसें शहरों में हर वक्त भयानक गर्मी का अहसास भी करा रही हैं।

दो साल पहले 2018 में अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन के जियोफिजिकल रिसर्च लेटर जर्नल में प्रकाशित एक रिसर्च पेपर 'अर्बन हीट आईलैंड ओवर दिल्ली पंचेज होल्स इन वाइडस्प्रेड फॉग इन द इंडो-गैंगेटिक प्लेन्स' में इसी बदलाव का खुलासा किया गया था। यह अध्ययन बताता है कि वाहनों के धुएं के अलावा शहरों में तेजी से हो रहे हर किस्म के निर्माण कार्यों, बढ़ रहे शहरीकरण, हरित पट्टी (ग्रीन लेयर) में तेज गिरावट और कंक्रीट से तैयार हो रही संरचनाओं के कारण जमीन के अंदर की गर्मी सतह में या सतह के करीब फंसकर रह जाती है। इससे यह शहरों की गर्मी सर्दियों में ठंडक लाने वाले प्राकृतिक कोहरे तक को जला देती है। इसकी वजह से ग्रामीण इलाकों के मुकाबले शहरों का तापमान 4 से 5 डिग्री ज्यादा हो जाता है। यूं बात चाहे जहरीली हो रही ओजोन की हो या अर्बन हीट की, इन सभी के पीछे इंसानी लिप्सा है, जिसमें विकास के नाम पर प्रकृति को छिन्न-भिन्न किया जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

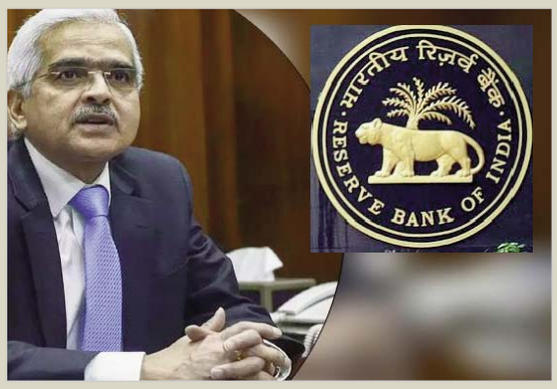

अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा आरबीआई : शक्तिकांत दास

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी से जूझ रही अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के प्रयास में लगे रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा कि अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए जो भी कदम उठाने की जरूरत होगी, रिजर्व बैंक उसके लिए पूरी तरह तैयार है। उद्योग संगठन फिक्की के एक कार्यक्रम को संबोधित करते उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था में सुधार अभी पूरी गति में नहीं पहुचा है, यह धीरे-धीरे आगे बढ़ेगा। उन्होंने निजी क्षेत्र को आगे बढ़कर अर्थव्यवस्था में सुधार की गति बढ़ाने में योगदान करने को कहा। दास ने कहा कि आरबीआई की ओर से लगातार बड़ी मात्रा में नकदी की उपलब्धता कराए जाने से सरकार के लिए कम दर पर और बिना किसी परेशानी के बड़े पैमाने पर उधारी सुनिश्चित हो पाई है। पिछले एक दशक में यह पहला मौका है जब उधारी लागत इतनी कम हुई है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक नकदी की उपलब्धता से सरकार की उधारी लागत बेहद कम बनी हुई है और इस समय बॉन्ड प्रतिफल पिछले 10 वर्षों के निचले स्तर पर हैं। दास ने कहा कि जीडीपी के आंकड़ों से अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 के प्रकोप का संकेत मिलता है। रिजर्व बैंक गवर्नर ने कोविड- 19 के बाद अर्थव्यवस्था की गति तेज करने के लिए निजी क्षेत्र को अनुसंधान एवं नवोन्मेष, खाद्य प्रसंस्करण और पर्यटन क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि पर्यटन क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं और निजी क्षेत्र को इसका लाभ उठाना चाहिए।

सात फीसदी सस्ता हुआ विमान ईंधन

नई दिल्ली। विमान ईंधन के दाम में करीब एक महीने में बुधवार को तीसरी बार कटौती की गई है जिससे कम बुकिंग का दबाव झेल रही विमान सेवा कंपनियों को काफी राहत मिलेगी। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में आज से विमान ईंधन 2,954 रुपए यानी 6.96 प्रतिशत सस्ता होकर 39,492.53 रुपए प्रति किलोलीटर पर आ गया। विमान ईंधन की कीमतों की समीक्षा हर पखवाड़े की जाती है। गत 16 अगस्त से लगातार तीसरी बार इसके दाम घटे हैं। कोलकाता में विमान ईंधन 6.42 प्रतिशत सस्ता होकर 44,049.65 रुपए, मुंबई में 7.13 प्रतिशत सस्ता होकर 38,870.31 रुपए और चेन्नई में 7.16 प्रतिशत सस्ता होकर 40,254.34 रुपए प्रति किलोलीटर के भाव रहा। एयरलाइंस के कुल व्यय में 30 से 40 प्रतिशत तक विमान ईंधन के मद में खर्च होता है।

जल्द रोबोट करेंगे सामान की डिलीवरी, स्नैपडील, ओटोनॉमी आईओ ने किया रोबोट से डिलिवरी का परीक्षण

नई दिल्ली। अमेजन और वालमार्ट जैसी ई-वाणिज्य कंपनियां जब डिलिवरी के लिए ड्रोन का विकल्प आजमा रही हैं तब घरेलू ई-वाणिज्य कंपनी स्नैपडील ने रोबोट के माध्यम से डिलिवरी का परीक्षण शुरू किया है, ताकि ग्राहकों को उनके घर तक संपर्क रहित डिलिवरी सुनिश्चित की जा सके। स्नैपडील ने एक बयान में कहा कि इसके लिए उसने स्टार्टअप कंपनी 'ऑटोनॉमी आईओ के साथ गठजोड़ किया है। दोनों ने मिलकर दिल्ली-एनसीआर के कुछ चुनींदा स्थानों पर रोबोट के माध्यम से डिलिवरी का सफल परीक्षण किया है। बयान के मुताबिक डिलिवरी करने वाले रोबोट को सोसायटी के गेट पर रखा गया। जहां डिलिवरी एजेंट क्यूआर कोड स्कैन करता है और पैकेट को रोबोट के अंदर रख देता है। रोबोट के पास सोसायटी का मानचित्र होता है और वह उसके सहारे ग्राहक तक सामान की डिलिवरी कर देता है। बयान के मुताबिक ऑटोनॉमी आईओ ने अंतिम छोर तक डिलिवरी देने के लिए इन रोबोट को विकसित किया है। यह सड़क पर फुटपाथ पर खुद से चल सकते हैं। इनमें भीड़-भाड़ वाले इलाकों में सही से चलने के लिए विशेष कृत्रिम मेधा को विकसित किया गया है।

ओटीटी सेवाओं को लेकर ट्राई का फैसला ग्राहकों के लिए लाभकारीः बीआईएफ

नई दिल्ली।

दूरसंचार नियामक ट्राई का ओटीटी संचार सेवाओं के नियमन नहीं करने का निर्णय ग्राहकों के हित में और आगे की सोच रखने वाला है। ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम (बीआईएफ) ने मंगलवार को इसका स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र की प्रगति में मदद करने वाला बताया। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने तत्काल आधार पर व्हाट्सएप, गूगल डुओ, मैसेंजर और वाइबर जैसे ओवर द टॉप (ओटीटी) सेवाओं का नियमन करने की संभावनाओं को खारिज किया है। ओटीटी मंच इंटरनेट का उपयोग कर कॉलिंग, मेसेजिंग, वीडियो कॉलिंग और मनोरंजन सामग्री उपलब्ध कराते हैं। लंबे समय से दूरसंचार कंपनियां इनके नियमन की मांग करती रही हैं।ट्राई ने कहा कि यह ओटीटी मंच के समग्र नियामकीय व्यवस्था की अनुशंसा करने का सही वक्त नहीं है। इससे दूरसंचार कंपनियों को बड़ा झटका लगा है। ट्राई के इस निर्णय को बीआईएफ ने एक बयान में आर्थिक विकास और ग्राहकों के हित में 'साहसिक और प्रगतिशील' बताया है। उसने कहा कि 'इस क्षेत्र का नियमन नहीं करने को लेकर ट्राई ने भविष्योन्मुखी सोच को अपनाया है, क्योंकि इन सेवाओं से बाजार को नुकसान पहुंचने का कोई प्रत्यक्ष कारण नहीं दिखता है।' बीआईएफ ने कहा कि इस तरह की सेवाओं की क्षमता और प्रभाव लॉकडाउन और कोविड-19 संकट के दौरान दिखा है। इसने लोगों के बीच कनेक्टिविटी को बनाए रखने और परिचालनों को लगभग सामान्य बनाए रखने में मदद मिली है।

डिश टीवी अगले साल की पहली तिमाही तक भारत में करेंगी 50प्रतिशत सेट-टॉप बॉक्स का उत्पादन

बिजनेस डेस्क। डीटीएच सेवाप्रदाता कंपनी डिश टीवी ने अपना सेट-टॉप बॉक्स उत्पादन भारत स्थानांतरित करना शुरू कर दिया है। कंपनी की योजना 2021 की पहली तिमाही तक 50 प्रतिशत उत्पादन देश में लाने की है। कंपनी सीधे घर पर प्रसारण (डीटीएच) क्षेत्र में डिश टीवी, डी2एच और जिंग ब्रांड का परिचालन करती है। वॉचो जैसा ओटीटी मंच भी उसके पास है। अभी कंपनी वियतनाम और दक्षिण कोरिया से सेट-टॉप बॉक्स का आयात करती है। कंपनी ने एक बयान में कहा, ''डीटीएच क्षेत्र में अग्रणी कंपनी होने के नाते डिश टीवी इंडिया की योजना 50 प्रतिशत सेट-टॉप बॉक्स उत्पादन को 2021 की पहली तिमाही तक भारत में लाने की है। यह कारोबार और ग्राहकों दोनों के लिए लाभकारी होगा। इस बारे में डिश टीवी इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक जवाहर गोयल ने कहा, ''मेक इन इंडिया को ध्यान में रखते हुए हम गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के उत्पादन के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही हमें उम्मीद है कि हम बहुत कुछ ऐसा करेंगे, जो देश के उद्योग क्षेत्र में पहली बार होगा।

मोदी सरकार इन 6 कंपनियों को करेगी बंद, कभी था बड़ा नाम और कारोबार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कहा है कि वह 20 सरकारी कंपनियों और उनकी इकाइयों में हिस्सेदारी बेच रही है, जबकि छह को बंद करने पर विचार किया जा रहा है। वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार विनिवेश के लिए रणनीतिक हिस्सेदारी बिक्री नीति का पालन करती है। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष के दौरान 2.10 लाख करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि विनिवेश से जुटाने का लक्ष्य रखा है। सरकार पब्लिक सेक्टर कंपनियों के विनिवेश के जरिए 1.20 लाख करोड़ रुपये जुटाएगी। वहीं, वित्तीय संस्थाओं की हिस्सेदारी की बिक्री के जरिए अन्य 90,000 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। अनुराग ठाकुर ने कहा, नीति आयोग की ओर से तय किए गए मानदंडों के आधार पर सरकार ने 2016 से 34 मामलों में रणनीतिक विनिवेश को मंजूरी दी है। इनमें से 8 में विनिवेश की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। को बंद करने पर विचार किया जा रहा है और 20 अन्य में प्रक्रिया अलग-अलग चरण में है। जिन कंपनियों को सरकार बंद करने पर विचार कर रही है उनमें हिंदुस्तान फ्लोरोकार्बन लिमिटेड स्कूटर्स इंडिया, भारत पंप्स एंड कम्प्रेसर्स लिमिटेड, कर्नाटक एंटीबायोटिक्स एंड फार्मास्यूकिल्स लिमिटेड शामिल हैं।

सब्जियों के बाद अब महंगी हुईं दालें, 100 रुपए तक पहुंची कीमत

नई दिल्ली ।

महंगाई का असर अब सब्जियों के बाद दालों पर भी पड़ने लगा है। हाल के कुछ दिनों में दालों की कीमतों में उछाल देखने को मिला है। पिछले साल सितंबर महीने की तुलना में इस साल दाल की कीमतों में 20 से 30 फीसदी उछाल आया है। देश में त्योहारी सीजन की शुरुआत के साथ ही दाल की कीमतों में उछाल पर खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने प्रतिक्रिया दी है। मंत्रालय का कहना है कि सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। सभी प्रकार के दाल की मतों की रोज मॉनिटरिंग की जा रही है। फिलहाल दाल की कीमतें पूरी तरह नियंत्रित हैं।

लॉकडाउन के बाद दाल की कीमतों में उछाल

बता दें कि लॉकडाउन के बाद से ही दाल की कीमतों में धीरे-धीरे उछाल आता जा रहा है। इसकी शुरूआत चना दाल से हुई है। चना दाल की कीमत बाजार में 100 रुपए तक पहुंच गई है। इसके बाद अरहर दाल के थोक में भी तेजी आनी शुरू हो गई। अरहर दाल बाजार में 80 से लेकर 90 रुपए प्रति किलो बिकने लगी है। कारोबारियों का कहना है कि कोरोना काल में उपज कमजोर होने की वजह से दाल की कीमतों में उछाल आया है। अगर बात दिल्ली-एनसीआर की करें तो दाल की कीमतों पिछले कुछ दिनों से उछाल देखने को मिल रहै है। गाजियाबाद के वैशाली में किराना स्टोर चलाने वाले मदन लाल कहते हैं, पिछले सप्ताह से दाल के खरीददारों में कमी आई है। दाल की कीमत में 5 रुपए से लेकर 15 रुपए तक तेजी आई है। इसके बावजूद ग्राहक दाल की कीमतों को लेकर मोल-भाव ज्यादा कर रहे हैं। मूंग छिलका दाल 90 रुपए, चना दाल 100 रुपए, खड़ी मसूर दाल 80 रुपए, मसुर धुली 90 रुपए, अरहर दाल 80 रुपए से 90 रुपए प्रति किलो हम बेक रहे हैं।

एविएशन इंडस्ट्री पर कोरोना की मार! स्पाइसजेट को हुआ 600 करोड़ रुपये का नुकसान

नई दिल्ली। विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने मंगलवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण हवाई यात्राओं पर रोक के चलते 30 जून को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसे 600.5 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ। कंपनी ने बताया कि बीते वित्त वर्ष की इसी अवधि में उसने 262.8 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हासिल किया था। स्पाइसजेट ने एक बयान में कहा कि उसकी परिचालन आय 2020-21 की पहली तिमाही में 521 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले के 3,002.8 करोड़ रुपये के मुकाबले काफी कम है। कंपनी ने बताया कि जून तिमाही के दौरान उसका परिचालन व्यय 1,311.6 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि में 2,886.7 करोड़ रुपये रहा था। स्पाइसजेट के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा, 'पहली तिमाही के ज्यादातर हिस्से में उड़ानों का संचालन निलंबित था और शुरू में उड़ानों को आंशिक रूप से बहाल किए जाने और कमजोर मांग से महामारी के चलते पैदा हुई समस्याएं फिर उभर गईं।' कमजोर मांग से महामारी के चलते पैदा हुई समस्याएं फिर उभर गईं।'

निर्यात में लगातार छठे महीने गिरावट, अगस्त में 12.66 प्रतिशत घटा निर्यात

नई दिल्ली।

देश के निर्यात में लगातार छठे महीने गिरावट आयी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पेट्रोलियम, चमड़ा, इंजीनियरिंग सामान और रत्न एवं आभूषण के निर्यात में कमी से देश का कुल निर्यात अगस्त 2020 में एक साल पहले के इसी महीने के मुकाबले 12.66 प्रतिशत घटकर 22.7 अरब डॉलर रहा। निर्यात में अगस्त माह में आई यह गिरावट जुलाई की 10.21 प्रतिशत और जून में आई 12.41 प्रतिशत गिरावट के मुकाबले भी अधिक है। इससे पहले, पिछले साल 2019 के अगस्त में निर्यात 25.99 अरब डॉलर रहा था। आंकड़े के अनुसार देश का आयात भी इस साल अगस्त में 26 प्रतिशत लुढ़क कर 29.47 अरब डॉलर रहा। इससे व्यापार घाटा 6.77 अरब डॉलर पर आ गया जो एक साल पहले 2019 के इसी महीने में 13.86 अरब डॉलर के मुकाबले आधे से भी कम रह गया। जुलाई महीने में व्यापार घाटा यानी आयात और निर्यात का अंतर 4.82 अरब डॉलर था। तेल आयात आलोच्य महीने में 41.62 प्रतिशत घटकर 6.42 अरब डॉलर रह गया। सोने का आयात इस साल अगस्त महीने में उछलकर 3.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया जो अगस्त 2019 में 1.36 अरब डॉलर रहा था। चालू वित्त वर्ष 2020-21 में अप्रैल से अगस्त अवधि के दौरान निर्यात 26.65 प्रतिशत घटकर 97.66 अरब डॉलर रहा जबकि आयात 48.73 प्रतिशत घटकर 118.38 अरब डॉलर का रहा। इससे व्यापार घाटा आलोच्य अवधि में 20.72 अरब डॉलर रहा। जिन प्रमुख जिंसों के निर्यात में गिरावट दर्ज की गयी, उसमें पेट्रोलियम उत्पाद (-40 प्रतिशत), रत्न एवं आभूषण (-43.28 प्रतिशत), चमड़ा (-16.82 प्रतिशत), मानव निर्मित धागे/कपड़े/मेड-अप (-24.23 प्रतिशत), सभी प्रकार के तैयार परिधा (-14 प्रतिशत) और इंजीनियरिंग (-7.69 प्रतिशत) उत्पाद शामिल हैं। वहीं चावल, कॉफी, तंबाकू, लौह अयस्क, तिलहल, ऑयल मील, मांस, डेयरी और पाल्ट्री उत्पादों, औषधि और प्लस्टिक जैसे क्षेत्रों के निर्यात में वृद्धि दर्ज की गयी। अगस्त माह में आयात के मामले में जिन वस्तुओं में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें मशीनरी, इलेक्ट्रिकल और गैर-इलेक्ट्रिकल, रसायन, लकड़ी और इलेक्ट्रॉनिक सामान शामिल हैं। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान तेल आयात 53.61 प्रतिशत घटकर 26 अरब डॉलर रहा। वहीं गैर-तेल आयात 40 प्रतिशत घटकर 92.35 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के बारे में अपनी प्रतिक्रिया में निर्यात संगठनों के महासंघ फियो के अध्यक्ष शरद कुमार सर्राफ ने श्रम गहन क्षेत्रों के निर्यात में गिरावट को लेकर चिंता जतायी। इस क्षेत्र से निर्यात में गिरावट का देश में रोजगार सृजन पर प्रतिकूल असर पड़ता है। उन्होंने कहा आयात का भी विश्लेषण करने की जरूरत है। आयात में इतनी तीव्र गिरावट से आने वाले महीनों में औद्योगिक पुनरूद्धार पर असर पड़ सकता है। भारतीय व्यापार संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) के चेयरमैन मोहित सिंगला ने कहा कि प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा चावल, अनाज, तिलहन का निर्यात बढ़ा है। उन्होंने कहा भारतीय प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग में आने वाले समय में आगे बढ़ने की प्रवृत्ति है।

इक्रा लि. की प्रधान अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा हमारा अनुमान है कि चालू खाते में 2020-21 की दूसरी तिमाही में 7 से 10 अरब डॉलर का अधिशेष होगा। इस बीच, रिजर्व बैंक के मंगलवार को जारी आंकड़े के अनुसार देश का सेवा क्षेत्र का निर्यात जुलाई में 10.76 प्रतिशत घटकर 17.03 अरब डॉलर रहा। वहीं सेवा अनुसार देश का सेवा क्षेत्र का निर्यात जुलाई में 10.76 प्रतिशत घटकर 17.03 अरब डॉलर रहा। वहीं सेवा आयात भी जुलाई में 21.69 प्रतिशत घटकर 10 अरब डॉलर रहा। उधर, एक वेबिनार (इंटरनेट के जरिये आयोजित सेमिनार) में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सितंबर के दूसरे सप्ताह (8 से 14) में निर्यात 10.73 प्रतिशत बढ़कर 6.88 अरब डॉलर रहा। उन्होंने कहा, '..लेकिन हमारे पास कपड़ा, रत्न एवं आभूषण जैसे क्षेत्रों को ऊपर लाने के लिये काफी गुंजाइश है। देखा जाए तो कुल मिलाकर उद्योग क्षेत्र में परिदृश्य काफी सकारात्मक बना हुआ है।'

मंत्री ने कहा कि सप्ताह के दौरान आयात 22 प्रतिशत घटकर 6.6 अरब डॉलर रहा। इसीलिए हम सितंबर के दूसरे सप्ताह में शुद्ध रूप से निर्यातक रहे।

बिजली मंत्रालय ने स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर संयुक्त उद्यम गठन की प्रक्रिया शुरू की

नई दिल्ली।

बिजली मंत्रालय ने देश में तेजी से स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर वितरण कंपनियों को जरूरी ढांचागत सुविधा उपलब्ध कराने के लिये 2,000 करोड़ रुपये की पूंजी के साथ संयुक्त उद्यम के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। संयुक्त उद्यम इकाई बिजली मंत्रालय के अधीन आने वाली चार कंपनियों...एनटीपीसी लि., आरईसी लि., पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि. (पीजीसीआईएल) और पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) मिलकर बनाएंगी। शेयर बाजार को दी गयी सूचना के अनुसार पीएफसी और आरईसी के निदेशक मंडलों ने साझा 'बैकएंड' ढांचागत सुविधा (सीबीआईएफ) के लिये संयुक्त उद्यम में 150-150 करोड़ रुपये के इक्विटी निवेश को मंजूरी दे दी है। पीएफसी ने सूचना में कहा निदेशक मंडल की 14 सितंबर, 2020 को हुई बैठक में संयुक्त उद्यम कंपनी में 150 करोड़ रुपये के इक्विटी निवेश को मंजूरी दे दी गयी। सीबीआईएफ के लिये बनने वाली इस कंपनी के प्रवर्तक संयुक्त रूप से एनटीपीसी, पीजीसीआईएल, आरईसी और पीएफसी होंगी। आरईसी ने अलग से बीएसई को दी सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल की 15 सितंबर को हुई बैठक में संयुक्त उद्यम कंपनी में 150 करोड़ रुपये के इक्विटी निवेश की मंजूरी दी गयी है।एनटीपीसी और पावर ग्रिड के निदेशक मंडलों को अभी 150-150 करोड़ रुपये के इक्विटी निवेश को मंजूरी देन बाकी है। चारों प्रवर्तकों द्वारा इस संयुक्त उद्यम में इक्विटी निवेश 600 करोड़ रुपये होगा जबकि कर्ज हिस्सा 1,400 करोड़ रुपये होगा। सीबीआईएफ यानी जरूरी ढांचागत सुविधा से देश भर में स्मार्ट मीटर का तेजी से क्रियान्वयन हो सकेगा। इससे वितरण कंपनियों के लिये तय मानक के आधार पर स्मार्ट मीटर लगाना आसान होगा।

इसमें वितरण कंपनियों को संपत्ति के उपयोग के आधार पर ही भुगतान करने की जरूरत होगी। इसके लिये उन्हें अलग से पूंजी व्यय की जरूरत नहीं होगी। पीएफसी की परामर्श इकाई पीएफसी कंसल्टिंग इस संयुक्त उद्यम कंपनी के सृजन और उसके परिचालन को सुगम बनाएगी।

भारत महामारी से उबरने के बाद सुधारों के बल पर उच्च वृद्धि दर के रास्ते पर लौटेगाः सुबमणियम

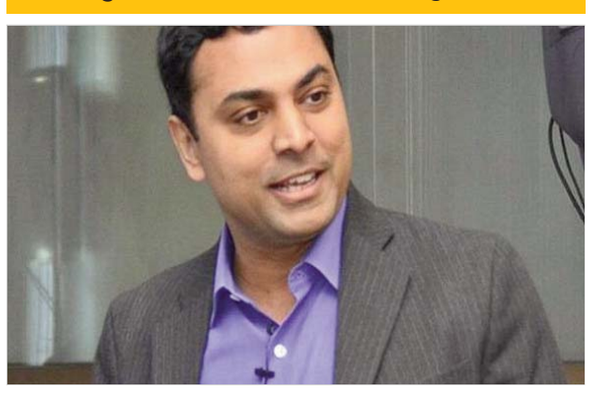

चेन्नई।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) कृष्णमूर्ति सुबमणियम ने मंगलवार को भरोसा जताया कि देश कोविड-19 महामारी से पार पाने के बाद सरकार के आर्थिक सुधारों के जरिये उच्च वृद्धि दर के रास्ते पर लौटेगा। उद्योग मंडल सीआईआई की तमिलनाडु इकाई द्वारा आयोजित कनेक्ट- 2020 सम्मेलन में भाग लेते हुए उन्होंने कहा, 'केंद्र सरकार द्वारा घोषित सुधारों का जब असर सामने आएगा, निश्चित रूप से हम उच्च वृद्धि के रास्ते पर होंगे।' सुब्रमणियम ने कहा, 'महामारी के समाप्त होने के बाद सुधारों एवं केंद्र सरकार के अन्य उपायों के जरिये भारत उच्च आर्थिक वृद्धि दर के रास्ते पर लौटेगा।' उन्होंने कहा कि सीमेंट, इस्पात, रेलवे माल ढुलाई और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्र पहली बार जुलाई 2019 से सकारात्मक दायरे में थे। सीईए ने कहा अगर आप 'परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स' (पीएमआई) देखें, विनिर्माण और सेवा दोनों पीएमआई में तीव्र वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा लेकिन यह कहना कि पिछली 12 तिमाहियों से जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) में गिरावट दर्ज की जा रही है, 'गलत' है। इससे पहले, सुब्रमणियम ने कहा कि केंद्र राज्यों से श्रम कानूनों में सुधारों के लिये आग्रह कर रहा है। श्रम कानून राज्यों के दायरे में है और उनमें से कुछ कानून 100 साल से अधिक पुराने हैं। उन्होंने कहा कि कई पुराने श्रम कानूनों में वेतन और मजदूरी की परिभाषा अलग-अलग तरीके से की गयी हैं, इससे अनुपालन संबंधी समस्या होती है। सीईए ने कहा कि कई राज्य श्रम कानूनों में बदलाव की योजना बना रहे हैं।

बांग्लादेश में 50फीसदी महंगा हुआ प्याज, भारत के निर्यात पर बैन लगाने के बाद कीमतों में आया उछाल

नई दिल्ली।

देश में प्याज की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर सरकार ने इसके निर्यात पर पाबंदी लगा दी है। पाबंदी लगाने से पड़ोसी देश बांग्लादेश में प्याज की कीमतें 50 फीसदी से अधिक उछल गई। भारत, बांग्लादेश का सबसे बड़ा प्याज निर्यातक है। अप्रैल-जुलाई की अवधि के दौरान बांग्लादेश को प्याज का निर्यात 158 फीसदी उछल गया था। सरकार के अनुमान के मुताबिक, 2019-20 के दौरान रबी सीजन की प्याज का उत्पादन 2.06 करोड़ टन रहा। 2017-18 के इसी सीजन में यह 1.62 करोड़ टन और 2018-19 में 1.58 करोड़ टन था। एक अधिकारी ने कहा कि देश में प्याज की कीमतें बढ़ गई हैं और घरेलू बाजार में इसकी कमी है। यह कमी मौसमी है लेकिन कोविड-19 महामारी के दौरान पिछले कुछ महीनों में प्याज का जमकर निर्यात हुआ है। भारत ने अप्रैल-जून के दौरान 19.8 करोड़ डॉलर के प्याज का निर्यात किया जबकि पिछले पूरे साल 44 करोड़ डॉलर के प्याज का निर्यात हुआ था। भारत से बांग्लादेश, मलेशिया, यूएई और श्रीलंका को प्याज का सबसे अधिक निर्यात होता है। अभी से महज एक पखवाड़े पहले रीटेल में 15 से 20 रुपये प्रति किलो बिकने वाला प्याज अभी 45 से 50 रुपये किलो बिक रहा है। आलम यह है कि सड़े हुए प्याज भी 25 रुपये किलो बेचे जा रहे हैं। एशिया की सबसे बड़ी सब्जी मंडी, दिल्ली की आजादपुर मंडी में आज प्याज का होलसेल रेट 26 से 37 रुपये किलो रहा।

कारोबारियों का कहना है कि इसकी कीमतों में तेजी क पीछे प्याज की फसल का खराब होना है। दरअसल, कर्नाटक में पिछले दिनों हुई भारी बारिश की वजह से प्याज की खड़ी फसल को भारी नुकसान हुआ है। उल्लेखनीय है कि सितंबर 2019 में सरकार ने प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था और प्रति टन प्याज पर 850 डॉलर का एमईपी भी लगा दिया था। तब मांग और आपूर्ति में अंतर होने की वजह से प्याज की कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ गई थीं। महाराष्ट्र सहित प्रमुख प्याज उत्पादक राज्यों में बहुत ज्यादा बारिश और बाढ़ के कारण प्याज की कमी थी। एमईपी दर के नीचे किसी वस्तु के निर्यात की अनुमति नहीं होती है।

मंच का दुरूपयोग करने वालों को रोकने के लिए विशेष टीमें लगी हैं काम पर : फेसबुक

नई दिल्ली ।

कंपनी फेसबुक ने मंगलवार को कहा कि मंच का गलत इरादे से उपयोग करने वाले लोगों को रोकने के लिये उसके पास विशेष टीमें है। उसने यह भी कहा कि कंपनी ने समन्वित रूप से अप्रमाणिक व्यवहार में शामिल 100 से अधिक नेटवर्क को अपने मंच से हटाया भी है। फेसबुक का यह बयान कंपनी के एक पूर्व कर्मचारी के आरोप के बाद आया है। कर्मचारी ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने अपने मंच पर फर्जी खाता रखने वालों की अनदेखी या कार्रवाई में ढीला रुख अपनाया। इन खातों के जरिये वैश्विक स्तर पर चुनावों और राजनीतिक मामलों को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। बजफीड न्यूज ने फेसबुक कर्मचारी द्वारा लिखे गये आंतरिक पत्र के हवाले से इस बारे में रिपोर्ट दी है। पत्र फेसबुक की पूर्व डाटा वैज्ञानिक शोफी झांग ने लिखा है। इसमें कहा गया है कि कई देशों की सरकार तथा राजनीतिक दलों के प्रमुख फर्जी खातों का इस्तेमाल कर जनमत को प्रभावित करते हैं। फेसबुक के प्रवक्ता ने इस बारे में मंगलवार को कहा, 'हमने गलत इरादा रखने वाले लोगों को अपने मंच का दुरूपयोग करने से रोकने के लिये विशेष टीमें बनायी है जिसमें प्रमुख विशेषज्ञ शामिल हैं। इसी का परिणाम है कि अप्रामाणिक व्यवहार में शामिल 100 से अधिक नेटवर्क को मंच से हटाया गया है।' प्रवक्ता ने कहा कि अप्रामाणिक या गलत इरादों वाली गतिविधियों के साथ मंच का दुरूपयोग करने वालों के खिलाफ काम उसने कहा हम कार्रवाई या उसके बारे वाल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि सोशल मीडिया कंपनी की विषय को लेकर नीति भारत में सत्तारूढ़ दल का समर्थन करती है। उसके बाद से सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस इस मामले को लेकर एक दूसरे की आलोचना करते रहे हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

हल हुआ सुरेश रैना की फैमिली पर हुए हमले का मामला, 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना के पठानकोट स्थित परिवार पर बीते दिनों हमला हुआ था। इस मामले में पंजाब पुलिस की एक विशेष कमेटी ने कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पंजाब सरकार ने एक बयान जारी कर कहा है कि रैना की फैमिली पर हुए मामले को हल कर लिया गया है। इस मामले में तीन लोग गिरफ्तार हुए हैं। बताया जा रहा है रैना के ट्विट करने के बाद पंजाब सीएम कैप्टन अमरेंद्र सिंह ने एक एसआईटी बनाई थी जिसने जांच के दौरानहिमाचल, हरियाणा और राजस्थान से कई लोगों को पकड़ा था। एसआईटी ने तार से तार जोड़ते हुए आखिरकार आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल कर ली। हिमाचल, हरियाणा और राजस्थान से कई लोगों को पकड़ा था। एसआईटी ने तार से तार जोड़ते हुए आखिरकार आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल कर ली।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों ने बीसीसीआई से क्वारैंटाइन पीरियड कम करने की मांग की

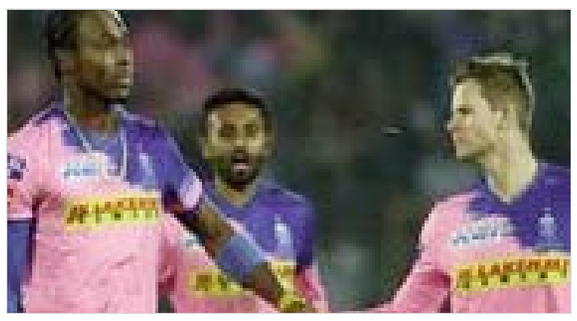

दुबई ।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) प्रेसिडेंट सौरव गांगुली से मांग की है कि यूएई में पहुंचने पर उनके क्वारैंटाइन पीरियड को 6 से कम करके 3 दिन कर दिया जाए। ताकि वह अपनी टीम के साथ जल्द से जल्द जुड़ सकें। आईपीएल में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के 21 खिलाड़ी शामिल हैं, जो इस समय दोनों देशों के बीच चल रही वन-डे सीरीज में खेल रहे हैं। सभी खिलाड़ी 17 सितंबर को मैनचेस्टर से यूएई के लिए रवाना होंगे। वे 23 सितंबर से अपनी-अपनी टीमों के साथ जुड़ सकेंगे। आईपीएल 19 सितंबर से शुरू होगा। बोर्ड के सूत्र के हवाले से न्यूज एजेंसी ने बताया कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के एक सीनियर खिलाड़ी ने बीसीसीआई अध्यक्ष को क्वारैंटाइन पीरियड को कम करने के लिए पत्र लिखा है। ऐसा ही सभी खिलाड़ी चाहते हैं। जो इंग्लैंड से वनडे सीरीज खेलकर आईपीएल के लिए यूएई आने वाले हैं। खिलाड़ियों का मानना है कि वे वन-डे सीरीज के दौरान बायो- सिक्योर माहौल में हैं। वहीं हर पांच दिन के बाद उनका कोरोना टेस्ट हो रहा है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के नियमों के तहत हाउसकीपिंग के लोग भी रूम में नहीं जा सकते हैं। ऐसे में क्वारैंटाइन पीरियड में छूट मिलनी चाहिए। अधिकारी ने ये भी कहा कि उन्हें छूट नहीं दी जाएगी। आईपीएल में केवल कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम ही इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों के 6 दिन क्वारैंटाइन पीरियड से प्रभावित नहीं होगी। जबकि अन्य टीमों को इससे परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। केकेआर को पहला मैच 23 सितंबर को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलना है। केकेआर के रोस्टर में टॉम बैंटन, इयोन मोर्गन और पैट कमिंस (अन्य दो आंद्रे रसेल और सुनील नरेन हैं) शामिल हैं। इनमें से कम से कम दो खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन में शामिल रहेंगे। 6 दिन के क्वारैंटाइन पीरियड की वजह से राजस्थान रॉयल्स सबसे ज्यादा प्रभावित होगी। इसमें जोफा आर्चर, जोस बटलर और स्टीव स्मिथ जैसे बड़े नाम शामिल हैं। वहीं बेन स्टोक्स भी अपने पिता के बीमारी के कारण टूर्नामेंट के पहले हाफ से बाहर हैं। राजस्थान रॉयल्स का पहला मैच 22 सितंबर को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ है। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद को भी अपना पहला मैच कैप्टन डेविड वार्नर के बिना खेलना होगा। साथ ही उन्हें जॉनी बेयरस्टो की कमी का भी खलेगी। सनराइजर्स हैदराबाद को अपना पहला मैच 21 सितंबर को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेलना है। चेन्नई सुपर किंग्स को भी अपने पहले मैच में जोश हेजलवुड और सैम करन की कमी खलेगी।

डीविलियर्स ने बताया- किस बल्लेबाज में दिखती हैं उन्हें खुद की झलक

दुबई ।

दक्षिण अफ्रीका के स्टार एबी डीविलियर्स का मानना है कि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग में सभी टीमों के लिए सबसे बड़ी चुनौती मौजूदा गर्म और आर्द्र परिस्थितियों में तालमेल बिठाना होगा। हालांकि अधिकांश खेल रात में खेले जाएंगे लेकिन फिर भी स्थितियां चुनौतीपूर्ण होंगी। उन्होंने आरसीबी के ट्विटर हैंडल पर पोस्ट किए गए एक साक्षात्कार में कहा- मैं वास्तव में ईमानदार होने के लिए इस तरह की स्थितियों के लिए अभ्यस्त नहीं हूं। यह बहुत गर्म है, यह मुझे एक जुलाई में चेन्नई में खेले गए टेस्ट मैच की याद दिलाता है जहां वीरू (वीरेंद्र सहवाग) ने 300 रन बनाए थे। यह सबसे गर्म मौसम में से एक था। डीविलियर्स ने कहा कि यहां आर्द्रता रात के 10 बजे तक उसी समान रहती है। जब मैं यहां पहुंचा तो मैंने कुछ महीनों के मौसम की स्थिति की जांच की। मौसम निश्चित रूप से एक बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है और आपको यह सुनिश्चित करना है कि आप पारी के बैकएंड या अपने गेंदबाजी स्पेल के आखिरी 5 ओवरों के लिए ऊर्जा बचाए रखे। डीविलियर्स ने कहा कि युवा ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज जोशुआ फिलिप एक रोमांचक क्रिकेटर है और वह आरसीबी के ड्रेसिंग रूम में ऑस्ट्रेलियाई ओपनर के साथ अपना ज्ञान साझा करना पसंद करेगा। मैंने हमेशा फिंच को खेलते हुए देखने का आनंद लिया है, लेकिन अब मैं उसे अच्छी तरह से जानता हूं। एक और लड़का जिसे मैं देखने के लिए उत्साहित हूं। वह है जोशुआ, वह ऑस्ट्रेलिया का एक युवा विकेटकीपर है। मैंने उन्हें बीबीएल में सिडनी सिक्सर्स के लिए खेलते हुए देखा है। वह देखने के लिए बहुत ही रोमांचक है, वह नई गेंद के लिए जाता है। उसकी पुस्तक में सभी शॉट्स हैं। वह बहुत ही प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। डीविलियर्स ने खाली स्टेडियमों में मैच खेलने को लेकर कहा- मैं इसका अभ्यस्त हूं। मैंने खाली स्टेडियमों में काफी क्रिकेट खेली है।

ऑस्ट्रेलियाई कोच ने इस खतरनाक सांप से की धोनी की तुलना, कहा- ... निचोड़ने के लिए रहते हैं तैयार

स्पोर्ट्स डेस्क । पूर्व भारतीय क्रिकेटर और महान विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी की हर कोई अपने अंदाज से तारीफ करता है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और मौजूदा कमेंटेटर व कोच डीन जोंस ने धोनी की तारीफ करते हुए कहा कि एक कप्तान के रूप में वह काफी ठंडे रहते हैं और जानते हैं कि कब खेल को पलटना है। जोंस ने एक शो के दौरान कहा, महेंद्र सिंह धोनी कैप्टन कूल हैं। वह पसीना नहीं बहाते लेकिन उन्होंने 14 महीनों से क्रिकेट नहीं खेला है। उनका चेन्नई में कैंप लगा था। उन्होंने कुछ युवाओं को क्वारंटनाइ के दौरान अनुशासन का पाठ पढ़ाया क्योंकि इस खेल में अनुशासन बहुत जरूरी है। जोंस ने आगे कहा, एक कप्तान के रूप में वह अपनी रणनीति में काफी रूढ़िवादी है। लेकिन वह आपकी (प्रतिद्वंदी टीम) एक गलती की प्रतीक्षा करतो है और फिर ये कोबरा आपको निचोड़ना शुरू कर देता है। गौर हो कि धोनी की कप्तानी में भारत ने आईसीसी की तीनों ट्रॉफियां (वनडे, टी20 और चैम्पियंस ट्रॉफी) जीती हैं। वहीं आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए कप्तानी करते हुए उन्होंने सीएसके को सबसे सफल टीमों में से एक बनाया और तीन बार खिताब जीता। वहीं आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए कप्तानी करते हुए उन्होंने सीएसके को सबसे सफल टीमों में से एक बनाया और तीन बार खिताब जीता। आईपीएल 2020 शनिवार 19 सितम्बर से शुरू हो रहा है और पहला मैच मुंबई इंडियंस और सीएसके के बीच होगा और धोनी एक साल से ज्यादा केइंतजार के बाद मैदान पर चौके छक्के लगाते दिखाई देंगे। इंतजार के बाद मैदान पर चौके छक्के लगाते दिखाई देंगे।

इटालियन ओपन : 18 साल के मुसेटी से हारकर वावरिंका पहले राउंड में बाहर

रोम ।

तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता स्विजरलैंड के स्टेनिस्लास वावरिंका इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले राउंड में इटली के 18 वर्षीय खिलाड़ी लोरेंजो मुसेटी से लगातार सेटों में हारकर बाहर हो गए। 10वीं सीड और टूर्नामेंट में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी 35 वर्षीय वावरिंका को विश्व में 249वें रैंक के खिलाड़ी मुसेटी ने मंगलवार को 6-0, 7-6 (2) से हराया। अगले राउंड में मुसेटी का मुकाबला जापान के केई निशिकोरी से होगा। लेकिन मुसेटी ने कहा कि वह अगले मुकाबले से पहले इस शानदार जीत का जश्न मनाएंगे। रूस के आंद्रेई रुब्लेव ने अर्जेंटीना के क्वालीफायर फाकुंडो बैगनीस को लगातार सेटों में 6-4, 6-4 से हराया। अगले राउंड में उनका मुकाबला पोलैंड के ह्यूबर्ट हुर्कज से होगा। 12वीं सीड डेनिस शापोवालोव ने अर्जेंटीना के गुइडो पेला को 6-2, 6-3 से हराया जबकि 13वीं सीड कनाडा के मिलोस राओनिक ने फ्रांस के एड्रियन मेनेरिनो को 7-6 (3), 6-2 से बाहर कर दिया। इटली के माकर सेचिनाटो ने ब्रिटेन के काइल एडमंड को 3-6, 7-6 (7), 6-2 से हराया और अब अगले राउंड में उनका मुकाबला सर्बिया के फिलिप क्राजिनोविच से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सर्बिया के नोवाक जोकोविच और गत चैंपियन स्पेन के राफेल नडाल को पहले राउंड में बाई मिली है और वे अपने अभियान की शुरुआत बुधवार से करेंगे। महिला वर्ग में विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी और 15वीं सीड एंजेलिक कर्बर को पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा। केर्बर को चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा को 6-3, 6-1 से हराया। सिनियाकोवा का की डारिया कसात्किना से होगा।

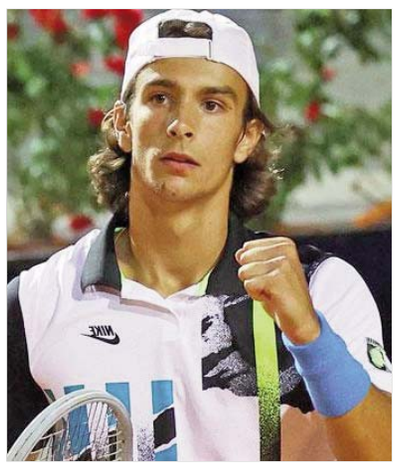

सिनियाकोवा का अगला मुकाबला अब रूस की डारिया कसात्किना से होगा। नौवीं वरीयता प्राप्त स्पेन की गरबाइन मुगुरुजा ने अमेरिका की युवा खिलाड़ी स्लोएन स्टीफंस को 6-3, 6-3 से हराया जबकि पूर्व फ्रेंच ओपन विजेता स्वेतलाना कुजनेत्सोवा ने एक कड़े मुकाबले में अमेरिका की बर्नाडर पेरा को 3-6, 7-6 (3), 6-3 से हराया।

संक्षिप्त समाचार

कुलदीप यादव बोले - केकेआर के इसबल्लेबाज को नेट्स में गेंदबाजी कराने से लगता है डर

स्पोर्ट्स डेस्क । भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का हिस्सा हैं। इस टीम में वेस्टइंडीज के धमाकेदार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल भी हैं। कुलदीप ने रसेल के बारे में बात करते हुए कहा कि प्रैक्टिस के दौरान उन्हें रसेल को गेंदबाजी कराना अच्छा नहीं लगता क्योंकि जब वह बड़े शॉट्स लगाते हैं तो डर लगता है। यादव ने इस बारे में अपना एक्सपीरिएंस शेयर करते हुए कहा, ईमानदारी से कहूं, मैं नेट सत्रों के दौरान आंद्रे रसेल को गेंदबाजी करना पसंद नहीं करता क्योंकि जब वह बड़े शॉट्स लगाते हैं तो वह डर जाते हैं, और कभी-कभी वह चूक जाता है और यह सीधे आपके पास आता है। अपने आप को समायोजित करना मुश्किल है, लेकिन हां अगर आप उसे गेंदबाजी कर रहे हैं तो आपको डेथ ओवरों या बड़े हिटिंग बल्लेबाजों को गेंदबाजी करने का काफी अनुभव मिलेगा। यह मेरे लिए अच्छा अनुभव है और वह निश्चित रूप से सर्वश्रेष्ठ टी20 खिलाड़ियों में से एक है और हम भाग्यशाली हैं कि वह हमारी टीम में है। आईपीएल 2019 में रसेल ने 14 मैचों में 510 रन बनाए थे और इस दौरान उनकी औसत 56.66 की थी। कोलकाता को उम्मीद है कि आईपीएल 2020 में रसेल का बल्ला खूब बोलेगा और वह दिनेश कार्तिक की कप्तानी में तीसरी बार आईपीएल जीत पाएंगे।

आईपीएल 2020 : लसित मलिंगा के इस बड़े रिकार्ड को तोड़ सकते हैं अमित मिश्रा

दुबई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी टीम दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा इस टूर्नामेंट में मुंबई इंडियंस के लसित मलिंगा का सर्वाधिक विकेट लेने का रिकार्ड तोड़ सकते हैं। मुंबई इंडियन्स के श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मलिंगा निजी कारणों से इस बार टूर्नामेंट से हट गए हैं। मलिंगा ने आईपीएल के 122 मैचों में 170 विकेट लिए हैं जो टूर्नामेंट में सर्वाधिक हैं। दिल्ली कैपिटल्स के मिश्रा ने 147 मैचों में 157 विकेट लिए हैं और उन्हें मलिंगा का रिकार्ड तोड़ने के लिए 14 विकेट की दरकार है। मिश्रा के अलावा चेन्नई सुपरकिंग्स टीम के ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह और लेग स्पिनर पीयूष चावला भी मलिंगा का रिकार्ड तोड़ने की होड़ में शामिल थे लेकिन हरभजन ने निजी कारणों से आईपीएल से हट जाने का फैसला किया जिससे अब मलिंगा का रिकार्ड तोड़ने के दूसरे दावेदार चावला ही रह गए हैं। चावला ने अबतक 157 मैचों में 150 विकेट लिए हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स ने पिछले दिसंबर में आईपीएल-2020 की नीलामी में चावला को खरीदने पर 6.75 करोड़ रुपये खर्च किए थे। मलिंगा का रिकार्ड तोड़ने के लिए चावला को जबरदस्त प्रदर्शन करना होगा और 21 विकेट हासिल करने होंगे। सीएसके के तेज गेंदबाज ड्वेन ब्रावो ने 134 मैचों में 147 विकेट लिए हैं और वह सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में पांचवें नंबर पर हैं।

छह और राज्यों में बनेगा खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र

नयी दिल्ली ।

युवा प्रतिभाओं की पहचान करने के मकसद से खेल मंत्रालय छह अन्य राज्यों में खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई) स्थापित करने के लिए तैयार है। केआईएससीई का दूसरे चरण में असम, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, मेघालय और सिक्किम में विस्तार होगा। इस साल की शुरुआत में, मंत्रालय ने पहले चरण में कर्नाटक, ओडिशा, केरल, तेलंगाना और उत्तर पूर्व के अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड सहित आठ केंद्रों की पहचान की थी। यहां के मौजूदा केंद्रों का उन्नयन खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई) के रूप में किया जाएगा। मंत्रालय से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक- प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश द्वारा खेल सुविधाओं का चयन किया गया, जो उनके या उनकी एजेंसियों या किसी भी योग्य एजेंसियों के साथ उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ खेल आधारभूत संरचना है

उसे विश्व स्तरीय खेल सुविधाओं में विकसित किया जा सकता है।'' जो उनके या उनकी एजेंसियों या किसी भी योग्य एजेंसियों के साथ उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ खेल आधारभूत संरचना है और उसे विश्व स्तरीय खेल सुविधाओं में विकसित किया जा सकता है।'' विज्ञप्ति के मुताबिक मंत्रालय खेल उपकरण, विशेषज्ञ कोच और उच्च प्रदर्शन प्रबंधकों की आवश्यकता के अंतर को कम करेगा।

उन्होंने कहा- इसमें हर केन्द्र में अधिकतम तीन ओलंपिक खेलों का समर्थन किया जाएगा, हालांकि खेल विज्ञान और संबद्ध क्षेत्रों में समर्थन को अन्य खेल विषयों में बढ़ाया जा सकता है। दूसरे चरण के लिए चुने गये केंद्रों में असम की राज्य खेल अकादमी, सरजूसाई खेल परिसर, गुवाहाटी ; न्यू स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सिलवासा (दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव); श्री शिव छत्रपति शिवाजी खेल परिसर, परिसर, बालेवाड़ी, पुणे (महाराष्ट्र); एमपी अकादमी, भोपाल (मध्य प्रदेश); जेएनएस परिसर शिलांग (मेघालय) और पालजोर स्टेडियम, गंगटोक (सिक्किम) शामिल है।

डीविलियर्स ने बताया- किस बल्लेबाज में दिखती हैं उन्हें खुद की झलक

दुबई ।

दक्षिण अफ्रीका के स्टार एबी डीविलियर्स का मानना है कि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग में सभी टीमों के लिए सबसे बड़ी चुनौती मौजूदा गर्म और आर्द्र परिस्थितियों में तालमेल बिठाना होगा। हालांकि अधिकांश खेल रात में खेले जाएंगे लेकिन फिर भी स्थितियां चुनौतीपूर्ण होंगी। उन्होंने आरसीबी के ट्विटर हैंडल पर पोस्ट किए गए एक साक्षात्कार में कहा- मैं वास्तव में ईमानदार होने के लिए इस तरह की स्थितियों के लिए अभ्यस्त नहीं हूं। यह बहुत गर्म है, यह मुझे एक जुलाई में चेन्नई में खेले गए टेस्ट मैच की याद दिलाता है जहां वीरू (वीरेंद्र सहवाग) ने 300 रन बनाए थे। यह सबसे गर्म मौसम में से एक था। डीविलियर्स ने कहा कि यहां आर्द्रता रात के 10 बजे तक उसी समान रहती है। जब मैं यहां पहुंचा तो मैंने कुछ महीनों के मौसम की स्थिति की जांच की। मौसम निश्चित रूप से एक बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है और आपको यह सुनिश्चित करना है कि आप पारी के बैकएंड या अपने गेंदबाजी स्पेल के आखिरी 5 ओवरों के लिए ऊर्जा बचाए रखे। डीविलियर्स ने कहा कि युवा ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज जोशुआ फिलिप एक रोमांचक क्रिकेटर है और वह आरसीबी के ड्रेसिंग रूम में ऑस्ट्रेलियाई ओपनर के साथ अपना ज्ञान साझा करना पसंद करेगा। मैंने हमेशा फिंच को खेलते हुए देखने का आनंद लिया है, लेकिन अब मैं उसे अच्छी तरह से जानता हूं। एक और लड़का जिसे मैं देखने के लिए उत्साहित हूं, वह है जोशुआ, वह ऑस्ट्रेलिया का एक युवा विकेटकीपर है। मैंने उन्हें बीबीएल में सिडनी सिक्सर्स के लिए खेलते हुए देखा है। वह देखने के लिए बहुत ही रोमांचक है, वह नई गेंद के लिए जाता है। उसकी पुस्तक में सभी शॉट्स हैं। वह बहुत ही प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। डीविलियर्स ने खाली स्टेडियमों में मैच खेलने को लेकर कहा- मैं इसका अभ्यस्त हूं।

कोविड-19 मामले ने मुझे मानसिक रूप से मजबूत बनाया : हॉकी कप्तान मनप्रीत

बेंगलुरू । भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा है कि कोरोना वायरस से उबरते हुए पृथकवास में बिताए तनावपूर्ण समय ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत खिलाड़ी बनाया जो अब मैदान पर किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम है। मनप्रीत उन छह हॉकी खिलाड़ियों में शामिल थे जो पिछले महीने राष्ट्रीय शिविर के लिए बेंगलुरू में टीम के ट्रेनिंग केंद्र पर पहुंचने पर कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे। कोरोना वायरस से उबरने के बाद मनप्रीत ने व्यक्तिगत सत्र में हिस्सा लेना शुरू कर दिया है और उनका कहना है कि उन्हें बाकी टीम का हिस्सा नहीं होने की कमी खल रही है। हॉकी इंडिया, भारतीय खेल प्राधिकरण और सहयोगी स्टाफ हालांकि खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने का हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। कप्तान ने कहा, 'हाकी इंडिया के अधिकारी लगभग रोज पता करने आते हैं कि हमें जो खाना दिया जा रहा है वह सही है या नहीं, हमारा उपचार नियमित रूप से हो रहा है या नहीं, नियमित रूप से हमारे रक्त में आक्सीजन का स्तर जांचा जा रहा है ।

क्या मौरिस और फिंच के आने से बदलेगी आरसीबी की किस्मत?

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग में अब तक अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर रही विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने क्रिस मौरिस और आरोन फिंच को खरीदकर अपनी समस्याओं का समाधान तलाशने की कोशिश की है लेकिन मैदान पर ही पता चलेगा कि यह दांव कितना कारगर साबित हुआ। कोहली की मौजूदा टीम 2016 के बाद से सबसे संतुलति टीम है जब वह तीसरी बार फाइनल में पहुंची थी लेकिन फिर हार गई थी। आरसीबी ने दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी हरफनमौला क्रिस मौरिस पर दस करोड़ रूपये खर्च किये और प्रबंधन को डैथ ओवरों में उनसे कसी हुई गेंदबाजी के अलावा निचले क्रम पर आक्रामक बल्लेबाजी की उम्मीद होगी। 2017 में क्रिस गेल के जाने के बाद से आरसीबी की बल्लेबाजी कोहली और एबी डिविलियर्स पर निर्भर रही है लेकिन ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के कप्तान आरोन फिंच के आने से उन पर दबाव कुछ कम होगा। कोहली अब फिंच के साथ पारी का आगाज कर सकते हैं या तीसरे नंबर पर उतर सकते हैं। ऐसे में पार्थिव पटेल या देवदत्त पडीक्कल उनके साथ पारी की शुरूआत करेंगे। स्टार खिलाड़ियों के नहीं चलने पर गुरकीरत सिंह मान और शिवम दुबे जैसे युवाओं पर जिम्मेदारी रहेगी। निचले क्रम पर मौरिस के साथ मोईन अली भी हैं। गेंदबाजी में अली और लेग स्पिनर एडम जाम्पा में से एक को चुना जाएगा। युजवेंद्र चहल और वाशिंगटन सुंदर भी स्पिनरों में शामिल है। तेज गेंदबाजों में मौरिस, डेल स्टेन, नवदीप सैनी, उमेश यादव और मोहम्मद सिराज हैं। कोचिंग स्टाफ भी नया है जिसमें माइक हेसन और सिमोन कैटिच शामिल हैं। कोचिंग स्टाफ भी नया है जिसमें माइक हेसन और सिमोन कैटिच शामिल हैं। आरसीबी के प्रशंसक दुआ कर रहे होंगे कि 13 साल का उनका इंतजार इस बार खत्म हो जाए। आरसीबी को 21 सितंबर को सनराइजर्स हैदराबाद से पहला मैच खेलना है।

टीम - आरोन फिंच, देवदत्त पडीक्कल, पार्थिव पटेल, विराट कोहली, एबी डिविलियर्स, गुरकीरत मान, शिवम दुबे, क्रिस मौरिस, वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, नवदीप सैनी, डेल स्टेन, युजवेंद्र चहल, एडम जाम्पा, इसुरू उडाना, मोईन अली, जोश फिलीप, पवन नेगी, पवन देशपांडे, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव।

सीएसके में रैना की गैरमौजूदगी को पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने बताया बड़ी चिंता, कही ये बात

दुबई । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डीन जोन्स मानते हैं कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सुरेश रैना की अनुपस्थिति तीन बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए बड़ी चिंता का विषय होगा जो अपने अभियान की शुरूआत 19 सितंबर को गत चैम्पियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगी। रैना और सीनियर स्पिनर हरभजन सिंह दोनों ने व्यक्तिगत कारणों से आईपीएल से हटने का फैसला किया। जोन्स ने कहा, 'रैना की अनुपस्थिति इस बार उनके लिए बड़ी चिंता का विषय होगी और वह आईपीएल में रन जुटाने के मामले में शीर्ष 5 में शामिल है। वह बाएं हाथ का खिलाड़ी है और स्पिन को बखूबी खेलता है और सीएसके के लिए सबसे बड़ी कमजोरी होगी कि उनके ज्यादातर खिलाड़ी दाएं हाथ से खेलने वाले हैं। जोन्स को लगता है कि टीम को बाएं हाथ के खिलाड़ी रैना की तरह का खिलाड़ी लाने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, 'उन्हें कुछ बाएं हाथ से खिलाड़ियों की जरूरत होगी वर्ना वे मुश्किल में फंस सकते हैं। विशेषकर अगर वे लेग स्पिनर को खेलेंगे क्योंकि गेंद दूर जाएगी। इसलिए या तो सैम कुर्रेन या जडेजा या ब्रावो या ताहिर के साथ खेलो। उन्होंने कहा, 'वाटसन और धोनी ने लंबे समय से बल्लेबाजी नहीं की है। रैना और हरभजन भी घर पर ही हैं, इसलिए फ्लेमिंग और धोनी पर निर्भर करेगा कि वे टीम को एकजुट कैसे करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किसानों से संबंधित विधेयक बहुत ही क्रांतिकारी, कांग्रेस का विरोध गुमराह करने वालाः नड्डा

नई दिल्ली।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को कहा कि किसानों से संबंधित जिन तीन विधेयकों को केंद्र सरकार संसद में लेकर आई है वे बहुत ही क्रांतिकारी हैं, जमीनी स्तर पर परिवर्तन लाने वाले हैं और किसानों की तस्वीर बदलने वाले हैं और तीनों विधेयकों का कांग्रेस का विरोध उसके दोहरे चरित्र को उजागर करता है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार संसद के मौजूदा मानसून सत्र में किसानों से संबंधित कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा प्रदान करना) विधेयक, 2020, कृषक (सशक्तिकरण और संरक्षण) मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा पर करार विधेयक और आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020 लेकर आई है। आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक मंगलवार को लोकसभा से पारित हो गया। नड्डा ने भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि ये तीनों विधेयक बहुत दूरदृष्टि रखते हैं और कृषि क्षेत्र में निवेश को बढ़ाने में ये तीनों बिल बहुत महत्वपूर्ण और लाभकारी हैं तथा किसानों के उत्पाद का दाम बहुत तीव्र गति से आगे बढ़ाने वाले साबित होंगे। उन्होंने कहा, तीनों ही विधेयक किसानों को नई आजाद हवा देने का काम करेंगे। इसके बाद किसान को आजादी होगी अपना उत्पाद बेचने की। यह तीनों विधेयक बहुत ही क्रांतिकारी हैं और जमीनी स्तर पर परिवर्तन लाने वाले हैं। इससे किसानों की तस्वीर बदलेगी, तकदीर बदलेगी, उनके हालात में मूलभूत परिवर्तन होगा। उत्पाद का उसका उचित मूल्य मिलेगा। नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस आज इन विधेयकों का विरोध कर रही है जबकि चुनावों में किसानों को लुभाने के लिए वह इसी प्रकार के वादों को अपने घोषणा पत्र का हिस्सा बनाती है। उन्होंने आरोप लगाया, विधेयकों को ले कर कांग्रेस का विरोध राजनीति के सिवाय कुछ नहीं। यह उसका दोहरा चेहरा है। हर चीज में इनका काम राजनीति करना है। कांग्रेस को सिवाय राजनीति के कुछ नहीं आता। मोदी सरकार इन विधेयकों के माध्यम से जो कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

जापान के नए पीएम के नाम प्रधानमंत्री मोदी का बधाई संदेश, बोले- दोनों देशों के बीच रिश्ते होंगे मजबूत

नेशनल डेस्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के नवनियुक्त प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा को बधाई देते हुए बुधवार को उम्मीद जताई की कि दोनों नेता संयुक्त रूप से दोनों देशों के बीच ''विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। सुगा को बुधवार को औपचारिक तौर पर जापान का नया प्रधानमंत्री चुन लिया गया। इससे पहले, सोमवार को उन्हें जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी का नया नेता चुना गया था। सुगा पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की जगह लेंगे। वह आबे के काफी करीबी हैं और 2006 से उनके समर्थक रहे हैं। मोदी ने ट्वीट किया कि जापान का प्रधानमंत्री नियुक्त होने पर योशिहिदे सुगा को दिल से शुभकामनाएं। मैं उम्मीद करता हूं कि दोनों नेता संयुक्त रूप से दोनों देशों के बीच 'विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। पीएम मोदी ने जापानी भाषा में भी एक ट्वीट किया और सुगा को शुभकामनाएं दी। आबे के उत्तराधिकारी को चुनने के लिए हुए आंतरिक मतदान में सुगा को सत्तारूढ़ लिबरल डेमाक्रेटिक पार्टी में 377 वोट मिले और अन्य दो दावेदारों को 157 वोट हासिल हुए थे। सुगा ने कहा कि वह आबे की नीतियों को ही आगे बढ़ाएंगे और उनकी प्राथमिकता कोरोना वायरस से निपटना और वैश्विक महामारी के दौरान अर्थव्यवस्था बेहतर करना होगा।

भारत के एक्शन से बौखलाया ड्रैगन, 33 साल में पहली बार सबसे ज्यादा अलर्ट पर चीनी सेना

बीजिंग ।

सीमा विवाद को लेकर बड़ी तल्खियों के बीच भारत के एक्शन से चीन पूरी तहर बौखला गया है। लद्दाख में पैंगोंग झील के दक्षिणी किनारे पर भारतीय सेना के जवाबी कार्रवाई के बाद चीन ने 33 साल बाद पहली बार सेना की जंगी तैयारी को दूसरे सर्वोच्चच अलर्ट पर रख दिया । हालांकि चीन सेना की लड़ाकू तैयारी को भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच मुलाकात के बाद कम कर दिया गया। चीनी सेना के एक अधिकारी ने बताया कि इस दौरान बड़े पैमाने पर सैनिकों और हथियारों को अग्रिम मोर्चों पर तैनात किया गया था। सूत्रों के अनुसार इससे पहले इस इलाके में अलर्ट का यह स्तर वर्ष 1987 में हुआ था। उस समय सुमदोरोंग चू घाटी में दोनों पक्षों के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया था और युद्ध की नौबत आ गई थी। पीएलए में अलर्ट के चार स्तर हैं। पहला स्तर उस समय लागू किया जाता है जब सैन्य कमांडरों को लगता है कि अब युद्ध होकर रहेगा। चीनी सेना के सूत्र ने कहा कि सबसे खराब परिस्थिति की तैयारी के लिए चीन ने और ज्यादा सैनिक और हथियार वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भेजा है चीन ने अपनी तैयारी के स्तर को उस समय घटा दिया जब दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच मास्को में मुलाकात हुई। दोनों के बीच इस बातचीत के बाद कहा गया था कि तनावपूर्ण स्थिति भारत और चीन के हित में नहीं है।

एक अन्य सूत्र ने कहा कि हालांकि सतर्कता के स्तर को घटा दिया गया है लेकिन अगर परिस्थितियां बदलती हैं तो इसे फिर से बढ़ा दिया जाएगा। पैगोंग में फायरिंग की घटना के अगले दिन पीएलए के सेंट्रल थिएटर कमांड ने 8 सितंबर को वीबो पर जारी बयान में कहा था कि उसे और ज्यादा सैनिक तथा हथियारों की तैनाती का आदेश हुआ है। चीनी सेना ने कहा कि उसने कई युद्धाभ्यास शुरू किए हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि तैयारी स्तर बढ़ा दिया गया है, इसलिए कमांडर, अधिकारी एवं सैनिक और ज्यादा अभ्यास 24 घंटे कर रहे हैं। कनाडा की सैन्य मैगजीन कन्वा डिफेंस रिव्यू सैटलाइट तस्वीरों की मदद से बताया कि चीनी सैनिक पैंगोंग झील के आसपास बड़े पैमाने पर तैनात हैं। पत्रिका के एडिटर आंद्रेई चांग ने कहा, पीएलए के जेएच-7 बॉम्सबर अग्रिम मोर्चे के एयरपोर्ट पर हथियारों के साथ पूरी तरह से तैयार हैं जो इस बात का इशारा है कि वे एक्सशन के लिए तैयार हैं।

संसद में गिलोय, अश्वगंधा और आयुर्वेद पर चर्चा

नेशनल डेस्क। गुजरात के जामनगर स्थित आयुर्वेद संस्थान को राष्ट्रीय महत्व का दर्जा दिए जाने को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर स्थिति स्पष्ट करते हुए सरकार ने मंगलवार को कहा कि इस मामले में पूरी निष्पक्षता बरती गई है और यह संस्थान सबसे पुराना है तथा इसके सभी कसौटियों पर खरा उतरने के बाद इसे चुना गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा हर्षवर्धन ने राज्यसभा में आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान विधेयक 2020 पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए इस मुद्दे पर सदस्यों की आशंकाओं का समाधान किया। हर्षवर्धन ने कहा कि केंद्र सरकार सभी आयुर्वेद संस्थानों को आगे बढ़ाने तथा देश में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उनके जवाब के बाद सदन ने विधेयक ध्वनिमत से पारित कर दिया। जिससे इस पर संसद की मुहर लग गई। लोकसभा इस विधेयक को पहले ही पारित कर चुकी है। विधेयक में तीन आयुर्वेद संस्थानों को मिलाकर एक संस्थान बनाने तथा इसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा देने का प्रावधान है। हर्षवर्धन ने कहा कि देशभर में राष्ट्रीय महत्व के 103 संस्थान हैं और आयुर्वेद के क्षेत्र में अब तक ऐसा कोई संस्थान नहीं था। यह देश का सबसे प्राचीन संस्थान है और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इसके महत्व को माना है। हाल ही में 65 देशों के छात्र इस संस्थान का दौरा करने आए थे।

बिहार के यात्रियों के लिए अच्छी खबर, रेलवे ने आनंद विहार से भागलपुर के लिए चलाई स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली/पटना। भारतीय रेलवे के द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान को रखते हुए लगातार ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में रेलवे के द्वारा शनिवार से 80 नई स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू किया गया। वहीं इन ट्रेनों में बिहार के लिए भी कई ट्रेनें शामिल हैं। रविवार को दिल्ली के आनंद विहार स्टेशन से भागलपुर के लिए स्पेशल ट्रेन शुरू

हुई। आनंद विहार से भागलपुर के लिए जाने वाली ट्रेन का संचालन प्रत्येक दिन होगा। रेलवे ने बताया कि ट्रेन नंबर 02368 विक्रमशिला स्पेशल ट्रेन प्रतिदिन आनंद विहार से दोपहर 2 हजकर 20 मिनट पर रवाना होगी, जो भागलपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन के कुल 18 स्टॉपेज होंगे। जबकि यही ट्रेन 02367 भागलपुर से आनंद विहार के लिए रोजाना सुबह 8 बजकर 10 मिनट पर चलेगी। बता दें कि 80 ट्रेनों में राजस्थान, बिहार, झारखंड सहित विभिन्न राज्यों में चलने वाली ट्रेनें भी शामिल हैं। इन ट्रेनों की बुकिंग 10 सितंबर से शुरू हो गई है।

मोदी सरकार ने राज्यसभा में कहा, भारत-चीन बॉर्डर पर पिछले 6 महीने में नहीं हुई कोई घुसपैठ

नेशनल डेस्क। मोदी सरकार ने बुधवार को कहा कि पिछले छह महीने में भारत-चीन सीमा पर कोई घुसपैठ नहीं हुई जबकि इस अवधि में भारत-पाक सीमा पर घुसपैठ के प्रयास के 47 मामले सामने आए हैं। राज्यसभा में आज एक प्रश्न के लिखित उत्तर में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में पिछले तीन सालों में पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा घुसपैठ के 594 प्रयास किए जाने के मामले सामने आए जिसमें 312 घुसपैठ हुई। गृह राज्य मंत्री ने कहा कि पिछले छह महीने में भारत-चीन सीमा पर घुसपैठ का कोई मामला सामने नहीं आया है। एक अन्य सवाल के जवाब गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में पिछले तीन वर्षो के दौरान सुरक्षा बलों ने 582 आतंकवादियों को मार गिराया और इस अवधि में 46 आतंकी पकड़े गए। उन्होंने बताया कि साल 2018 से 8 सितंबर 2020 तक जम्मू-कश्मीर में 76 सैन्यकर्मी शहीद हुए।

संसद में मास्क उतारने पर नाराज हुए नायडू, रामगोपाल यादव को समझा दी पूरी गाइडलाइंस

नेशनल डेस्क।

कोरोना वायरस महामारी से जुड़े दिशानिर्देशों का पालन करते हुए सोमवार से संसद के मानसून सत्र का प्रारंभ हो गया है।इस दौरान राज्यसभा सभापति वेंकैया नायडू नियमों को लेकर काफी सख्त दिखाई दे रहे हैं। इसीका नतीजा है कि जब सांसद प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने अपने बात रखने के लिए मास्क उतारा तो नायडू ने उन्हे तुरंत टोक दिया। दरअसल रामगोपाल सदन कोरोना काल के दौरान देश में आए संकट को लेकर अपने बात रख रहे थे। वह केंद्र सरकार से अपील कर रहे थे कि राज्यों की मदद करें, इस बीच वह अपने मास्क को नीचे खिसका कर गलती कर बैठे। नायडू ने तुंरत उन्हे टोकते हुए कहा कि जब भी आप कहीं पर बोल रहे हैं तो मास्क जरूर लगाएं क्योंकि आप इस हॉल में बैठे हुए हैं। सभापति ने आईसीएमआर की पूरी गाइडलाइंस समझाते हुए कहा कि इस हॉल में एयर कंडिशनर भी लगा हुआ है और आपको पता होना चाहिए कि एसी की हवा से वायरस तेजी से फैल सकता है। रामगोपाल ने तुरंत अपनी गलती मानते हुए मास्क को उपर कर लिया। ऐसा ही कुछ दिग्गज अभिनेत्री जया बच्चन के साथ भी देखने को मिला। जब वह सदन में अपनी बात रख रही थी तो सभापति ने उन्हें रोक कर मास्क लगाने को बोला जिस पर बच्चन ने कहा कि आवाज साफ नहीं आएगी। इसके बाद उन्होंने अपना परिचय देते हुए कहा, मेरा नाम जया बच्चन है। इस पर नायडू ने कहा कि वे मशहूर हैं और उन्हें अपना परिचय देने की जरूरत नहीं है।

न्यूज चैनलों की डिबेट पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता, कहा- एंकर बोलते हैं...स्पीकर को कर देते हैं म्यूट

नेशनल डेस्क।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा इलेक्ट्रानिक मीडिया के नियमन की जरूरत है क्योंकि अधिकांश चैनल सिर्फ की दौड़ में लगे हैं और यह ज्यादा सनसनीखेज की ओर जा रहा है। जस्टिस धनंजय वाई चंद्रचूड़, जस्टिस इन्दु मल्होत्रा और जस्टिस के एम जोसेफ की पीठ ने मंगलवार को न्यूज चैनलों के डिबेट पर तल्ख टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि चैनलों में हो रही डिबेट चिंता का विषय है। कोर्ट ने कहा कि इन डिबेट में ऐसी बातें होती है जो मानहानि वाली हैं। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि ज्यादातर समय ऐसा होता है कि सिर्फ एंकर ही बोलते रहते हैं, सवाल पूछते रहते हैं और स्पीकर को म्यूट कर देते हैं, ऐसे में मीडिया में सेल्फ रेग्युलेशन की व्यवस्था होनी चाहिए। पीठ ने यह सख्त टिप्पणी सुदर्शन टीवी के कार्यक्रम 'बिन्दास बोल के प्रोमो को लेकर उठे सवालों पर सुनवाई के दौरान की। पीठ ने टिप्पणी की कि इंटरनेट को नियमित करना मुश्किल है लेकिन अब इलेक्ट्रानिक मीडिया का नियमन करने की आवश्यकता है। पीठ ने कहा, ''प्रिंट मीडिया की तुलना में इलेक्ट्रानिक मीडिया ज्यादा ताकतवर हो गया है और प्रसारण से पहले प्रतिबंध के पक्षधर नहीं रहे हैं। पीठ ने कहा, आज लोग भले ही अखबार नहीं पढ़े लेकिन इलेक्ट्रानिक मीडिया जरूर देखते हैं। पीठ ने कहा, ''समाचार पत्र पढ़ने में हो सकता है मनोरंजन नहीं हो लेकिन इलेक्ट्रानिक मीडिया में कुछ मनोरंजन भी है। पीठ ने कुछ मीडिया हाउस द्वारा की जा रही आपराधिक मामलों की तफतीश का भी जिक्र किया। पीठ ने कहा, 'जब पत्रकार काम करते हैं तो उन्हें निष्पक्ष टिप्पणी के साथ काम करने की आवश्यकता है।

भयानक हो रहे दुनिया के हालात, कोरोना ने 3.7 करोड़ लोगों को धकेला गरीबी में

नेशनल डेस्क।

कोरोना के आतंक से दुनिया का उभर पाना मुश्किल होता जा रहा है। लाखों लोगों की जान ले चुकी इस महामारी ने करोड़ लोगों को गरीबी के मुंह में भी धकेल दिया है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के अनुसार कोरोना ने पिछले कई दशकों के दौरान स्वास्थ्य क्षेत्र में हुई प्रगति को पटलते हुए लगभग 3.7 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी में धकेल दिया है। फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस महामारी का वास्तविक प्रसार चाहे जितना रहा हो, लेकिन इसने आर्थिक रूप से प्रत्येक देश में व्यापक रूप से तबाही मचाई है। रिपोर्ट में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के एक अनुमान का हवाला देते हुए कहा गया है कि दुनिया भर में विकास को बढ़ावा देने के लिए 18,000 अरब अमरीकी डालर खर्च करने के बावजूद 2021 के अंत तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में 12,000 अरब डॉलर या इससे अधिक कमी होगी। फाउंडेशन की वार्षिक 'गोलकीपर्स रिपोर्ट' में यह बात कही गई। यह रिपोर्ट मुख्य रूप से गरीबी को दूर करने और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) का विश्लेषण करती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना वायरस संकट के दौरान भारत ने 20 करोड़ महिलाओं को नकदी हस्तांतरण किया और इससे न केवल भूख और गरीबी पर महामारी के असर को कम करने में मदद मिली, बल्कि महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिला। फाउंडेशन बिल गेट्स के सह-अध्यक्ष ने बताया कि भारत में आधार डिजिटल वित्तीय प्रणाली एक बार फिर मददगार साबित हुई। उन्होंने कहा कि डिजिटल नकद हस्तांतरण के जरिए।

भारतीय मूल के दम्पत्ति से संदिग्ध नकदी बरामद

लंदन। ब्रिटेन में अपराध रोकथाम अधिकारियों और पुलिस ने भारतीय मूल के एक दम्पत्ति के पास से 3,00,000 पाउंड से अधिक नकदी बरामद की है जिसे अपराध से अर्जित किए जाने की आशंका है। राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) ने बताया कि दंपत्ति शैलेश और हरकित सिंगारा के उत्तर पश्चिम लंदन के एडवेयर स्थित घर से 2,00,000 पाउंड से अधिक नकदी बरामद की गई है। 'थ्रेट रिस्पान्स की प्रमुख रैचल हर्बर्ट ने कहा, '' कई 'मनी सर्विस बिज़नेस अवैध नकदी के लेन-देन को सुविधाजनक बनाकर ब्रिटेन के लिए एक जोखिम पैदा कर रहे हैं। राष्ट्रीय आर्थिक अपराध केन्द्र और उसके सहयोगियों ने इस खतरे को समझा, जो वैध व्यवसायों का समर्थन करते हुए संदिग्ध एमएसबी के खिलाफ अधिक प्रभावी कार्रवाई करने में सक्षम हैं। अधिकारियों ने कहा कि सिंगारा के व्यापारिक सहयोगी शैलेश मंडालिया के पास से भी 1,00,000 पाउंड बरामद किए हैं। यह नकदी उसके पास मौजूद एक बैग में थी। इन तीनों ने अदालत में यह दावा किया कि नकदी वैध थी और किसी भी भ्रम के लिए कई वर्षों का खराब लेखांकन (अकाउंटिंग) जिम्मेदार है। अदालत ने 10 सितम्बर को हालांकि उनकी यह दलील खारिज कर दी। मेट पुलिस 'ऑर्गनाइज्ड क्राइम पार्टनर्शिप (ओसीपी) के प्रमुख एवं डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर टोनी ओसुल्लीवन बताया कि तीनों पर कोई भी आरोप नहीं है और इन्हें किसी भी मामले में दोषी नहीं ठहराया गया है। लेकिन यह 3,00,000 पाउंड इन्हीं के पास से बरामद हुए हैं और अब इनका इस्तेमाल समुदायों के हित के लिए किया जाएगा। अदालत ने इन तीनों को अलग से कुल 4,350 पाउंड का भुगतान करने का निर्देश भी दिया है।

भारत में 39 लाख से ज्यादा लोगों ने दी कोरोना को मात, संक्रमित मरीजों की संख्या 50 लाख पार

नेशनल डेस्क।

भारत में कोरोना मरीजों की कुल संख्या 50 लाख के पार पहुंच गई। हालांकि, सरकार का कहना है कि भारत में संक्रमितों के ठीक होने की दर दुनिया में सबसे अधिक है तथा उसने इस मोर्चे पर अन्य देशों के अनुभव से सीखा है। देश में कोरोना संक्रमण के दिनोंदिन बढ़ते मामलों के साथ ही इस संक्रमण से मुक्ति पाने वालों की संख्या भी बहुत तेजी से बढ़ रही है और पिछले 24 घंटों के दौरान 82 हजार से अधिक लोग रोगमुक्त हुए हैं जो एक दिन में स्वस्थ होने वालों का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है हालांकि दुखद यह है कि इसी दौरान रिकॉर्ड 1290 लोगों की मौत भी हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटों के दौरान 82,961 लोगों के संक्रमणमुक्त होने से कोरोना वायरस को मात देने वालों की संख्या 39,42,361 पर पहुंच गई है, वहीं 1290 संक्रमितों की मौत होने से मृतकों की संख्या 82,066 हो गई। इस दौरान कोरोना संक्रमण के 90,123 मामले सामने आने से संक्रमितों का आंकड़ा 50,20,360 पर पहुंच गया। स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नये मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 5,872 बढ़कर 9,95,933 हो गये हैं। देश में सक्रिय मामले 19.84 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 78.53 प्रतिशत है, जबकि मृत्यु दर 1.63 फीसदी है। से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है और यह 544 बढ़कर 2,92,174 हो गई तथा 515 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 30,409 हो गया। इस दौरान 19,423 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 7,75,273 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 851 कम होने से सक्रिय मामले 92,353 रह गए। राज्य में अब तक 5041 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 4,86,531 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 667 की कमी हुई है और राज्य में अब 98,555 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 7,481 पर पहुंच गया है तथा अब तक 3,69,229 लोग स्वस्थ हुए हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव ने कहा कि कोरोना से फिर से संक्रमित होना ''बहुत बहुत दुर्लभ है लेकिन यह हो सकता है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि यह चिंता का विषय नहीं है। स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने इस बात पर जोर दिया कि भारत उन देशों में हैं जहां कोविड-19 से ठीक होने वालों की संख्या सबसे अधिक संख्या है। उन्होंने कहा कि देश में 14 राज्य और केंद्रशासित प्रदेश हैं जहां उपचाराधीन मरीजों की संख्या 5,000 से कम है।

कोरोना संकट में बच्चों को पढ़ाने के लिए निकाला अनूठा तरीका, दीवारों पर चित्र बनाकर पढ़ाया जा रहा है गणित

चंद्रपुर। कोविड-19 के कारण स्कूलों के बंद होने और गरीब छात्रों की ऑनलाइन कक्षाओं तक पहुंच नहीं हो पाने के बीच महाराष्ट्र के जिला परिषद ने विद्यार्थियों को पढ़ाने का एक अनूठा तरीका निकाला है। इसके लिए, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों में दीवारों पर गणित के पाठों को लिखा जा रहा है ताकि बच्चे खेल-खेल में इसे सीख सकें। चंद्रपुर जिला परिषद के मख्य कार्यकारी अधिकारी राहुल कार्डिले ने बताया कि अगर मिशन मैथमैक्टिस सफल हो जाता है तो अन्य विषयों में भी यह प्रयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया, हम कोशिश कर रहे हैं कि छात्र घर पर अपनी पढ़ाई जारी रखें क्योंकि स्कूल बंद हैं। इसके लिए ग्रामीण इलाकों में पढ़ाई का माहौल तैयार किया जा रहा है। मिशन मैथमैक्टिस के पीछे का विचार यह है कि खेल-खेल में बच्चों को पढ़ाई कराई जाए। इसके अलावा, जिला परिषद के शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने पोम्बरना, बल्लारपुर, नगभीड और बह्मपुरी तहसील के गांवों के मुख्य चौराहों की दीवारों पर कक्षा एक से पांचवी तक पढ़ाए जाने वाले गणित के पाठों को चित्रित किया है। कार्डिले ने कहा, बच्चों को यह तरीका आकर्षक लग रहा है और वे अपने दोस्तों के साथ खेल-खेल में गणित सीख भी रहे हैं। मिशन का मकसद उन्हें गणित की विभिन्न अवधारणाओं को समझाना है तथा विषय में उनकी रुची बनानी है। साथ में ग्रामीण क्षेत्रों में पढ़ाई का माहौल बनाना है। उन्होंने कहा कि घोसरी गांव में जिला परिषद के स्कूल के पूर्व छात्र अक्षय वाकुलकर अब इंजीनियर हो गए हैं और उन्होंने ही पहली बार अपने गांव में मिशन मैथमैटिक्स शुरू किया था। उन्होंने ही पहली बार अपने गांव में मिशन मैथमैटिक्स शुरू किया था। उन्होंने ही पहली बार अपने गांव में मिशन मैथमैटिक्स शुरू किया था।

मकान मालिक की छेड़छाड़ से तंग महिला बोली- मैं मरना चाहती हूं, शासन-प्रशासन ने साधी चुप्पी

ग्वालियर। ग्वालियर के एक परिवार ने आत्मदाह की अनमति मांगी है। मकान मालिक, पुलिस और जनप्रतिनिधि की प्रताड़ना से त्रस्त परिवार ने तंग आकर यह मांग की है। पूरा परिवार 19 अगस्त से अपनी तीन वर्ष की मासूम बच्ची के साथ दर बदर भटकते फिर रहा है। दरअसल, गोला का मंदिर क्षेत्र की रहने वाली माधुरी श्रीवास के साथ उसके मकान मालिक ने छेड़छाड़ कर दी जब महिला और उसके पति ने थाने में शिकायत की तो थाना प्रभारी ने भी शिकायतकर्ता महिला को ही देर रात तक थाने में बिठाकर रखा, जब महिला और उसके पति ने अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल से शिकायत की लेकिन मुन्नालाल के बेटे ने भी पीड़ित परिवार की न सुनते हुए राजीनामा करने की बात कही। वहीं पीड़ित परिवार की मानें तो एक माह से वे सडकों पर अपनी मासूम बच्ची को लेकर घूम रहे हैं। पुलिस अधीक्षक से लेकर नेताओं तक सब जगह गुहार लगाने के बाद जब समाधान नहीं हुआ तो उन्होंने फूलबाग पर बैठकर आत्मदाह की अनुमति मांगी है। हालांकि पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल मौके पर पहुंचे और परिवार के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम कर गए उन्होंने मामले से पल्ला झाड़ लिया। उनका कहना था कि ये किराएदार और मकान मालिक का मामला है और मैं इसमें कुछ भी नहीं कर सकता। वहीं दूसरी ओर कैबिनेट मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने परिवार को सांत्वना दी और समस्या का समाधान करने की बात कही लेकिन वे ही केवल आश्वासन देकर चलते बने।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत ने पाक को दिखाई उसकी औकात, कहा- आतंकवाद के गढ़ में हिंदू और सिखों पर हो रहा जुल्म

नेशनल डेस्क।

पाकिस्तान को आतंकवाद का गढ़ करार देते हुए भारत ने कहा कि किसी को भी इस्लमाबाद से मानवाधिकारों पर बेवजह व्याख्यान सुनने की आवश्यकता नहीं है जो खुद ही हिंदुओं, सिखों और इसाइयों सहित अपने धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों पर लगातार जुल्म कर रहा हैं। भारतीय प्रतिनिधि ने मानवाधिकार परिषद (एचआरसी) के 45वें सत्र में पाकिस्तान द्वारा यहां दिए गए वक्तव्यों का जवाब देने के लिए उत्तर देने के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए कहा कि गलत और मनगढ़ंत विमर्श पेश करके भारत की छवि खराब करने की पाकिस्तान की आदत हो गई है। भारतीय कूटनीतिज्ञ ने कहा कि न ही भारत और न ही कोई अन्य किसी ऐसे देश से मानवाधिकारों पर बेवजह का व्याख्यान सुनने का हकदार है जिसने अपने धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों पर लगातार जुल्म किए हैं, आतंकवाद का गढ़ है, जिसने संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधित सूची में डाले गए व्यक्तियों को पेंशन दी हो और जिसके पास एक ऐसा प्रधानमंत्री है जो जम्मू-कश्मीर में लड़ने के लिए हजारों आतंकवादियों को प्रशिक्षित करने की बात गर्व से स्वीकार करता है। भारत ने कहा कि इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि अन्य संबंधित बहुपक्षीय संस्थान आतंकवाद को धन मुहैया कराने से रोकने में पाकिस्तान की नाकामी और पाकिस्तान में मौजूद सभी आतंकवादी संगठनों पर प्रभावी तरीके से लगाम लगाने में विफलता पर लगातार चिंता व्यक्त करते आ रहे हैं। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में उसके नापाक मंसूबों का जिक्र करते हुए भारत ने कहा कि बड़े पैमाने पर बाहरी लोगों के आने से भारत के केन्द्र शासित क्षेत्र जम्मू कश्मीर और लद्दाख के पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाकों में कश्मीरियों की संख्या बहुत घट गई है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान में हजारों की संख्या में सिख, हिंदू और इसाई अल्पसंख्यक महिलाओं और लड़कियों को अगवा किया।

अमेरिका ने कंबोडिया में भ्रष्टाचार के लिए सरकारी चीनी कंपनी पर लगाया बैन

वाशिंगटन।

अमेरिका ने विकास परियोजना के लिए कंबोडिया में भूमि हथियाने और भ्रष्ट गतिविधियों के आरोप में चीन की एक सरकारी कंपनी पर पाबंदियां लगा दी है। अमेरिका का कहना है कि इस परियोजना का इस्तेमाल सैन्य संपत्ति के तौर पर किया जा सकता है। विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने मंगलवार को कहा, डारा सकोर में तटीय विकास परियोजना को लेकर विश्वसनीय खबरें है कि इसका इस्तेमाल चीन की सेना की संपत्ति के तौर पर किया जा सकता है और अगर ऐसा होता है तो यह कंबोडिया के संविधान के खिलाफ है तथा हिंद प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता के लिए खतरा है, यह कंबोडिया की संप्रभुत्ता और हमारे सहयोगियों की सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा कि आज की कार्रवाई दिखाती है कि कैसे चीन की कम्युनिस्ट पार्टी अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए कंपनियों का इस्तेमाल कर रही है और अवैध आर्थिक लाभ के लिए बेगुनाह लोगों के खिलाफ सैन्य बल का इस्तेमाल करने के वास्ते भ्रष्ट अधिकारियों के जरिए काम करा रही है। पोम्पिओ ने कहा कि कंबोडिया सरकार ने चीन की यूनियन डेवलपमेंट ग्रुप को 2008 में एक विकास परियोजना के लिए जमीन का 99 साल का पट्टा दिया था। इस भूमि में देश की तट रेखा का करीब 20 फीसदी हिस्सा शामिल है। वित्त मंत्री स्टीवन मनुचिन ने कहा कि कंपनी ने जमीन लेने के लिए खुद को कंबोडिया की स्वामित्व वाली कंपनी दिखाया और भूमि मिलने के बाद यूडीजी अपनी असल मिल्कियत में आ गई जो चीनी की है।

उन्होंने कहा कि जहां भी ऐसा किया जाएगा, उसे निशाना बनाने के लिए अमेरिका अपने सारे प्रभाव का इस्तेमाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। पोम्पिओ ने आरोप लगाया कि कंबोडिया की सेना के पूर्व अधिकारियों के साथ सांठगांठ कर कंबोडिया की सेना ने हिंसक हथकंडे अपना कर जमीन को पट्टे पर देने को मंजूरी दे दी।

कोरोना महासंकट के बीच संरा महासभा का ऐतिहासिक 75वां सत्र शुरु

संयुक्त राष्ट्र।

कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा के ऐतिहासिक 75वें सत्र की शुरुआत हुई। वैश्विक संस्था के 75 साल के इतिहास में पहली बार दुनिया के नेता डिजिटल तरीके से सत्र में शिरकत करेंगे। इस वार्षिक उच्चस्तरीय सम्मेलन में दुनियाभर के नेता मानव जाति के सामने आने वाले अति गंभीर खतरों पर विचार-विमर्श करेंगे। तुर्की के राजनयिक वोल्कन बोजकिर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र के अध्यक्ष के रूप में प्रभार संभाला। उन्होंने नाइजीरिया के तिजानी मुहम्मद-बंदे की जगह ली है। दुनियाभर में अब तक 2.9 करोड़ से अधिक लोगों को संक्रमित करने वाली और 9,31,000 से अधिक लोगों की जान लेने वाली कोरोना वायरस महामारी के चलते संयुक्त राष्ट्र महासभा का ऐतिहासिक 75वां अधिवेशन ऐसा होगा जो इसके इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया। पहली बार सम्मेलन के लिए संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के राष्ट्र और सरकार प्रमुख, मंत्री तथा राजनयिक न्यूयॉर्क में एकत्रित नहीं होंगे। विभिन्न देशों के नेता महासभा के सम्मेलनों और विभिन्न बैठकों के लिए पहले से रिकॉर्ड किये गये वीडियो वक्तव्य देंगे। संरा के इतिहास में यह पहली बार होगा जब उच्च स्तरीय सप्ताह मौटे तौर पर ऑनलाइन आयोजित हो रहा है।

संरा महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने सत्र के आरंभ में अपने संबोधन में कहा कि संयुक्त राष्ट्र के अब तक के इतिहास में यह वर्ष सबसे कठिन होगा क्योंकि देशों को कोविड-19 महामारी के तत्काल प्रभाव के संबंध में कदम उठाने हैं, स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना है और टीकों एवं उपचार के विकास एवं समान विकास को समर्थन देना है।

पाक को भारी पड़ा एससीऔ में गलत नक्शा दिखाना, डोभाल ने छोड़ी बैठक...रूस से भी लगी फटकार

नेशनल डेस्क।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रूस की अध्यक्षता में मास्को में शंघाई सहयोग संगठन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की शिखर बैठक में पाकिस्तान द्वारा एक काल्पनिक नक्शा पेश कर भारत की जमीन को अपना बताने का कड़ा विरोध व्यक्त करते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने यहां संवाददाताओं के सवालों के जवाब में कहा कि रूसी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में पाकिस्तानी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने बदनीयती से वह झूठा और गलत नक्शा पेश किया जो उसने कुछ दिन पहले आधिकारिक तौर पर जारी किया है। यह मेज़बान द्वारा जारी परामर्श का घोर असम्मान और बैठक के नियमों का उल्लंघन था। भारतीय पक्ष उसी समय मेजबान से परामर्श करके बैठक से उठकर निकल गए। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तानी पक्ष बैठक को गुमराह करने वाली बातें करता रहा। राजनयिक सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान की इस हरकत से रूस भी हतप्रभ रह गया। सूत्रों के अनुसार मानचित्र में भारतीय भूभाग को पाकिस्तान का क्षेत्र दिखाया जाना स्एह घोषणापत्र का घोर उल्लंघन है और स्एह सदस्य देशों की संप्रभुता एवं प्रादेशिक अखंडता की सुरक्षा के स्थापित मानदंडों के विरुद्ध है। रूसी पक्ष ने भी पाकिस्तानी पक्ष को ऐसा करने से रोकने की बहुत कोशिश की। रूस ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह पाकिस्तान की इस हरकत का कतई समर्थन नहीं करता है और उम्मीद जताई कि पाकिस्तान की इस हरकत से शिखर सम्मेलन में भारत की भागीदारी प्रभावित नहीं होगी तथा डोभाल एवं रूस के राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग के सचिव निकोलई पत्रुशेव के बीच गर्मजोशी भरी मित्रता पर कोई असर नहीं होगा। पत्रुशेव ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के बैठक में आने के लिए उनका व्यक्तिगत रूप से आभार व्यक्त किया।

पत्रुशेव ने आशा व्यक्त की कि डोभाल आगे अन्य कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे

संक्षिप्त समाचार

योशिहिदे सुगा बने जापान के नए प्रधानमंत्री

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने पद से इस्तीफा देते हुए अपने उत्तराधिकारी योशिहिदे सुगा के लिए राह साफ कर दी। जापान के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे आबे ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह स्वास्थ्य कारणों के चलते पद छोड़ेंगे। मंत्रिमंडल के प्रमुख सचिव योशिहिदे सुगा को सोमवार को जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी का नया नेता चुना गया था और इसके साथ ही उनका प्रधानमंत्री बनना तय हो गया था। इस हफ्ते के शुरू में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के नए नेता के रूप में चुने जाने के बाद आज बुधवार को योशिहिदे सुगा को जापान के नए प्रधान मंत्री के रूप में चुना गया । वह आबे के काफी करीबी हैं और 2006 से उनके समर्थक रहे हैं। एबी का कार्यकाल उनकी अस्वस्थता के कारण बाधित रहा और सुगा की मदद से 2012 में वे दोबारा प्रधानमंत्री बने थे। आबे के उत्तराधिकारी को चुनने के लिए हुए आंतरिक मतदान में सुगा को सत्तारूढ़ लिबरल डेमाक्रेटिक पार्टी में 377 वोट मिले और अन्य दो दावेदारों को 157 वोट हासिल हुए थे। सुगा ने कहा कि वह आबे की नीतियों को ही आगे बढ़ाएंगे और उनकी प्राथमिकता कोरोना वायरस से निपटना और वैश्विक महामारी के दौरान अर्थव्यवस्था बेहतर करना होगा। अकीता के उत्तरी इलाके में स्ट्रॉबेरी की खेती करने वाले किसान के पुत्र सुगा ने खुद से राजनीति में अपने लिए राह बनाई। उन्होंने ग्रामीण समुदाय और सामान्य लोगों के हित में काम करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि वे एबी की अधूरी नीतियों को आगे ले जाएंगे और उनकी शीर्ष प्राथमिकता कोरोना वायरस से जंग होगी साथ ही महामारी के कारण जर्जर हुई अर्थव्यवस्था को फिर से अपनी जगह पर लाएंगे। उनसे उम्मीदें हैं कि वे एबी की नीतियों को आगे ले जाएंगे।

सालों बाद घर पधारे राम, लक्ष्मण व सीता, लंदन ने भारत को सौंपी मंदिर से चुराई मूर्तियां

नेशनल डेस्क। तमिलनाडु के एक मंदिर से दशकों पहले चुराई गई भगवान राम, लक्ष्मण और सीता की मूर्तियों को मंगलवार को भारत सरकार को वापस दे दिया गया। प्रतिमाओं के वास्तविक इतिहास और महत्व को जानने के बाद एक संग्रहकर्ता ने खुद इन मूर्तियों को लौटाने की पेशकश की थी। इन मूर्तियों की चोरी 1978 में हुई थी, जिसके बाद तमिलनाडु पुलिस ने लंदन की मैट्रोपोलिटन पुलिस के साथ मिलकर जांच शुरू की थी। एक अनाम संग्रहकर्ता ने मूर्तियों को खरीदा था, जिसे मैट्रोपोलिटन पुलिस ने घटना की जानकारी दी। सन् 1950 में खींचे गए प्रतिमाओं के चित्रों से मिलान करने के बाद पाया गया कि ये विजयनगर काल की वही मूर्तियां हैं जिन्हें तमिलनाडु के नागपट्टिनम जिले के अनंतमंगलम में स्थित श्री राजगोपालस्वामी मंदिर से चुराया गया था। लंदन में इंडिया हाऊस में आयोजित एक समारोह में कोविड-19 के चलते सीमित संख्या में अतिथियों को बुलाया गया। समारोह में लंदन स्थित श्री मुरुगन मंदिर के पुजारियों ने मूर्तियों की संक्षिप्त पूजा-अर्चना की और इसके बाद उन्हें भारत को सौंप दिया गया। ब्रिटेन में भारत की उच्चायुक्त गायत्री इस्सर कुमार ने कहा कि आज इन सुंदर प्रतिमाओं की खोज पूरी हुई। हम यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि इन मूर्तियों को भारत भेजने से पहले इनके साथ आदरपूर्वक व्यवहार किया जाए।

फीनिक्स में अदालत के बाहर गोलीबारी, एक अधिकारी जख्मी

फीनिक्स। अमेरिका के फीनिक्स में चलती गाड़ी से एक अदालत के बाहर गोलीबारी की गई, जिसमें एक संघीय सुरक्षा अधिकारी जख्मी हो गया। घटना के सिलिसिले में एक शख्स को हिरासत में लिया गया है। शहर की पुलिस और एफबीआई के मुताबिक, अधिकारी को अस्पताल ले जाया गया है और वह खतरे से बाहर है। एफबीआई के फीनिक्स दफ्तर की प्रवक्ता जिल मैककेब ने बताया कि घटना के संबंध में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। एफबीआई ने कहा कि वह मामले की जांच कर रही है, इसलिए इस बारे में और जानकारी नहीं देगी। वहीं पुलिस ने इलाके से रवाना हो रही एक सिल्वर रंग की कार का फोटो जारी किया है। एक अधिकारी ने बताया कि अदालत सुरक्षा अधिकारी अमेरिकी मार्शल सेवा के निर्देशों पर काम करते हैं, लेकिन इनकी भर्ती निजी सुरक्षा कंपनियां करती हैं। गोलीबारी की घटना के बाद अदालत के आसपास की सड़कों को बंद कर दिया गया और सुरक्षा बढ़ा दी गई। अदालत के लिपिक ने बताया कि अदालत लोगों के लिए खुली हुई है।

2021 से पहले व्यापक रुप से नहीं मिलेगा कोरोना का टीका

बर्लिन। पूरी दुनिया कोरोना की वैक्सीन का इंतजार कर रही है। इस बीच जर्मनी के शिक्षा मंत्री अंजा कारलीजेक का कहना है कि कोरोना वायरस का टीका 2021 के मध्य से पहले व्यापक रुप से उपलब्ध नहीं हो पाएगा। सुश्री कारलीजेक ने कहा, हम अभी तक कोरोना का टीका तैयार नहीं कर सके हैं और आने वाले सप्तान में काफी कुछ होना है। उन्होंने हालांकि कहा कि उन्हें विश्वास है कि कोरोना का टीका जल्द बन जाएगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षा पहली प्राथमिकता है और टीका का इस्तमाल तभी होगा जब यह पूरी तरह उम्मीदों पर खरा उतरेगा। अभी तक विश्व स्वास्थ संस्था ने करीब 180 टीका निर्माण पंजीकृत किए हैं जिसमें से 35 का मानव परीक्षण भी हुआ है। इससे पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा था कि मध्य 2021 से पहले कोरोना की वैक्सीन आने की उम्मीद नहीं है। साथ ही ने जांच में प्रभावशीलता और सुरक्षा के महत्व पर बल दिया। पूरी दुनिया कोरोना की वैक्सीन का इंतजार कर रही है। इसी बीच विश्व स्वास्थ्य नहीं है। साथ ही ने जांच में प्रभावशीलता और सुरक्षा के महत्व पर बल दिया। की प्रवक्ता मार्गरिट हैरिस के अनुसार वैक्सीन बनाने वाला कोई भी कैंडिडेट अब तक एडवांस ट्रायल में नहीं पहुंचा है।

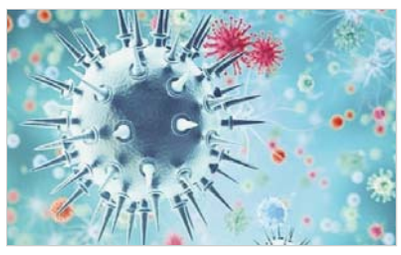

साउथ चाइना सी में और बढ़ा तनाव, अब इंडोनेशिया ने खदेड़ा चीन का गश्ती जहाज

इंटरनेशनल डेस्क।

एशिया में साउथ चाइना सी एक बार फिर तनाव का नया क्षेत्र बन गया है। साउथ चाइना सी के 90 फीसदी हिस्से पर चीन अपना दावा करता है। इस समुद्र को लेकर उसका फिलीपींस, मलेशिया, ब्रुनेई और वियतनाम के साथ विवाद है। वहीं, पूर्वी चाइना सी में जापान के साथ चीन का द्वीपों को लेकर विवाद चरम पर है। हाल में ही अमेरिका ने साउथ चाइना सी पर चीन के दावे को खारिज कर दिया था। चीन की दादागिरी का कई देशों द्वारा मुंहतोड़ जवाब देने के बाद अब इंडोनेशिया ने अपने आर्थिक क्षेत्र में घुसे चीन के एक गश्ती जहाज को खदेड़ दिया है। इंडोनेशिया ने चीन के जहाज को नातुना द्वीप के पास से खदेड़ा है। यह क्षेत्र इंडोनेशिया के एक्सक्लूसिव इकनॉमी जोन में आता है। इंडोनेशियाई समुद्री सुरक्षा एजेंसी को चीन के जहाज 5204 के इंडोनेशियाई विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र में प्रवेश करने के बारे में पता शुक्रवार रात में चला था। इंडोनेशियाई समुद्री सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख आन कुर्निया ने बताया कि जानकारी मिलने के बाद हमने अपने एक गश्ती जहाज को चीन के इस जहाज के पास भेजा। इंडोनेशियाई जहाज और चीन के जहाज के बीच एक किलोमीटर की दूरी से इलाके पर दावे को लेकर बातचीत की गई। जिसके बाद इंडोनेशियाई जहाज ने चीनी जहाज को तुरंत वह इलाका छोड़ने को कहा। लेकिन, चीनी जहाज ने इस इलाके को अपने नाइन डैश लाइन के अंदर होने का दावा किया। जिसके बाद से इंडोनेशियाई जहाज ने चीनी जहाज को खदेड़ दिया।

इंडोनेशिया के इस हौसले से ड्रैगन भड़क उठा है और दोनों देशों में तनातनी चरम पर पहुंच गई है। चीन के पलटवार की आशंका को देखते हुए इंडोनेशियाई युद्धपोतों ने अपनी गश्त को तेज कर दिया है। वहीं, इस क्षेत्र के पास चीनी युद्धपोतों की गतिविधि भी रिकॉर्ड की गई है। इससे पहले जापान ने चीन की पनडुब्बी को अपने इलाके से खदेड़ा था।

दुनिया में कोरोना मौतों का आंकड़ा 9.33 लाख पार; मौसमी फ्लू जैसा हो जाएगा वायरस, लगेगा वक्त

इंटरनेशनल डेस्क।

दुनिया में कोरोना वायरस से मरने वालों का आंकड़ा 9.33 करोड़ से ज्यादा हो गया है जबकि संक्रमित लोगों की संख्या मंगलवार को 2.94 करोड़ पार कर गई। राहत की बात यह कि महामारी की चपेट में आए 2.13 करोड़ लोग ठीक भी हुए हैं। इस बीच, एक अध्ययन में दावा किया गया है कि कोविड-19 एक समय बाद मौसमी फ्लू जैसा हो जाएगा, लेकिन अभी इसमें काफी समय लग सकता है। लेबनान की अमेरिकान यूनिवर्सिटी ऑफ बेरुत के अध्ययन के मुताबिक, अलग-अलग जलवायु में वायरस अपना रूप बदलेगा लेकिन यदि इसके लिए एंटीबॉडी विकसित हो जाए तो करीब सभी देशों में यह मौसमी फ्लू जैसा हो जाएगा। फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, जब तक एंटीबॉडी हासिल नहीं कर ली जाती तब तक कोरोना वायरस कई रूपों में सामने आ सकता है। हालांकि, फ्लू जैसे अन्य वायरस की तुलना में इसका ट्रांसमिशन रेट उच्च रहेगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने वैश्विक समुदाय से कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई में संयुक्त राष्ट्र प्रणाली और विशेष रूप से विश्व स्वास्थ्य संगठन की मदद करने का आग्रह किया। इस गर्मी में, महामारी से निपटने में के असफल रहने की बार-बार आलोचना करने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका ने गुटेरेस से औपचारिक रूप से जुलाई 2021 में डब्ल्यूएचओ से हटने की घोषणा की थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मॉर्गन ऑर्टागस ने पर अविश्वास व्यक्त किया था। डब्ल्यूएचओ ने मार्च में कोरोना वायरस को महामारी घोषित किया था। इसराईल में कोरोना वायरस के 4034 नए मामले सामने आने से यहां संक्रमितों की संख्या 164402 हो गयी है। स्वास्थ मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। इस दौरान 11 और लोगों की मौत के साथ ही यहां कोरोना से मरने वालों की संख्या 1147 हो गयी है जबकि गंभीर रुप से बीमार मरीजों की संख्या 534 हो गई है। इसराईल में 2157 और मरीजों के स्वस्थ होने से ठीक होने वालों की संख्या 120727 हो गयी है। यहां फिलहाल 42528 सक्रिय मामले हैं।

संयुक्त अरब अमीरात (श्र) में कोरोना वायरस के 674 नए मामले सामने आने के साथ ही इससे संक्रमित मरीजों की संख्या 80940 हो गयी है। स्वास्थ मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान 654 मरीज ठीक हुए हैं और अबतक कुल 70635 मरीज संक्रमणमुक्त हो चुके हैं। दो और मरीजों की मौत के साथ ही मृतकों की संख्या 401 पहुंच गई है।

दुनियाभर में कोरोना से 2.95 करोड़ संक्रमित, 9.35 लाख लोगों की मौत

वाशिंगटन। विश्वभर में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से दो करोड़ 95 लाख से अधिक लोग संक्रमित हो गये हैं और 9.35 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में अब तक 2,95,82,122 लोग संक्रमित हुए हैं और 9,35,124 लोगों की मौत हुई है। वैश्विक महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 66,06,561 पर पहुंच गयी है और अब तक 1,95,942 लोगों की जान जा चुकी है। भारत में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 90,123 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 50 लाख को पार कर 50,20,360 हो गया। वहीं इस दौरान 1290 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 82,066 हो गयी है। ब्राजील में अब तक 43,82,263 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 1,33,119 लोगों की मौत हो चुकी है। रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 10,69,873 पहुंच गई हैं तथा 18,723 लोगों ने जान गंवाई है। पेरू में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है और यह कोरोना से संक्रमित होने के मामले में वह पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 7,38,020 लोग संक्रमित हुए हैं और 30,927 लोगों की मौत हो चुकी है। कोलम्बिया में इस वायरस से अब तक 7,28,590 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 23,288 है।

जंगलों में आग से अमेरिका की वायु गुणवत्ता हुई बेहद खराब, लोगों का सांस लेना हुआ मुश्किल

लॉस एंजलिस।

ओरेगन, वॉशिंगटन और कैलिफोर्निया के लोग पश्चिमी तटीय क्षेत्र में जंगलों में लगी आग के कारण चल रही खराब हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। कोरोना वायरस महामारी के कारण पहले से घरों में बंद रहने को मजबूर लोग जो कभी कभार सैर पर चले जाते थे, अब प्रदूषित हवा की वजह से बाहर तक नहीं निकल पा रहे। लगभग एक हफ्ते या उससे भी लंबे समय से हवा की गुणवत्ता बेहद खराब बनी हुई है। वैज्ञानिकों का दावा है कि चुभने वाली तीखी पीली-हरी हवा कई दिन या हफ्तों तक चलती रहेगी। जंगलों में लगी आग फैलती जा रही है और यह और तबाही मचाने वाली है। ओरेगन के पर्यावरण गुणवत्ता संबंधी विभाग के अनुसार 301 से 500 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक को खतरनाक माना जाता है। ओरेगन के कई शहरों में यह 500 से भी अधिक है, जो सूचकांक के पैमाने से बाहर है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से घरों के भीतर रहने और खिड़की, दरवाजे बंद रखने की सलाह दी है। स्वास्थ्य अधिकारी सराह प्रेजेंट ने बताया, ''कुछ इलाकों में हवा की गुणवत्ता इतनी ज्यादा खराब है कि उसे मापा भी नहीं जा सकता। उत्तर कैलिफोर्निया के मौसम विज्ञानी डेन ब्रोसम ने बताया कि खराब हवा से अक्तूबर तक राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑनर किलिंगः प्रेमी के साथ देख पिता ने कुल्हाड़ी से काट दी बेटी की गर्दन

कानपुर देहात (एजेंसी)। जिले के गजनेर क्षेत्र के खनपना गांव में सुबह एक पिता के सिर पर खून सवार हो गया, प्रेमी के साथ बेटी को देखकर उसे कुल्हाड़ी से काटकर मौत के घाट उतार दिया। ऑनर किलिंग से गांव में सनसनी फैल गई और पुलिस ने आरोपित पिता को हिरासत में लेकर खून से सनी कुल्हाड़ी कब्जे में ली है।

ग्रामीणों के मुताबिक खनपना गांव निवासी 19 वर्षीय युवती का पड़ोसी युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों ही घर वालों से छिपकर मिलते थे और गांव से बाहर अक्सर साथ ही जाते थे। इस बात की जानकारी दोनों के घरवालों को नहीं थी। चार दिन

पहले युवती की मां अपने मायके मैथा चली गई थी। घर पर पिता को खाना बनाकर देने के लिए वह बेटी को छोड़ गई थी। बुधवार की भोर पहर युवती का पिता खेतों की ओर गया था। खेत से लौटकर घर आए पिता ने बेटी को प्रेमी के साथ देख लिया, जिससे वह नाराज हो गये। इस बात को लेकर पिता और बेटी के बीच बहस भी हुई। जिसके बाद पिता ने कुल्हाड़ी से बेटी और उसके प्रेमी पर हमला कर दिया।

घायल प्रेमी किसी तरह जान बचाकर भाग गया लेकिन सिर पर खून सवार हो चुके पिता ने बेटी की गर्दन में कई वार करके मौत के घाट उतार दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपित पिता को हिरासत में ले लिया।

जनपद के 10 अलग–अलग स्थान घोषित किये गये कन्टेनमेन्ट ज़ोन

क्रांति समय संवाददाता

बहराइच । जनपद के तहसील सदर बहराइच अन्तर्गत ग्राम बेगमपुर, हठीला, बन्जारी मोड़, मोहल्ला घोसियाना व जोशियापुरा, तहसील पयागपुर के ग्राम अमकोलवा पटना, तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) के ग्राम जरही व तहसील कैसरगंज के ग्राम अचैलिया डीहा में 01–01 व्यक्ति के पीड़ित/संक्रमित पाये जाने तथा तहसील महसी के ग्राम सिकन्दरपुर व तहसील कैसरगंज के ग्राम भट्ठापुरवा में एक से अधिक पीड़ित/संक्रमित पाये जाने के फलस्वरूप जिला मजिस्ट्रेट द्वारा सम्बन्धित क्षेत्र को कन्टेनमेन्ट ज़ोन घोषित करते हुए तत्काल प्रभाव से कोविड–19 के फैलाव को रोकने एवं बचाव व नियंत्रण किये जाने के उद्देश्य से सम्बन्धित क्षेत्रों तथा उसके आस–पास के क्षेत्र को निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार 15 सितम्बर 2020 की रात्रि 08:00 बजे से अग्रिम आदेश तक अस्थायी रूप से सील किये जाने एवं सम्पूर्ण क्षेत्र में प्रवेश एवं निकास तथा वाहनों के संचालन को अपरिहार्य स्थिति को छोड़कर प्रतिबन्धित किये जाने के आदेश जारी किये गये हैं।

उक्त अवधि में निर्धारित प्रोटो. काल के अनुसार सम्बन्धित ग्राम/मोहल्लों में रहने वाले समस्त व्यक्ति अपने–अपने घरों (इन्डोर) में ही रहेंगे। इस आदेश का उल्लंघन उपरोक्त अधिसूचना के प्रस्तर–15 में प्रदत्त व्यवस्था के अनुसार

भा.द.सं. की धारा–188 के अधीन दण्डनीय अपराध माना जायेगा।

गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी कन्सालीडेटेड गाईड लाइन्स के क्रम में मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन के आदेश दिन. ांक 16 अप्ैरल 2020 के अनुपालन में जिला मजिस्ट्रेट द्वारा कन्टेनमेन्ट ज़ोन के लिए नोडल अधिकारी/सहायक नोडल अधिकारी तथा नोडल पुलिस अधिकारी व सहायक नोडल पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गयी है।

जारी आदेश के अनुसार संक्रमण का एक से अधिक प्रकरण (कलस्टर) होने के फलस्वरूप कन्. टेनमेन्ट का दायरा 200 मीटर होगा व उसके उपरान्त स्थानीय स्तर पर परिस्थितियों को देखते हुए बफर ज़ोन होगा एवं ग्रामीण क्षेत्र में उक्त राजस्व ग्राम का सम्बन्धित मजरा का निवास क्षेत्र कन्टेनमेन्ट ज़ोन होगा तथा इस गॉव के इर्द–गिर्द पड़ने वाले दूसरे राजस्व ग्रामों के मजरे बफर ज़ोन में आयेंगे।

जबकि कोविड–19 के संक्रमण के एकल प्रकरण वाले शहरी क्षेत्र में 100 मीटर अथवा पूरा मोहल्ला, जो भी कम हो कन्टेनमेन्ट ज़ोन होगा तथा ग्रामीण क्षेत्र में राजस्व गांव का सम्बन्धित मजरा कन्टेनमेन्ट ज़ोन होगा।

कन्टेनमेन्ट ज़ोन क्षेत्रों के अन्दर एवं बाहर किसी भी व्यक्ति, वाहन इत्यादि को आवागमन की अनुमति नहीं होगी, सिवाय ऐसी स्थिति के जो चिकित्सीय आपातकालीन स्थिति और आवश्यक वस्तुओं/सेवाओं की आपूर्ति से सम्बन्धित हों। कन्टेनमेन्ट ज़ोन में अन्तिम धनात्मक रोगी के सैम्पल कलेक्शन की तिथि से 14 दिनों तक सम्बन्धित क्षेत्र कन्टेनमेन्ट ज़ोन बना रहेगा। यदि उक्त तिथि के 14 दिन उपरान्त तक सम्बन्धित क्षेत्रों में कोई अन्य केस नहीं पाया जाता है तो कन्टेनमेन्ट ज़ोन को सूची से विमुक्त कर दिया जायेगा।

जिला मजिस्ट्रेट द्वारा नामित मजिट्रेटों/पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि को. विड–19 के फैलाव को रोकने एवं बचाव व नियंत्रण के दृष्टिगत कन्टेनमेन्ट ज़ोन की बैरीकेटिंग कराते हुए शासन द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरूप सुरक्षात्मक प्रोटोकाल एवं सोशल डिस्टेंसिंग का कड़ाई से अनुपालन कराना सुनिश्चित करेंगे।

इस आदेश का उल्लंघन पाये जाने पर डिजास्टर मैनेजमेन्ट एक्ट, 2005 की धारा–51 से 60 तथा भारतीय दण्ड विधान की धारा–188 में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी।

12 साल पहले मृत किशोरी निकली जिंदा निकली, अपहरण–हत्या के आरोप में नौ लोगों को हुई थी जेल

जालौन (एजेंसी)। जिले के कालपी कोतवाली क्षेत्र में 12 साल पहले अगवा हुई किशोरी जावित्री पुत्री रज्जो अलीगढ़ में जिंदा मिली। वह अलीगढ़ में अपने पति और बच्चों के साथ रह रही है। जबकि उसके अपहरण और हत्या के मामले में नौ लोगों को जेल हुई थी, जो फिलहाल जमानत पर हैं।

जानकारी के मुताबिक काल. पी थाना क्षेत्र से साल 2008 में किशोरी के अपहरण के कुछ दिन बाद एक अज्ञात शव मिला था। जिसकी शिनाख्त जावित्री की मां ने अपनी बेटी के रूप में करते हुए नौ लोगों पर मामला दर्ज कराया था। पुलिस के मुताबिक प्रतिवादी पक्ष ने जावित्री को ढूंढ निकाला और मंगलवार को जावित्री की ओर से उसके जीवित होने का प्रार्थना पत्र भी कालपी कोतवाली में दिया। याद हो कि तत्कालीन बसपा सरकार ने आनन–फानन में इस मामले की जांच सीबीसीआईडी को सौंप दी थी। इस मामले में जावित्री की मां ने नगर के नामचीन 10 लोंगो के खिलाफ अपहरण की रिपोर्ट कालपी थाने में दर्ज कराई थी।

एक वर्ष बाद घाटमपुर थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में घायल एक किशोरी की शिनाख्त जावित्री की मां राजो ने अपनी बेटी जावित्री के रूप में की थी, तो मामला हत्या की धारा बढ़ा दी गयी थी। इस मामले में तत्कालीन बसपा विधायक छोटे सिंह चैहान पर भी आंच आयी थी। तत्कालीन डीएम रिग्जियाम सैम्फिल के दखल के बाद शासन ने मामले की सीबीसीआईडी जांच के आदेश दे दिए थे। सीबीसीआईडी भी जावित्री को नहीं खोज पाई और न ही घाटमपुर में मृत मिली लड़की का पता लगा पाई। इस पर आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट लगा दी गई। कुछ आरोपी जेल भी भेजे गए। जेल में एक आरोपी की मौत भी हुई। कुछ आरोपी जमानत पर बाहर हैं। 15 सि. तंबर को बसपा नेता जगजीवन अहिरवार ने कालपी थाने में एक प्रार्थना पत्र देकर कहा कि जावित्री की उनसे बात हुई है वह अलीगढ़ में है और वह सही सलामत है। इसके बाद जावित्री को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

गंगा नदी के जलस्तर मे बढाव व बरसात का पानी भरने से आम जन मानस को आवागमन में हो रही कठिनाई।

क्रांति समय संवाददाता

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव विभाग की लापरवाही से करीब ढाई साल पहले काली मिट्टी शिवराज पुर सम्पर्क मार्ग हिंदूपुर गांव के पास बाढ के पानी से कट गया था । जिसका आज तक निर्माण नहीं हो सका है । मिट्टी से शिवराजपुर जाने वाला मार्ग हिदूंपुर गांव के पास कट गया

जिससे क्षेत्रीय लोगों को गंगा का जलस्तर व बरसात का पानी भरने से आवागमन में कठिनाइयों का सामना कारना पड रहा है। सरकार की ओर से सरकारी नाव चलाने का अदेश हुआ था । जिसमें नावे चल रही थी। लेकिन बडे बाहन का आवागमन बंद था। जिसके बाद अब ग्रामीणों ने लकडी का पुल बना दिया । करीब ढाई साल पहले क्षेत्र में आई बाढ मे' काली था। जिससे गंगा कटरी क्षेत्र के हजारों किसानों को कानपुर की मंडी से शिवराजपुर जाने में 60 से 70 किमी. का चक्कर लगाना पड रहा है। वही दैनिक वस्तुओं के लिए भी लोग परेशान होकर इध र–उधर चक्कर काटते दिख रहे हैं। हरदोई उन्नाव मार्ग से जीटी रोड को जोडने बाले प्रमुख काली मिट्टो से शिवराजपुर मार्ग के खराब होने मे शिक्षकों को स्कूल, स्कूल जाने वाले बच्चों, किसानों व राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों की मांग पर पिछले वर्ष सांसद ने डीएम को पत्र लिख कर जल्द निर्माण कार्य शूरू कराने को कहा था और जिला अधिकारी देवेंद्र कुमार पांडे ने चालीस लाख रुपए भी स्वीकृत किए थे ।

किंतु जिम्मेदार अफसरों की अनदेखी के चलते आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई । जिससे इस मार्ग की मरम्मत नहीं हो सकी । बारिश से पहले लोग आसपास के खेतो से पगडंडी मार्ग अपनाकर आवागमन करने थे । लेकिन बरसात का पानी भरने से कटी पुलिया के चारों और पानी पर गया है। जिससे लोगों का आवागमन पूरी तरीके से ठप हैं। और लोगों को इधर–उधर चक्कर काटकर जाना पड़ रहा है । ग्रामीणों के द्व ारा बनाया गया लकडी का पुल अब दिक्कतों से निजात दिलाने में काफी हद तक सहायक रहेगा । वही पीडब्यलूडी अधिकारी मनी लाल ने बताया कि पुलिया व सडक मरम्मत के लिये सरकारी आदेश मिल गया है पानी कम होते ही कार्य शुरु कर दिया जाएगा ।

प्रदेश सरकार के विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से पारम्परिक कारीगरों का हो रहा है आर्थिक विकास'

मनुष्य के जीवन में विविध भौतिक वस्तुओं की आवश्यकता होती है और उन वस्तुओं की आप. ूर्ति समाज के विभिन्न पारम्परिक कारीगरों, हस्तशिल्पियों द्वारा निर्मित वस्तुओं से होता है। आज के मशीनरी एवं वैज्ञानिक युग में औद्योगिकीकरण से प्रदेश की परम्परागत शिल्प का ह्रास होता जा रहा है। जबकि परम्प. रागत शिल्पियों की दैनिक जीवन में अति आवश्यकता है। प्रदेश में विभिन्न वर्गों के परम्परागत कारीगरी, शिल्प को बढ़ावा देने तथा लोगों को स्वरोजगार देने के उद्देश्य से ही प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के पारम्परिक कारीगरों बढ़ई, लोहार, दर्जी, टोकरी बुनकर, नाई, सुनार, कुम्हार, हलवाई, जूते–चप्पल बनाने वाले आदि स्वरोजगारियों तथा पारम्परिक हस्तशिल्पियों की कलाओं के प्रोत्साहन एवं संवद्ध ंन तथा उनकी आय में वृद्धि के अवसर उपलब्ध कराने हेतु प्रदेश में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना लागू किया है।

कोरोना काल में अन्य प्रदेशों में काम करने वाले उ0प्र0 के कारीगरों/श्रमिकों के वापस आने पर अब उन्हें बेरोजगारी की समस्या न आये, इसके लिए प्रदेश सरकार ने तैयारी कर ली है।

लाखों की संख्या में वापस आये प्रदेश के श्रमिकों को काम–काज मिल सके इसें विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना बड़ी मददगार साबित हो रही है। कोरोना वायरस के चलते किये गये लॉकडाउन के कारण लाखों कुशल अकुशल श्रमिक प्रदेश में आ गये हैं। अब ऐसी स्थिति में यह लोग उन प्रदेशों/शहरों में वापस न जायं, प्रदेश में ही उनके कौशल का उपयोग करते हुए योगी आदित्यनाथ जी की सरकार विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत 06 दिन का निःशुल्क प्रशिक्षण देकर उनके स्वयं के कारोबार स्थापित करने के लिए सहायता दे रही है।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत प्रदेश के विभिन्न परम्परागत उद्यमों तथा आधुनिक तरीकों के उद्यमों के लिए बढ़ईगीरी, दर्जी का कार्य, टोकरी बनाने, बाल काटने हेतु नाई का कार्य, गहने आभूषण बनाने वाले सुनार, लोहार, कुम्हारीकला, हलवाई का कार्य, जूता–चप्पल बनाने हेतु मोची का कार्य तथा अन्न हस्तशिल्प की कला को सीखने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार ने यह योजना संचालित की है। इस योजना का उद्देश्य है कि प्रदेश के सभी छोटे–बडे वर्ग के बेरोजगार लोगों को बेहतर प्रशिक्षण दिलाकर उन्हें सम्बंधित उद्यम स्थापित कराकर आत्मनिर्भर बनाना है। जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो और वे काम–काज व रोजगार के लिए अन्य राज्यों में न जायें। उनके कामकाज करने से उनकी और प्रदेश की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना का लाभ लेने के लिए लाभार्थी की पात्रता भी है। इसके अन्तर्गत आवेदन करने वाला व्यक्ति उ0प्र0 का मूल निवासी हो और कम से कम 18 वर्ष का होना जरूरी है।

इसमें शैक्षिक अनिवार्यता नहीं है। आवेदन करने वाला व्यक्ति बीते दो वर्षों में इस तरह की किसी अन्य योजना का लाभ न लिया हो।

पंजीकरण कराने के लिए इस योजना से जुड़ी आधि ाकारिक साइट पर कम्प्यूटर में जाकर लिंक http//diupmsm&upsdc.gov.in पर क्लिक कर आवेदन पत्र भरा जा सकता है। आवेदन पत्र भरते समय आधार कार्ड, मोबाइल नम्बर, बैंक पासबुक खाता नम्बर की कापी, निवास प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, राशन कार्ड प्रति जैसे दस्तावेज साथ में संलग्न करने होंगे।

प्रदेश सरकार इस योजनान्तर्गत लाभ लेने वाले कारीगरों, श्रमिकों को तहसील अथवा मुख्यालय पर लघु या मध्यम उद्यम विभाग द्वारा 06 दिन की मुफ्त ट्रेनिंग दी जाती है। यह ट्रेनिंग इस तरह प्रैक्टिकल रूप में दी जाती है कि लाभार्थी आसानी से सीख लेता है। टेक्रनिंग के दौरान खाने–पीने, रहने की व्यवस्था सरकार द्वारा वहन किया जाता है। लाभार्थियों को सरकार की तरफ से मजदूरी दर के समान कारीगरों को वित्तीय मदद भी दी जाती है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद लाभार्थियों को उनके द्वारा चुने गये ट्रेड के अनुसार टूल किट भी प्रदान किया जाता है।

प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना उद्यम, कारोबार स्थापित करने वाले अभ्यर्थियों को 10 हजार रू0 से लेकर 10 लाख रू0 तक की बैंकों के माध्यम से ऋण दिलाते हुए आर्थिक सहायता की जाती है। योगी सरकार इस योजना के अन्तर्गत हजारों लोगों को स्वयं का कारोबार स्थापित कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बना रही है।

केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं की जमकर उड़ाई जा रही धज्जियां

क्रांति समय संवाददाता

लखीमपुर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की प्राथमिकता वाले अति महत्तवपूर्ण कार्यक्रम ष ओडीएफष की क्षेत्र में जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही है।और जिम्मेदार विशेषकर बीडीओ आंखें मूदे बैठे

हैं।ष्स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अन्तर्गत गांवों को खुले में शौच मुक्त बनाने के लिए पिछले 5 वर्शहों से चल रहे इस कार्यक्रम की ग्राम प्रधानों व ग्राम पंचायत सचिवों ने जमकर धज्जियां उड़ाई।यह योजना भी इन लोगों के लिए अन्य योजनाओं की भांति कुबेर का खजाना साबित हो रही है।

योजना के तहत बनने वाले शौचालय में ग्राम प्रधान ने ष अंधा बांटे रेवड़ी अपनों को देख–देखकरष कहावत को सत्य करते हुए पहले अपने खास लोगों को,फिर अपात्रों को और अंत में दूसरों के शौचालय मानक–विहीन बनवाए। जो साल दो साल तो दूर मात्र कुछ महीनों में ही नाकामयाब हो गए।जिनमें अब कहीं कंडे,कहीं लकड़ी, तो कहीं कुछ और भरा हुआ है। मोहम्मदी क्षेत्र की लगभग सभी 82 ग्राम पंचायतें कागजों पर ओ डी एफ हो चुकी हैं।फिर भी ग्रामीणों के घरों से तमाम मां–बहन–बेटियां शौच के लिए खुले में जा रही हैं।

ऐसा ही कुछ हाल ब्लॉक पसगवां का है।यहां की ग्राम सभा खूंटी–बुजुर्ग में इन्हीं शौचालयों में ग्राम प्रधान व सेक्रेट्री के द्वारा दोनों हंथों लूटने की जन शिकायतों पर बीडीओ व डीपीआरडीओ के चुप्पी साध लेने व दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करने के बजाय उन्हें संरक्षण देकर बचाने प्रयास की सजा डी पी आर ओ अजय कुमार श्रीवास्तव को तो मिल गई।

सार–समाचार

फौजी की खाई मे गिरने से मौत

कानपुर(घाटमपुर)भीतरगांव क्षेत्र के चिलहटा गांव निवासी अमोल सिंह यादव 47 पुत्र रामसनेही की गश्त के दौरान गहरी खाई में गिरने से शहीद हो गए। तकरीबन 3 बजे यूनिट से सूचना परिजनों को मिली।सुचना मिलते ही घर मे कोहराम मच गया अमोल सिंह राज पूतना रेजीमेंट आर्मी में 1995–96 में भर्ती हुए थे।सिक्किम के सिलीगुड़ी जनपद के यागड़ी बॉर्डर पर तैनात थे।अमोल सिंह का परिवार कानपुर यशोदा नगर में रहता है परिवार मे अनुराग 8 विशाल 15 दो पुत्र और पत्नी नीलम देवी है।अमोल सिंह के दो भाई है बड़ा भाई बलवान सिंह रेलवे में कार्यरत है।अमोल सिंह सूबेदार पद पर तैनात थे।सूचना की ख़बर से गांव और घर में कोहराम मच गया।शहीद के घर के बाहर लोगो का हुजूम लग गया। जानकारी के मुताबिक शहीद का शव 18 सितंबर को अपने पैतृक गांव आने की संभावना बताई गई है।

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन के दौरान सुनी जन समस्याएं।

'अमेठी' जिलाधिकारी अरुण कुमार ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में 11 बजे जन सामान्य की समस्याएं सुनी एवं उनके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। शासन के निर्देश पर बुधवार को सभागार में जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुना एवं मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निस्तारण हेतु निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में आए लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोविड–19 संक्रमण से बचाव हेतु सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, मास्क लगाएं तथा साफ–सफाई व सैनिटाइजेशन पर नियमित रूप से ध्यान दें, कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी सोशल डिस्टेंसिंग का का पालन कराते हुए जन समस्याएं सुनी तथा निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। आज जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी के समक्ष लगभग 22 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें नाली विवाद, भूमि पर अवैध कब्जे, वसीयत आदि से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई, जिनके निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों को लंबित न रखा जाए, शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए, इसके साथ ही उन्होंने कहा जिस भी विभाग से संबंधित शिकायत लंबित पाई गई तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

उधारी माँगने पर जवेलर्स की पीटाई

कानपुर(घाटमपुर)साढ़ थाना क्षेत्र के कुढ़नी कस्बा में महेन्द प्रताप सिंह पुत्र स्व जगपाल निवासी एघरा जो की कुढ़नी कस्बे में जेव्वलरी की दुकान किये हैं महेंद्र सिंह ने बताया कि मेरे ही गांव के मुलायम सिंह पुत्र रड़जीत सिंह ने मेरी दुकान से जेव्वलरी का सामान ख़रीदा था जिसमे 6200 रुपये उधार कर दिये थे उसी का तगादा लेकर दुकानदार जब इनके दरवाजे पहुँचा तो मुलायम ने तगादा करने पर गाली गलौज करने लगा तथा गाली गलौच को मना करने पर मारपीट करने लगा बीच बचाव करने आई उसकी व्रद्ध माँ से मारपीट कर दी जिससे उनकी माँ का हाथ टूट गया । पीड़ित के भी चोटे आई हैं गले मे पडा सोने का माला भी गिर गया पीडित ने थाने में तहरीर दी है साढ़ थाना एस.ओ. पी. एन बाजपेयी ने बताया हैं कि मामला मेरे संज्ञान में है जांच कर उचित कार्रवाही कि जाएगी।

विचित्र बुखार से दर्जनों बीमार

कानपुर(घाटमपुर) साढ़ थाना क्षेत्र के रातेपुर गांव में पिछले कई दिनों से डेंगू बुखार से दर्जनों बच्चो ,महिलाये व पुरुष बीमार है।जिनमे कुछ का इलाज क्षेत्र के अस्पतालों व कुछ का कानपुर के अस्पतालों में हो रहा है। गांव के प्रधान कुलदीप सिंह ने बताया कि हम गांव की स्थितियों पर बराबर नजर रखे हुए है जल्दी ही कैप लगाकर रोगियों का परीक्षण करवाएंगे।व समुचित इलाज का इंतजाम करवाएंगे।

ग्रीन जोन में परिवर्तित हुए 12 कन्टेनमेन्ट ज़ोन

बहराइच। तहसील सदर बहराइच के कोतवाली नगर के मोहल्ला नाज़िरपुरा पश्चिमी, थाना रिसिया के मोहल्ला देवीपुरा व ग्राम जलालपट्टी, कोतवाली देहात के ग्राम जगतापुर, तहसील नानपारा के कोतवाली नानपारा के मोहल्ला किला, थाना नवाबगंज के ग्राम बस्सावागॉव उपरिया, तहसील व थाना पयागपुर के ग्राम विशुनापुर व गोबरेबाग हसुवापारा, थाना हुजूरपुर के ग्राम तेलियनपुरवा, थाना विशेश्वरगंज के ग्राम प्रतापपुर तरहर, तहसील महसी के थाना खैरीघाट के ग्राम मूरखलिया बकैना व थाना हरदी के ग्राम गरेठी गुरूदत्त सिंह में कोविड–19 के पीड़ित/संक्रमित व्यक्ति पाये जाने के फलस्वरूप घोषित किये गये हाट स्पाट/कन्टेनमेन्ट ज़ोन को मुख्य चिकित्साधिकारी बहराइच की संस्तुति के आधार पर शासन के प्राविधानानुसार 14 दिनों से इस क्षेत्र में कोई पाजिटिव कोविड–19 मरीज की पुष्टि न होने के कारण जिलाधिकारी ने हाट स्पाट/कन्टेनमेन्ट जोन को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है।

नोडल अधिकारी ने किया कोविड व नान कोविड चिकित्सालयों का निरीक्षण

बहराइच । कोविड–19 एवं बाढ़ राहत कार्य के अनुश्रवण हेतु शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी विशेष सचिव, पंचायती राज, उ.प्र. शासन राकेश कुमार ने नान कोविड सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नानपारा एवं एल–1 कोविड केयर सेन्टर, राजकीय महिला पॉलीटे. क्निक, रिसिया का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया तथा मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। कोई भी मरीज़ गम्भीर प्रकृति का नहीं है। नोडल अधिकारी ने निर्देश दिया कि अपने को सुरक्षित रखते हुए पी.पी.ई. किट पहनकर ही हास्पिटल में प्रवेश करें,

प्रतिदिन परिसर की साफ–सफाई एवं सैनिटाइज करायें। निरीक्षण के समय नायब तहसीलदार–नानपारा तथा नोडल अधिकारी के लाईज़न आफिसर पंकज शर्मा मौजूद रहे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी की शिवाजी से तुलना पर भड़का मराठा समाज, साइबर क्राइम में की शिकायत

सूरत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छत्रपति शिवाजी के साथ तुलना करने से मराठा समाज में भड़के मराठा समाज ने साइबर क्राइम में शिकायत कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की हैं। यह घटना सूरत में सामने आई है। जहां फेसबुक पर किसी यूजर ने एक फोटो अपलोड की है, जिसमें शिवाजी की वेशभूषा में पीएम मोदी को बताया गया है। यह तस्वीर पीएम मोदी और छत्रपति शिवाजी की फोटो कम्बाइन कर बनाई गई है। सोशल मीडिया पर तस्वीर वायरल होने के बाद मराठा समाज में आक्रोश भड़क उठा। मराठा समाज का कहना है कि वह छत्रपति शिवाजी को भगवान की तरह पूजते हैं और उनका काफी आदर करते हैं। किसी राजनेता के साथ छत्रपति शिवाजी की तुलना से मराठा समाज की भावना आहत हुई है। मराठा समाज की ओर से सूरत साइबर क्राइम में शिकायत कर ऐसी विवादित पोस्ट करनेवाले शख्स के खिलाफ तत्काल कार.ंवाई की जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया से तुरंत विवादित तस्वीर को डिलीट किया जाए। ऐसा नहीं किया गया तो आगामी दिनों में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

भ्रष्टाचार का आरोप

लिंबायत मुक्तिधाम हिंदू कब्रिस्तान विकास ट्रस्ट द्वारा श्मशान के निर्माण में भ्रष्टाचार के आरोपों के साथ, नितिन भरुचा ने पुलिस आयुक्त के पास याचिका दायर की है जिसमें ट्रस्टी विधायक संगीता पाटिल सहित 17 के खिलाफ आपराधिक आरोप लगाए गए हैं।

राज्यसभा सांसद अभय भारद्वाज की तबियत नाजुक

राजकोट भाजपा के राज्यसभा सांसद अभय भारद्वाज की तबियत नाजुक बताई गई हैद्य भारद्वाज के इलाज के लिए सूरत से चार डॉक्टरों की टीम चार्टर्ड प्लेन में राजकोट पहुंच गई है।

इस टीम में डॉ. समीर गामी, डॉ. हरेश वस्तपरा, डॉ. कल्पेश गजेसा और डॉ. नीलय शामिल हैं। डॉक्टरों की टीम के साथ साथ सूरत के मजूरा से भाजपा विधायक हर्ष संघवी भी आए हैंद्य अहमदाबाद से भी डॉक्टर अतुल पटेल, डॉ. तुषार पटेल और डॉ. आनंद शुक्ला की टीम राजकोट आई है और उसने भी भारद्वाज की तबियत को लेकर चिंता जताई है। राजकोट पहुंचे डॉक्टरों की टीम चेस्ट फिजिशियन होने के साथ ही फिल्ड में काफी कुशल होने के कारण सरकार ने उनसे संपर्क किया था।

डॉक्टर के मुताबिक भारद्व ाज के शरीर में ऑक्सीजन की तुलना में कार्बन डायोक्साइड अधि ाक रहता है। बता दें कि गत 31 अगस्त को अभय भारद्वाज समेत उनके परिवार के चार सदस्यों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। भारद्वाज की पुत्री और पुत्र को होम कोरन्टाइन किया गया थाद्य जबकि भारद्वाज को उपचार के लिए राजकोट के सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया थाद्य पिछले 15 दिनों से अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है।

बावजूद इसके उनके स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हो रहा।

मोडासा के निकट 1.50 करोड़ की चरस के साथ कश्मीरी शख्स गिरफ्तार

अरवल्ली नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने उत्तरी गुजरात में अरवल्ली के मोडासा के निकट से एक कश्मीरी शख्स को रु. 1.50 करोड़ कीमत की 16 किलो चरस के साथ गिरफ्तार कर लियाद्य उत्तरी गुजरात के शामलाजी–रतनपुर चेकपोस्ट से लाखों की शराब गुजरात में तस्करी किए जाने की खबरें आए दिन सामने आती रहती हैं।

अबकी बार डेढ़ करोड़ रुपए कीमत की चरस पकड़ी गई है। एनसीबी को चरस तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना के बाद हरकत में आई एनसीबी की टीम मोडासा हाईवे पर वॉच पर थी। उस वक्त दिल्ली पासिंग की वेगन आर कार रोक ली और उसकी तलाशी लीद्य एनसीबी को कार से 16 किलो चरस मिली, जिसकी कीमत रु. 1.50 करोड़ बताई गई है। एनसीबी ने चरस के साथ ही एक कश्मीरी शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। बरामद चरस कश्मीरी शख्स कहां से ला रहा था और किसे पहुंचाने जा रहा था, इसकी फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिलीद्य एनसीबी आरोपी शख्स से पूछताछ कर रही है।

भाजपा के पूर्व सांसद लीलाधर वाघेला का निधन, पाटन में होगी अंत्येष्टि

बनासकांठा भाजपा के पूर्व सांसद लीलाधर वाघेला का आज 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बनासकांठा के डीसा में उनके पुत्र के निवास पर वाघेला ने अंतिम सांस ली।

लीलाधर वाघेला का जन्म 17 फरवरी 1935 को मेहसाणा जिले के चाणस्मा तहसील के पींपल गांव में हुआ था। बीए, बीएड की पढ़ाई करने के बाद वाघेला ने किसान, सामाजिक कार्यकर्ता और पत्रकार के तौर अपना कैरियर शुरू किया थाद्य पांच वर्ष तक वाघेला ने शिक्षक के रूप में सेवा दी।

87 वर्षीय लीलाधर वाघेला पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थेद्य वाघेला का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव पाटण के पींपल गांव में किया जाएगा।

वाघेला गुजरात भाजपा में पांच दफा विधायक और बार सांसद रहे। राज्य सरकार में तीन दफा बतौर मंत्री सेवा दी। लीलाधर वाघेला कभी कांग्रेस में थे और चिमनभाई पटेल के सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं।

वर्ष 2004 में शंकरसिंह वाघेला के खिलाफ चुनाव लड़कर चर्चा में आए लीलाधर वाघेला को भाजपा ने 2014 के लोकसभा चुनाव में अपना उम्मीदवार बनाया था। इस चुनाव में लीलाधर वाघेला ने कांग्रेस प्रत्याशी भावसिंह राठौड़ को 1.38 लाख से अधिक वोटों से हराया थां। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में वाघेला ने बनासकांठा सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी।

लेकिन हरीभाई चौधरी के कारण वाघेला को पाटन लोकसभा सीट से चुनाव लड़ना पड़ा।

इससे पहले अपने पुत्र को विधानसभा चुनाव में टिकट देने को लेकर भाजपा पर दबाव बनाने का प्रयास किया था। पुत्र को टिकट नहीं देने पर भाजपा छोड़ देने की धमकी तक दी थी।

फोटोग्राफी बंद होने पर दो सहेलियों ने शुरू की शराब तस्करी, दोनों गिरफ्तार

वलसाड कोरोना संकट में रोजगार–धंधा बंद होने से लोग आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। आर्थिक संकट से उबरने के लिए कई लोग कुछ भी करने को तैयार हैं।

ऐसी ही एक घटना वलसाड से सामने आई है, जिसमें पुलिस ने दो युवतियों को विदेशी शराब की बोतलों के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

अहमदाबाद और जामनगर की दो युवतियां फोटोग्राफी व्यवसाय से जुड़ी थीं। लेकिन कोरोना संकट में फोटोग्राफी बंद होने से रोजमर्रा के खर्च समेत बैंक की किश्तें मुश्किल हो गया था। आर्थिक संकट से जूझ रही दोनों युवतियों ने महाराष्ट्र से शराब लाकर अहमदाबाद में बेचने की योजना बनाई।

परंतु अहमदाबाद पहुंचने से पहले ही दक्षिण गुजरात की वलसाड पुलिस ने दोनों को धर लिया। वलसाड पुलिस को सूचना मिली थी कि दो युवतियों बलेनो कार में विदेश शराब लेकर आ रही हैं।

सूचना के आधार पर वलसाड के अतुल के निकट अहमदाबाद–मुंबई नेशनल हाईवे पर निगरानी बढ़ा दी।

बलेनो कार देखते ही पुलिस ने उसे रोक तलाशी ली।

कार से 31200 रुपए कीमत की विदेशी शराब की 216 बोतलें बरामद हुईं।

पुलिस ने दोनों युवतियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में युवतियों ने बताया कि दोनों फोटोग्राफी व्यवसाय से जुड़ी थी, परंतु कोरोना काल में फोटोग्राफी व्यवसाय बंद होने से वह आर्थिक संकट से जूझ रही थीं इससे उबरने के लिए महाराष्ट्र से शराब लाकर अहमदाबाद में बेचने की योजना बनाई थी। युवतियों ने बताया कि महाराष्ट्र के पालघर में एक वाइन की दुकान से विदेशी शराब खरीदी थी और अहमदाबाद ले जा रही थीं।

सुरत रेलवे स्टेशन गरनाले की गर्डर टेम्पो पर गिरने से टेम्पो पर,दो लोगों घायल,

सूरत। रेलवे स्टेशन के पास आज एक बड़ा हादसा होने से मौके पर अफरातफरी और भगदड़ मच गई,

गरनाले का गर्डर गिर जाने की वजह से एक वाहन चालक और एक मोची घायल हो गया.दोनों को जख्मी हालत में अस्पताल में ले जाया गया.

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक़ बुधवार दोपहर को सूरत रेलवे स्टेशन के पास खांड बाजार गरनाला का गर्डर गिर गया.

एक आइशर टेम्पो चालक ने गर्डर से टकरा दिया।जिस वजह से यह हादसा हुआ।

जिसमे में वहा बैठनेवाला मोची श्रीराम बाविष्कर और एक मोपेड चालक घायल हो गए.

जबकि मोपेड और आईशर को भी नुकशान पंहुचा है.घटना की जानकारी दिए जाने पर फायर कर्मी,पुलिस और 108 एम्ब्युलेंस मौके पर पहुंचे।दोनों जख्मी युवको को अस्पताल में ले जाया गया. इस घटना को लेकर कई लोगो ने रेलवे की लापरवाही होने का आरोप लगाया।

निवृत्त डीवायएसपी के पुत्र ने पत्नी और दो पुत्रियों के साथ आत्महत्या कर ली

भावनगर के विजयराजनगर में रहनेवाले रिटायर्ड पुलिस उपाधीक्षक के पुत्र के पत्नी और पुत्रियों समेत सामूहिक आत्महत्या करने की घटना से सनसनी फैल गई।

सामूहिक आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चला। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्यवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक भावनगर के जयराजनगर निवासी राष्ट्रपति पदक से सम्मानित रिटायर्ड डीवायएसपी नरेन्द्रसिंह जाडेजा के पुत्र पृथ्वीराजसिंह जाडेजा ने अपनी पत्नी बीनाबा और दो पुत्रियों नंदिनीबा और यशस्वीबा के साथ चार लोगों ने आत्महत्या कर ली। एक ही रिवॉल्वर से गोली मारकर सामूहिक हत्या की होने की जानकारी है। खबर लगते ही पुलिस घटना. स्थल पर पहुंच गई और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज आसपास रहनेवाले लोगों के बयान कलमबद्ध कर रही है। रिटायर्ड डीवायएसपी के पुत्र ने परिवार के साथ आत्महत्या करने के कारणों में फिलहाल पता नहीं चला।

गुजरात में 1364 नए केस, 1447 हुए डिस्चार्ज, 12 मरीजों की कोरोना से मौत

अहमदाबाद गुजरात में का.ंरोना की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही। राज्य में आज 1364 नए केस सामने आए हैं, जबकि 1447 लोगों को डिस्चार्ज किया गया है। 24 घंटों में 12 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। राज्य में टेस्ट बढ़ाने के साथ ही नए केसों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है। राज्य में आज 85153 समेत राज्यभर में अब तक कुल 3523653 टेस्ट किये जा चुके हैं। अब तक कुल 117709 का.ंरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं। जिसमें 98156 लोग कोरोना को मात देकर ठीक हो चुके हैं और 3259 मरीजों की मौत हो चुकी हैं। शेष 16294 सक्रिय मरीजों में 16169 की हालत स्थिर है और 98 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 3, सूरत में 3, सूरत कॉर्पोरेशन में 2, गिर सोमनाथ में 1, राजकोट में 1, राजकोट कॉर्पोरेशन में 1, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1 समेत कुल 12 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में सूरत कॉर्पोरेशन में 174, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 147, जामनगर कॉर्पोरेशन में 108, सूरत में 107, राजकोट कॉर्पोरेशन में 99, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 81, राजकोट में 44, वडोदरा में 41, मेहसाणा में 36, बनासकांठा में 34, कच्छ में 34, भावनगर कॉर्पोरेशन में 28, पंचमहल में 28, अमरेली में 27, मोरबी में 26, पाटन में 26, भरुच में 25, गांधीनगर में 23, महीसागर में 21, जूनागढ़ में 20, सुरेन्द्रनगर में 19, अहमदाबाद में 18, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 18, जामनगर में 18, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 18, तापी में 16, भावनगर में 15, गिर सोमनाथ में 15, खेडा में 14, साबरकांठा में 10, आणंद में 9, दाहोद में 9, बोटाद में 8, देवभूमि द्वारका में 8, नर्मदा में 8, छोटाउदेपुर में 7, वलसाड में 7, अरवल्ली में 5, डांग में 5, नवसारी में 5, पोरबंदर में 5 और पोरबंदर में 3 समेत राज्यभर में कुल 1364 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए हैंद्य जबकि 1447 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया हैं। राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में 605246 लोगों को कोरन्टाइन किया गया है।

जिसमें 604753 होम कोरन्टा.इन और 493 लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखा गया है।

पाकिस्तान मरीन द्वारा 8 बोट समेत 45 भारतीय मछुआरों का अपहरण

अहमदाबाद पाकिस्तान ने फिर एक बार नापाक हरकत को अंजाम दिया है। पाकिस्तान मरीन सिक्युरिटी ने भारतीय जल सीमा में घुसकर 8 बोट समेत 45 मछुआरों का अपहरण लियां।

अपहृत भारतीय मछुआरों को पाकिस्तान के बंदरगाह करांची ले जाया गया है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है इससे पहले भी पाकिस्तान मरीन सिक्युरिटी बोट समेत भारतीय मछुआरों का अपहरण कर चुकी है। गुजरात में 1600 किलोमीटर लंबा तटीय क्षेत्र है और पाकिस्तानी मरीन सिक्युरिटी आए दिन भारतीय जल सीमा में घुसकर मछुआरों का अपहरण कर ले जाती हैं। गत फरवरी महीने में भी पाक मरीन सिक्युरिटी ने 3 बोट समेत 17 मछुआरों का अपहरण कर लिया था। सौराष्ट्र की कुछ बोट अरब सागर में भारतीय जल सीमा के निकट मच्छीमारी कर रही थी। उस वक्त पाक मरीन सिक्युरिटी ने बंदूक की नों क पर 3 बोट समेत 17 मछुआरों का अपहरण कर कराची ले गई थी। आज फिर एक बार पाक मरीन सिक्युरिटी ने 8 बोट समेत 45 मछुआरों का अपहरण कर लियां ।

अपहरण की गई 8 बोट में से 6 पोरबंदर की और 2 बोट वेरावल की थी। मछुआरों के परिजनों ने सरकार से सभी मछुआरों को सुरक्षित वापस लाने की मांग की है।

अहमदाबाद मण्डल पर स्वच्छता पखवाडे की शुरूआत

अहमदाबाद पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर दिनांक 16 सितंबर से 30 सितंबर 2020 तक मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़े की शुरूआत हुई। मण्डल रेल प्रबंध ाक दीपक कुमार झा द्वारा मंडल कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई। मंडल के प्रमुख स्टेशनों भुज, गांधीधाम, पालनपुर, सामाखियाली, महेसाणा, विरमगाम, साबरमती, मणिनगर तथा अहमद. ाबाद, स्टेशनो कांकरिया, अहमद. ाबाद व साबरमती के कोचिंग डिपो, वटवा व साबरमती के डीजल शेड,ट्रेनिंग स्कूल पर भी स्वच्छता पखवाड़े की शुरूआत की गई तथा सभी कर्मियों व कॉन्ट्रैक्ट क्लिनिंग स्टाफ को स्वच्छता शपथ दिलाई गई एवं उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान कालूपुर हेल्थ यूनिट से अहमद. ाबाद स्टेशन व सरसपुर रेलवे कॉलोनी तक स्वच्छता रैली का भी आयोजन किया गया। डीआरएम झा ने इस अवसर पर मीडिया से चर्चा के दौरान बताया कि 'स्वच्छ भारत– स्वच्छ रेल' मिशन के तहत यह स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है जिसमें रेलों, रेल परिसरों, कार्यालयों इत्यादि प्रमुख स्थानों पर इस पखवाड़े के दौरान सघन स्वच्छता अभियान चलाए जाएंगे तथा रेल कर्मियों व उनके परिजनों, कॉन्ट्रैक्ट स्टाफ व यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। वर्तमान में कोरोना महामारी के चलते कोविड–19 के प्रोटोकॉल तथा भारत सरकार द्वारा जारी गाइड लाईंस जैसे सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पूरी तरह से पालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष के स्वच्छता पखवाड़े के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को पूरी तरह से समाप्त करना तथा कार्यालयों में प्लास्टिक के इस्तेमाल को हतोत्साहित करना तथा रेलवे स्टाफ व उनके परिजनों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने पर विशेष बल दिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)